



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 13] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 27, 1976 (चैत्र 7, 1898)
No. 13] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 27, 1976 (CHAITRA 7, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 27 फरवरी 1976

सं० ए० 32014/1/75-प्र०-III—इस कार्यालय की समन्वयाक अधिसूचना दिनांक 12-1-1976 में आशिक सशोधन करते हुए संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सवर्ग के स्थायी सहायक श्री एम० डी० शर्मा को राष्ट्रपति द्वारा 1-1-1976 से 28-2-1976 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए यथा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी सवर्ग में उक्त सेवा के अनु-भाग अधिकारी ग्रेड में स्थापनापत्र आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 1 मार्च 1976

सं० ए० 32014/2/75-प्रशा०-III—इस कार्यालय की सम-संख्यक अधिसूचना दिनांक 1 अप्रैल, 1975 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा सवर्ग के चयन ग्रेड के स्थायी अधिकारी, श्री एम० ए० गणपति राम को, राष्ट्रपति द्वारा के० सं० से० नियमावली, 1962 के नियम 10 के परन्तुक के अधीन, 1 मार्च 1976 से 30 अप्रैल, 1976 तक दो महीने की अतिरिक्त अवधि के लिए यथा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय 516GI/75

सेवा सवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थापनापत्र रूप से नियुक्त किया जाता है।

प्र० ना० मुखर्जी
अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी)

सचिवालय सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी 1976

सं० पी० एफ०/बी-99/69-प्रशासन-1—बम्बई पुलिस से प्रतिनियुक्त श्री बी० आर० जादव, पुलिस निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, बम्बई शाखा दिनांक 1-1-76 से दिनांक 31-1-76 तक 31 दिन की सेवा-निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर चले गए। सेवा-निवृत्ति पूर्व छुट्टी समाप्त होने के उपरान्त निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री जादव सेवा-निवृत्त हो गए।

सं० 8-74-प्रशासन-5—अपने मूल राज्य पंजाब में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री डी० पी० मधोक, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय (2607)

अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 11-2-76 के अपराह्न में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, शिमला एरुन, अम्बाला शाखा के पुलिस उप-अधीक्षक के अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

गुलजारी लाल अग्रवाल
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला

नई दिल्ली-110022, दिनांक 25 फरवरी 1976

सं० 1-20/75-सी० एफ० एस० एल०/1217—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो और महानिरीक्षक विशेष पुलिस स्थापना, नई दिल्ली की केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला के कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (जीव विज्ञान) (तदर्थ) श्री जी० डी० गुप्ता को दिनांक 10 फरवरी, 1976 (पूर्वाह्न) से अपने आदेश होने तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली की केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला में अस्थाई रूप से कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (जीव विज्ञान) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

जी० एल० अग्रवाल
प्रशासन अधिकारी (ड०)
कृते निदेशक
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल महानिदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 26 फरवरी 1976

सं० एफ० 3/22/74-ईस्ट० (सी० आर० पी० एफ०)—राष्ट्रपति श्री आर० एन० राव सहायक कमान्डेंट को उनकी तदर्थ पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कमान्डेंट के पद पर 15 जनवरी, 1976 के अपराह्न में नियुक्त करते हैं।

सं० टी०-4/976-स्थापना—राष्ट्रपति, निम्नलिखित सूचदारों को उनकी पदोन्नति पर उप-पुलिस अधीक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के पद पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में उनके समक्ष दी हुई तिथियों से अस्थायी रूप से अगले आदेश जारी होने तक अल्पावधिक रिक्ती के फलस्वरूप, नियुक्त करते हैं।

2. उन्होंने अपने पद का कार्यभार बतार बटालियनों में सामने दी गई तिथियों से सम्भाल लिया है:—

संख्या अधिकारी का नाम	तैनात की गई बटालियन	पदोन्नति पर कार्यभार संभालने की तिथि
1	2	3
1. श्री फकीर मोहम्मद	1 बतार बटा०	29-12-75 पूर्वाह्न

1	2	3	4
2. श्री सन्तोष सिंह	3	बेतार बटा०	22-12-75 पूर्वाह्न
3. श्री केवल कृष्ण	2	,, ,,	16-12-75 पूर्वाह्न
4. श्री कंवर सिंह	3	,, ,,	17-12-75 पूर्वाह्न
5. श्री खुशी राम	1	,, ,,	19-2-75 पूर्वाह्न

दिनांक 27 फरवरी 1976

सं० पी० VII -4/75-स्थापना—राष्ट्रपति, श्री के० एन० कौल, के० रि० पु० दल को, के० रि० पु० दल में पुलिस उप-अधिकारी (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के रूप में अगला आदेश जारी होने तक अस्थाई रूप से पदोन्नत करते हैं।

2. उन्होंने अपने पद का कार्यभार 26वीं बटालियन, के० रि० पु० दल में दिनांक 8-2-76 पूर्वाह्न संभाला।

दिनांक 1 मार्च 1976

सं० 0II-723/69-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर एस० विजय कुमार जी० डी० ओ० ग्रेड II की उसकी तदर्थ पदोन्नति के फल स्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में जी० जी० ओ० ग्रेड I के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. उसने जी० डी० ओ० ग्रेड II सैकन्ड बैस हास्पिटल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल हैदराबाद के पद का कार्यभार 18-2-76 पूर्वाह्न छोड़ा और 18-2-76 पूर्वाह्न से सैकन्ड बैस हास्पिटल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, हैदराबाद में जी० डी० ओ० ग्रेड I के पद का तदर्थ रूप से कार्यभार संभाला।

सं० 0-II-639/70-स्थापना—श्री एस० सी० चावला, उप-पुलिस अधीक्षक, के० रि० पु० दल को सेवाएं मन्त्रिमंडल सचिवालय को दिनांक 31-12-75 अपराह्न से सौंपी जा रही है।

ए० के० बन्धोपाध्याय
सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक मार्च 1976

सं० पी०/के० (1)-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की अधिसूचना सं० पी०/के० (1)-प्रशा० 1, तारीख 14 अगस्त, 1975, के अनुक्रम में श्री एच० एस० क्वात्रा की पंजाब में जन गणना कार्य के उप-निदेशक के रूप में पुनर्नियोजन की अवधि को 1 मार्च, 1976 से छः महीने की और अवधि के लिए सहर्ष बढ़ाते हैं।

बट्री नाथ,
भारत के उप-महापंजीकार तथा
पदेन उप-सचिव

सरदार बल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय

पुलिस अकादमी

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी 1976

सं० 41/14/75-स्थापना—श्री सी० दिनकर, आई० पी० एस० (1963 करनाटका) ने करनाटका पुलिस सेवा संवर्ग से स्थानान्तरित होकर, सरदार बल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी हैदराबाद में दिनांक 20 फरवरी, 1976 अपराह्न से सहायक निदेशक का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० 41/3/72-स्थापना—दिल्ली प्रशासन के वरिष्ठ अभियोक्ता श्री ए० एन० सहगल ने सं० ब० प० राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद के विधि अनुदेशक के पद का कार्यभार 20 फरवरी, 1976 के अपराह्न से छोड़ा।

महमूद बिन मुहम्मद
उपनिदेशक (प्र०)

वित्त मन्त्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास (म० प्र०), दिनांक 24 फरवरी 1976

सं० बी० एन० पी०/ई०/स्पे०/36—श्री एन० सी० सेत-गुप्ता, स्थायी नियन्त्रण निरीक्षक, भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक रोड की बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में उप-नियन्त्रण अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर की गई नियुक्ति दिनांक 1-3-76 (पूर्वाह्न) से 30-4-76 (अपराह्न) तक नियमित आधार पर निरन्तर की जाती है।

डी० सी० मुखर्जी,
महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग

कार्यालय : महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-110001, दिनांक 20/28 फरवरी 1976

सं० प्रशासन-1/कार्यालय आदेश क्रमांक 965/5-8-70-76/4019—श्रीमान् महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व ने एफ० आर०-30 (1) के दूसरे परन्तुक के अन्तर्गत श्री बी० के० शर्मा, अनुभाग अधिकारी के समय वेतनमान रु० 840-1200 में 13-11-75 (पूर्वाह्न) से लेखा परीक्षा ग्रेड में प्रोफार्मा पदोन्नति के आदेश किए हैं।

दिनांक 25/28 फरवरी 1976

सं० प्रशासन I/का० आदेश सं० 980/5-5/पदोन्नति/74-76/4071—श्रीमान् महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व ने इस कार्यालय के श्री आर० एन० मेहरा, स्थायी अनुभाग अधिकारी को 24-2-76 (पूर्वाह्न) से समय-वेतनमान रु० 840-1200 में अन्य आदेश होने तक लेखा अधिकारी के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने हेतु नियुक्त किया है।

एच० एस० दुगल
वरिष्ठ उप-महालेखाकार
(प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार, उड़ीसा

भुवनेश्वर, दिनांक 23 जुलाई 1974

सं० ओ० ओ० सी० 341—इस कार्यालय के स्थायी लेखा अधिकारी श्री एच० एस० मुखर्जी को जो सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त कर चुके हैं, 31-7-74 से सेवा निवृत्त होने की स्वीकृति दी जाती है।

दिनांक 3 जुलाई 1975

सं० ओ० ओ० सी० 393—इस कार्यालय के स्थायी लेखा अधिकारी श्री एम० एन० हुदा को जो सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर चुके हैं 30-6-75 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त होने की स्वीकृति दी जाती है।

दिनांक 19 जुलाई 1975

सं० ओ० ओ० सी० 463—महालेखाकार उड़ीसा कार्यालय, भुवनेश्वर ने निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री डी० पी० जगदेव को 19-7-75 पूर्वाह्न से आदेश तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सं० का० आ० परिपत्र 464—महालेखाकार उड़ीसा, भुवनेश्वर ने इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री एस० शेषाद्रि को इस कार्यालय के लेखा अधिकारी संवर्ग, वेतनमान रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200/- के 19-7-75 से अगले आदेश होने तक प्रोफार्मा प्रमोशन (निर्धारित प्रपत्र पदोन्नति (स्थानापन्न) के लिए मंजूरी दी है।

दिनांक 1 अगस्त 1975

सं० ओ० ओ० सी० 519—महालेखाकार उड़ीसा, भुवनेश्वर, ने निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को यथा उल्लिखित तिथि 26-7-75 (पूर्वाह्न) से आदेश तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 30 अगस्त 1975

सं० का० आ० परिपत्र 651—महा लेखाकार उड़ीसा ने इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री पी० सी० मजुमदार, जो इस समय कलकत्ता मेट्रोपोलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी, कलकत्ता, में प्रतिनियुक्ति पर हैं, को दिनांक 5-10-74 पूर्वाह्न से रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200/- के वेतनमान पर लेखा अधिकारी संवर्ग के लिए प्रोफार्मा पदोन्नति (स्थानापन्न) की मंजूरी दी है।

दिनांक 13 नवम्बर 1975

सं० ओ० ओ० सी० 986—महालेखाकार उड़ीसा भुवनेश्वर ने निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को यथा उल्लिखित तिथि 10-11-75 (पूर्वाह्न) से आदेश तक स्थानापन्न लेखा अधिकारियों के पद पर नियुक्त किया है।

भी० एस० भारद्वाज
वरिष्ठ उप-महालेखाकार
(प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार उत्तर प्रदेश

इलाहाबाद, दिनांक 24/26 फरवरी 1976

सं० प्रशासन एक/सी०-7-ए-59/5232—श्री कैलाश नारायण वरिष्ठ वर्ग लेखा परीक्षक को ज्ञापन सं० प्रशासन एक/सी०-7-ए-95/6992 दिनांक 17-1-73 के द्वारा अवचार के लिए आरोप पत्र दिया गया था। एक जाच अधिकारी द्वारा आरोपों की जाच की गयी और पजीकृत ज्ञापन सं० प्रशासन एक/सी०-7-ए-59/1182 दिनांक 10-6-75 द्वारा पूछा गया कि क्यों नहीं उन्हें नौकरी से बर्खास्त कर दिया जाय। यह ज्ञापन उनके अन्तिम ज्ञात पते पर भेजा गया, जो उन्हें बिना मिले वापस आ गया। अधोहस्ताक्षरी ने अपने अधिकार के अन्तर्गत उन्हें नौकरी से बर्खास्ती की सूचना ज्ञापन सं० प्रशासन एक/सी०-7-ए-59/4403 दिनांक 8-1-76 के द्वारा पजीकृत डाक से भजी, वह भी वापस आ गयी। अधोहस्ताक्षरी सूचित करते हैं कि वृत्तित श्री कैलाश नारायण, सरकारी नौकरी से, इस विज्ञप्ति के राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से बर्खास्त घोषित किए जाते हैं।

डी० जेरथ
महालेखाकार

कार्यालय महालेखाकार, गुजरात

अहमदाबाद-380001, दिनांक 27 फरवरी, 1976

सं० एस्ट० (ए०)/जी० प्रो०/2(168)/4689—महालेखाकार, गुजरात ने अधीन लेखासेवा के स्थायी सदस्य श्री ए० एम०

जयरामन को दिनांक 6 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से लेकर अगला आदेश मिलने तक महालेखाकार, गुजरात अहमदाबाद के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा-अधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

के० एच० छाया
उप-महालेखाकार, (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार, वाणिज्य निर्माण
कार्य तथा विविध

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1976

सं० एडमन-1/2 (4)/V/12165-70—महालेखाकार वाणिज्य निर्माण कार्य तथा विविध, नई दिल्ली निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को प्रत्येक के सामने लिखी तिथियों से अपने कार्यालय में लेखा-अधिकारियों के पद पर अगले आदेश तक, अस्थायी एवं अन्तिम रूप से पदोन्नति करते हैं :—

1. श्री बी० एस० कौशल—29-1-76 (पूर्वाह्न)
2. श्री एस० एल० तलवार—29-1-76 (पूर्वाह्न)
3. श्री एस० एस० बत्रा—29-1-76 (पूर्वाह्न)
4. श्री रामप्रसाद—5-2-76 (पूर्वाह्न)

बी० बी० देवराय
वरिष्ठ उपमहालेखाकार

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियन्त्रक

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1976

सं० 40011 (1)/76/प्रशा०-ए०—रक्षा लेखा महा नियन्त्रक निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों (लेखा) को स्थानापन्न लेखा अधिकारियों के रूप में आगामी आदेश पर्यन्त, प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से एतद् द्वारा नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	संगठन जिसमें सेवारत है	तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)
सर्वश्री			
1.	दुलारे लाल कनोजिया	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना।	1-10-74 (पूर्वाह्न)
2.	चन्द्र भान विद्यार्थी	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ।	16-12-74 (पूर्वाह्न)
3.	गोपी चन्द टण्डन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्टरीज) कलकत्ता।	21-5-75 (पूर्वाह्न)
4.	अमृत भूषण मालिक	रक्षा लेखा नियन्त्रक (वायु सेना) देहरादून।	26-6-75 (पूर्वाह्न)
5.	श्री राम गुलाटी	रक्षा लेखा नियन्त्रक, उत्तरी कमान, जम्मू।	7-7-75 (पूर्वाह्न)
6.	राम रंग बत्रा	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।	20-8-75 (पूर्वाह्न)
7.	गुरु चरन सिंह	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।	9-9-75 (पूर्वाह्न)
8.	गोविन्द सहाय	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना।	21-8-75 (पूर्वाह्न)
9.	दिवान राम धीमान	रक्षा लेखा नियन्त्रक (वायु सेना) देहरादून।	11-9-75 (पूर्वाह्न)
10.	सतीश चन्द्र	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना।	23-9-75 (पूर्वाह्न)
11.	राम रतन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास।	11-9-75 (पूर्वाह्न)
12.	बी० एन० राम	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास।	6-11-75 (पूर्वाह्न)
13.	ए० सुब्रह्मन्यम अय्यर	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।	8-1-76 (पूर्वाह्न)
14.	लक्ष्मण जोसफ चेल्लय्य	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पूना।	29-12-75 (पूर्वाह्न)

(1)	(2)	(3)	(4)
सर्वश्री			
15.	भगत राम गुप्ता	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान, मेरठ ।	26-12-75 (पूर्वाह्न)
16.	अजीत कुमार बासु	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्टरीज), कलकत्ता ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)
17.	एम० एन० बोस	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्टरीज) कलकत्ता ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)
18.	बी० एल० शर्मा	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्टरीज) कलकत्ता ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)
19.	ए० बी० फपूनकर	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्टरीज) कलकत्ता ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)
20.	एम० एल० धर	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्टरीज) कलकत्ता ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)
21.	सत्येन्द्र प्रसाद सेन गुप्ता	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्टरीज) कलकत्ता ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)
22.	ए० आर० घोष	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्टरीज) कलकत्ता ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)
23.	के० आर० शर्मा	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ ।	29-12-75 (पूर्वाह्न)
24.	एन० एम० राम स्वामी	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)
25.	गिरधारी लाल भित्तल	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान मेरठ ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)
26.	पी० आर० मल्होत्रा	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान मेरठ ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)
27.	पी० एस० कोचर	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान मेरठ ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)
28.	राजेन्द्र सिंह अहलुवालिया	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान, मेरठ ।	31-12-75 (पूर्वाह्न)
29.	गोपाल नारायण भाटिया	रक्षा लेखा नियन्त्रक (वायु सेना) देहरादून ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)
30.	ओम प्रकाश घई	रक्षा लेखा नियन्त्रक (वायु सेना) देहरादून ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)
31.	विधु राम खरवाल	रक्षा लेखा नियन्त्रक (वायु सेना) देहरादून ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)
32.	एन० सी० कश्यप	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) इलाहाबाद ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)
33.	शान्ति स्वरूप शर्मा	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) इलाहाबाद ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)
34.	मनोहर लाल	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) इलाहाबाद ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)
35.	आर० पी० भारद्वाज	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) इलाहाबाद ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)
36.	एस० एन० बासु	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना ।	14-1-76 (पूर्वाह्न)
37.	पी० के० मुखर्जी	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना ।	14-1-76 (पूर्वाह्न)
38.	अब्दुल वाजिद	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना ।	23-12-76 (पूर्वाह्न)
39.	धर्म देव हांडा	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)
40.	एस० के० सोनी	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)
41.	विद्या सागर त्रिखा	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पूना ।	12-1-76 (पूर्वाह्न)
42.	आर० एन० उपाध्याय	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)
43.	भगवत प्रसाद शर्मा	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)
44.	लक्ष्मण दास	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ ।	23-1-76 (पूर्वाह्न)
45.	प्रीतिम सिंह बवेजा	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)
46.	एच० सी० दास	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना ।	13-1-76 (पूर्वाह्न)
47.	मदन गोपाल सूरी	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)
48.	एम० वी० मांडवगणे	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना ।	29-12-75 (पूर्वाह्न)
49.	सोहन लाल कपूर	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ ।	20-1-76 (पूर्वाह्न)
50.	आनन्द राम खन्ना	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)
51.	के० नारायण राव	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)
52.	ए० के० सावरगावेंकर	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पूना ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)
53.	नौरंग लाल गुप्ता	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ ।	22-1-76 (पूर्वाह्न)
54.	जे० आर० बाली	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पूना ।	21-1-76 (पूर्वाह्न)
55.	एस० एल० तिवारी	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (वायु सेना) देहरादून ।	30-12-75 (पूर्वाह्न)
56.	रामजीदास कपूर	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैंक) दक्षिणी, मद्रास ।	12-1-76 (पूर्वाह्न)
57.	सुशील कुमार गांगुली	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्टरीज) कलकत्ता ।	12-1-76 (पूर्वाह्न)
58.	अजीत कुमार सेन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्टरीज) कलकत्ता ।	27-1-76 (पूर्वाह्न)
59.	ब्रह्म दत्त	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना ।	31-1-76 (पूर्वाह्न)
60.	सी० आर० सैन गुप्ता	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्टरीज) कलकत्ता ।	3-2-76 (पूर्वाह्न)
61.	पी० ओ० फिलिप	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास ।	31-1-76 (पूर्वाह्न)

(1)	(2)	(3)	(4)
सर्वश्री			
62. जी० सी० थोवास्तव	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पूना ।	28-1-76 (पूर्वाह्न)	
63. आर० देव राजन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर), पूना ।	3-2-76 (पूर्वाह्न)	
64. एस० पी० हांडा	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ ।	17-1-76 (पूर्वाह्न)	
65. रतन लाल शर्मा	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ ।	10-1-76 (पूर्वाह्न)	
66. कस्तूरी लाल	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान, मेरठ ।	20-1-76 (पूर्वाह्न)	
67. राम सिंह रूप रो	रक्षा लेखा नियन्त्रक, उत्तरी कमान, जम्मू ।	28-1-76 (पूर्वाह्न)	
68. मदन लाल छिन्नर	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ ।	17-1-76 (पूर्वाह्न)	
69. एम० कन्द स्वामी	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पूना ।	23-1-76 (पूर्वाह्न)	
70. सुधीर कुमार पाठक	रक्षा लेखा नियन्त्रक (वायु सेना) देहरादून ।	3-2-76 (पूर्वाह्न)	
71. पी० सत्यनारायण राव	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना ।	2-2-76 (पूर्वाह्न)	
72. ई० एम० वारियर	रक्षा लेखा नियन्त्रक (नौ सेना) बम्बई	3-2-71 (पूर्वाह्न)	
73. इन्दर लाल मेहता	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) इलाहाबाद ।	3-2-76 (पूर्वाह्न)	
74. के० के० नीलकंठन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास ।	2-2-76 (पूर्वाह्न)	
75. बी० के० कोल्हटकर	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पूना ।	2-2-76 (पूर्वाह्न)	
76. हकीम चन्द	रक्षा लेखा नियन्त्रक (वायु सेना) देहरादून ।	23-12-75 (पूर्वाह्न)	

एस० के० सुन्दरम
रक्षा लेखा अपर महा नियन्त्रक (प्रशा०)

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1976

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/1105/75-प्रशा० (राज०)/1552—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग-1 के अधिकारी की प्रवर सूची के श्री राजेन्द्र सिंह को 24-12-75 (पूर्वाह्न) से 29-2-76 तक इस कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं ।

प्रताप कौल

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

दस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013, दिनांक 25 फरवरी 1976

सं० 40/59/सी०/19ए० — भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री के० सिन्हा राय को सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, सदर्थ आधार पर, आगामी आदेश होने तक, 28-1-1976 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है ।

दिनांक 26 फरवरी 1976

सं० 2222(डी० आर०)/19ए० — श्री देवाशीष राय को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 650 रु० प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 23 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है ।

सं० 2181 (के० एम०)/19 बी० — भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) श्रीमती कमला मित्रा को सहायक रसायनज्ञ के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 20 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त करते हैं ।

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 6 दिसम्बर 1975

सं० प्र०-15/28(603)/75 — राष्ट्रपति, श्री पी० ए० चौदरी आई० आर० एस० भारतीय राजस्व सेवा को दिनांक 1 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निवेशक (पंजीयन) (केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-1) के पद पर स्थाना-पन्न रूप से नियुक्त करते हैं ।

के० एल० कोहली,

उपनिदेशक (प्रशासन)

कले महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

सं 51/62/19७० — भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री आर० जी० कृष्णमूर्ति को उसी विभाग में, प्रशासनिक अधिकारी के रूप में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 2-1-1976 के पूर्वाह्ल से नियुक्त किया जाता है।

सं 2222 (एस० डी०)/19 ७० — भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) श्री सुबिर दत्त को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 9 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्ल से नियुक्त किया जाता है।

सं 2786 (आर० पी० सी०)/19 ७० — भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रशासनिक अधिकारी श्री आर० पी० चटर्जी सरकारी सेवा से बर्द्धक्य निवर्तन पर 31 जनवरी, 1976 (अपराह्ल) से निवृत्त हो गये।

दिनांक 27 फरवरी 1976

सं 9/71/19७० — श्री महेंद्र कुमार भारद्वाज को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में कलाकार (स्काइविंग) के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 12-1-1976 के पूर्वाह्ल से नियुक्त करते हैं।

सं 51/62/19७० — भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री ए० वी० एन० राव को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में, उसी विभाग में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 5-1-1976 के पूर्वाह्ल से नियुक्त किया जाता है।

सं 2222 (के० सी० जे०)/19७० — श्री कैलाश चन्द्र जैन को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 14 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्ल से नियुक्त किया जाता है।

बी० के० एस० वरदान
महा निदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 27 फरवरी 1976

सं ई० 1-5049/पी० एफ० (वाई० पी० चावला) — श्री योगेश पाल चावला, अधिकारी सर्वेक्षण, सं 15 पार्टी (सं प्र० एव मा० उ० के०) भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद द्वारा

दिया गया अपनी नियुक्ति का त्याग पत्र दिनांक 15 सितम्बर, 1970 (अपराह्ल) में स्वीकृत कर लिया गया है।

डा० हरीनारायण,
महासर्वेक्षक

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता-700012, दिनांक 25 फरवरी 1976

सं एफ० 70-7/76-स्थापना/3583 — विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश के अनुसार श्री पी० के० घोष, कार्यालय अधीक्षक जो तदर्थ आधार पर भारतीय प्राणि सर्वेक्षण में कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे हैं, उन्हें उसी विभाग में 21 फरवरी, 1976 (पूर्वाह्ल) से 650 रुपये से 1200 रुपये तक के वेतन मान में, स्थायी आधार पर, आगामी आदेशों तक कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया जा रहा है।

डा० सं० खेरा
उप-निदेशक-प्रभागी

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1976

सं 2/12/75-एस०-तीन — महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एस० के० पगामा, वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक, जैपुर (उड़ीसा) को दिनांक 17-10-75 (पूर्वाह्ल) से दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, लखनऊ में सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप में, तदर्थ आधार पर, कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिंह
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1976

सं 13(2)/72-एस०-एक — श्री जे० पी० अग्रवाल ने शिक्षा निदेशालय, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली में अपना परावर्तन होने के पक्षस्वरूप 31 जनवरी, 1976 के अपराह्ल से दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, नई दिल्ली में दूरदर्शन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं ए० 31014/2/75-एस०-छ — महानिदेशक, आकाशवाणी निम्नलिखित अधिकारियों को, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख में आकाशवाणी में, मूल रूप से प्रशासनिक अधिकारी (कनिष्ठ) के वर्ग में नियुक्त करने हैं —

क्र०	अधिकारी का नाम	वर्तमान पद और तैनाती का स्थान	पुष्टि ति	तारीख
1	2	3	4	5
1	श्री जोस डी० जे० गोम्स डी० मेले	प्रशासनिक अधिकारी, दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, बम्बई।	7-5-75	

1	2	3	4
2.	श्री एस० एल० भारद्वाज	लेखा निरीक्षक, आकाशवाणी महा-निदेशालय, नई दिल्ली।	7-5-75
3.	श्री ए० एन० मुकर्जी	प्रशासनिक अधिकारी (वरिष्ठ), आकाश-वाणी, कलकत्ता।	7-5-75
4.	श्री शेख मोहम्मद	प्रशासनिक अधिकारी (वरिष्ठ), आकाश-वाणी, बम्बई।	7-5-75
5.	श्री आर० बर्नाबिस (सेवा-निवृत्त)	59-बी०, मुण्डाकर्नी अम्मन, कोडन स्ट्रीट, मायलापुर, मद्रास-4।	7-5-75
6.	श्री एम० डी० द्विवेदी	प्रशासनिक अधिकारी, समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली।	7-5-75
7.	श्री आर० के० त्रिखा	प्रशासनिक अधिकारी (वरिष्ठ), आकाश-वाणी, नई दिल्ली।	7-5-75
8.	श्री आर० पी० सक्सेना	प्रशासनिक अधिकारी (वरिष्ठ), दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, नई दिल्ली।	7-5-75
9.	श्री एम० रामचन्द्रन्	प्रशासनिक अधिकारी (वरिष्ठ), आकाश-वाणी, मद्रास।	7-5-75
10.	श्री के० वैकटेशमूर्ति	प्रशासनिक अधिकारी (वरिष्ठ), दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, मद्रास।	7-5-75
11.	श्री ए० सी० मोहिन्दू	प्रशासनिक अधिकारी, दूरदर्शन केन्द्र, आकाश-वाणी, श्रीनगर।	1-7-75

2. उपर्युक्त बतलाए गए अधिकारियों की पृष्ठि इस शर्त पर की जाती है कि उन्हें किसी भी समय सार्वजनिक निगम में स्थानान्तरित किया जा सकता है और निगम के कर्मचारियों पर निर्धारित सेवा शर्तें, उन पर भी लागू होंगी।

प्रेम कुमार मिन्हा
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

(योजना व विकास एकक)

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1976

सं० ए०-12026/1/76-डी० एस०—महानिदेशक, आकाश-वाणी, एतद्वारा श्री हर मोहिन्दू सिंह गंधोक को 27-1-1976

में अगले आदेश होने तक, आकाशवाणी महानिदेशालय के योजना और विकास एकक में अस्थाई आधार पर मुख्य प्रारूपकार के रूप में नियुक्त करते हैं।

टी० आर० सभरवाल
प्रशासन उपविकास अधिकारी
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 27 फरवरी 1976

सं० ए० 20011/6/71-स्था०-2—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, श्री ओम प्रकाश चौहान को 6 फरवरी, 1976 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक इस निदेशालय के अम्बाला मोबाइल प्रदर्शनी वाहन यूनिट में स्थानापन्न क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी नियुक्त करते हैं।

रोशनलाल जैन
उप-निदेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी 1976

सं० 51-13/70-भ०-1—राष्ट्रपति ने चिकित्सा सामग्री संगठन के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के आगे अंकित तारीख से डिपो प्रबन्धक (श्रेणी-1) के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है :—

क्रमांक	नाम	स्थायी रूप से नियुक्ति की तारीख
1.	श्री ए० के० घोष	12-10-66
2.	श्री जी० पी० काण्टेलीनो	31-10-68
3.	श्री गुरमुख सिंह	24-8-70

मंगत सिंह
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी 1976

सं० 1-58/75-सी० एच० एस०-2—अपना त्यागपत्र मंजूर हो जाने के फलस्वरूप डा० (श्रीमती) सरोज सिबल ने 10 जनवरी, 1976 के अपराह्न को बिलिङ्गन अस्पताल, नयी दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) के पद पर कार्यभार छोड़ दिया।

रवीन्द्रनाथ तिवारी,
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली दिनांक 25 फरवरी 1976

सं० 19-15/75-एडमिन०-1—राष्ट्रपति ने श्री बी० राज-गोपाल अय्यर को 27 जुलाई, 1974 से जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी, में फ्रैन्च के प्राध्यापक के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 26 फरवरी 1976

सं० 26-17/75-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली के अनुसंधान अधिकारी डा० कृष्ण मोहन को 6 फरवरी, 1976 के पूर्वार्द्ध से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान के पटना स्थित कला-अजर यूनिट में सहायक निदेशक (नान-मेडिकल) (पशु-चिकित्सक) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान के पटना स्थित कला-अजर यूनिट में सहायक निदेशक (नान-मेडिकल) (पशु-चिकित्सक) के पद पर अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप डा० कृष्ण मोहन ने 31 जनवरी, 1976 के अपराह्न से राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में अनुसंधान अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 28 फरवरी 1976

सं० 6-13/75-एडमिन०-1—राष्ट्रपति ने श्री अशोक कुमार को केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली में कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी के स्थायी पद पर 23 जुलाई, 1975 से स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सं० 1-10/75-एडमिन०-1—राष्ट्रपति ने डा० के० के० हलदर को अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता, में जीव-रसायन तथा पोषण के प्रोफेसर के स्थायी पद पर 19 फरवरी, 1973 से स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सं० 26-12/75-एडमिन०-1—राष्ट्रपति ने परिवार नियोजन विभाग में विश्लेषक श्री एस० पी० शर्मा को 31 दिसम्बर, 1975 (पूर्वार्द्ध) से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में उप सहायक निदेशक (मूल्यांकन) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जन्दल
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1976

सं० 6-4/75-डी० सी०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री विश्वनाथ मुडगल को 16 फरवरी, 1976 के पूर्वार्द्ध से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय औषध प्रयोगशाला, कलकत्ता में सह-औषध प्रकृतिज्ञ के पद पर नियुक्त किया है।

एस० एस० गोयोस्कर
औषध नियंत्रक (भारत)

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1976

सं० मि० 2(7)/70-स्थापना अनुभाग (1)—श्री भरत सिंह विस्तार निदेशालय, कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय (कृषि विभाग)
2-516GI/75

में अधीक्षक (कोटि प्रथम), द्वितीय श्रेणी (राजपत्रित) (लिपिक वर्गीय) के पद पर 29 फरवरी, 1976 से आग आगामी आदेश तदर्थ स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहेंगे।

निर्मल कुमार दत्त
प्रशासन निदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग

परमाणु विद्युत प्राधिकरण

(केन्द्रीय कार्यालय)

बम्बई-400039, दिनांक फरवरी 1976

सं० ए० पी० ए०/प्रशासन/16/5/73—अध्यक्ष एवं मुख्य प्रबंधक, परमाणु विद्युत प्राधिकरण, इस कार्यालय की दिनांक 14 जुलाई, 1975 की अधिसूचना संख्या ए० पी० ए०/प्रशासन/16/5/73 के अनुक्रम में, स्थानापन्न वैयक्तिक सहायक श्री कोमलेश कोल्हटकर को कुट्टन कोलुट्टी की स्थानापन्न रूप से निजी सचिव के पद पर की गई नियुक्ति की अवधि को 10 फरवरी, 1976 के अपराह्न तक बढ़ाते हैं।

श्री कुट्टी ने 10 फरवरी, 1976 के अपराह्न से कार्यभार छोड़ दिया।

आर० बीरा राघवन
प्रशासन-अधिकारी

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 23 फरवरी 1976

सं० डी० पी० एस०/ए०/11013/64/75-स्थापना—इस निदेशालय की दिनांक 1 नवम्बर, 1975 की समसंख्यक अधिसूचना की अनुवृत्ति में परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक कलकत्ता स्थित परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रॉन परियोजना के भंडार यूनिट (क्रय एवं भंडार निदेशालय) के स्थानापन्न भंडारी श्री परारी किजाक्कोइन राधाकृष्णन को उसी निदेशालय में दो मास की और अवधि के लिए 30 अप्रैल, 1976 तक 650-30-740-35-810-२० री०-35-880-40-1000-40-1200 रुपये के वेतन-मान में तदर्थ आधार पर सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफ,
प्रशासन-अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 25 फरवरी 1976

सं० 05000/प०-12/1225—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष-कार्य-अधिकारी, भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) के, श्री भूपेन्द्र जगमोहनदास पारिख, अस्थायी फोरमैन को उसी परियोजना में फरवरी 1, 1976 (पूर्वार्द्ध) से आगे आदेश होने तक

के लिए वैशानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) अस्थायी रूप से स्थानापन्न की हैसियत में नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1976

सं० ए०-31013/2/75-ई०-एम०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित अधिकारियों को प्रत्येक के मामले की गई तारीख से नागर विमानन विभाग में वरिष्ठ विमान निरीक्षक के पद पर स्थायी रूप में नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	पुष्टि की तारीख
1.	श्री बी० डी० सेठी	13-11-1972
2.	श्री सी० एम० जोषफ	23-3-1973
3.	श्री टी० सी० आहलूवालिया	15-2-1974
4.	श्री बी० के० घोष	1-12-1974
5.	श्री एम० एन० मित्त	1-11-1975

दिनांक 19 फरवरी 1976

सं० ए०-32013/11/75-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 5 सितम्बर, 1975 की अधिसूचना संख्या ए०-32013/11/75-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग में निम्न-लिखित वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों की तदर्थ पदोन्नति की अवधि 30 अप्रैल, 1976 तक अथवा इन पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इन में से जो भी पहले हो, बढ़ा दी है :—

1. श्री एस० रामचन्द्रन,
2. श्री एस० के० चन्द्र,
3. श्री जी० बी० कोणी,
4. श्री पी० आर० सूर्यनन्दन,
5. श्री एन० के० नानू,
6. श्री ए० रामानाथन,
7. श्री डी० सी० महता,
8. श्री बी० के० बाबू।

दिनांक 24 फरवरी 1976

सं० ए०-32014/2/75-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने वैमानिक संचार स्टेशन पालम के श्री सरजीत सिंह, तकनीकी सहायक को 31 जनवरी, 1976 (पूर्वाह्न) से तथा अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है तथा उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, नागपुर में तैनात किया है।

दिनांक 27 फरवरी, 1976

सं० ए०-32013/17/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के श्री पी० एल० भार्गव, सहायक निदेशक संचार को 7 फरवरी, 1976 (पूर्वाह्न) से तथा अगले आदेश होने तक तदर्थ आधार पर उपनिदेशक/नियंत्रक संचार के पद पर नियुक्त किया है तथा उन्हें सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली में क्षेत्रीय नियंत्रक संचार के रूप में तैनात किया है।

हरबंस लाल कोहली
उपनिदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 26 फरवरी 1976

सं० 1/338/76-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा नई दिल्ली शाखा के अधीक्षक, श्री ए० के० बोस को 10 नवम्बर, 1975 से लेकर 27 फरवरी, 1976 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप में सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 1/31/76-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा नई दिल्ली शाखा के सहायक प्रशासन अधिकारी, श्री डी० एन० रायबौधरी को 8-1-76 से लेकर 27-2-76 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए प्रायोजना कार्यालय, नई दिल्ली में स्थानापन्न रूप में प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गोविन्द नाथर
उप निदेशक (प्रशा०)
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तलिय

दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1976

(स्थापना)

सं० 16—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तलिय कार्यालय, दिल्ली के श्री शिव स्वरूप, निरीक्षक (से० ग्रेड) ने, जिनको 650-30-740-35-810-द० से०-35-880-40-1000-द० से०-40-1200 रुपये के वेतनमान में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क ग्रुप बी० के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है, श्री एस० के० बोहरा से जिनका स्थानान्तरण हो गया है, दिनांक 20-2-76 के अपराह्न में अधीक्षक, सीमा शुल्क (विदेश यात्रा कर और आन्तरिक यात्रा कर), प्रधान कार्यालय के पद का कार्यभार ले लिया।

एम० एस० मेहता
समाहर्तलिय

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 24 फरवरी 1976

सं० क-32012/9/75-प्रशासन-पाच—इस आयोग की अधिसूचना सं० क-32012/9/75-प्रशा०-पाच दिनांक 5-1-1976 के अधिपत्रण में, विभागीय पदोन्नति समिति (श्रेणी-दो) की

मिफारिशों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से निम्न-लिखित अनुसंधान सहायकों को केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान-शाला पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में 9 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न में नियमित रूप में स्थापना होने के लिए नियुक्त करते हैं : —

- 1 श्री पी० वी० शाह,
- 2 श्री पी० जी० मार्कडे,
- 3 श्री एम० जे० खुरजेकर,
- 4 श्री के० आर० शाह,
- 5 श्री पी० एस० खरे,
- 6 श्री पी० वी० देवलालीकर,
- 7 श्री वी० आर० द्रविड ।

2 उपर्युक्त अधिकारी केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान-शाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के स्वर्ग में उपरोक्त तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर होंगे ।

जसवंत सिंह
अवर सचिव
कुल अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 16 फरवरी 1976

स० 3-274/72-सी० एच० (ई०)—श्री सी० वी० एन० के० राव, सहायक जल भू विज्ञानी केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड, दक्षिण क्षेत्र, हैदराबाद का त्याग पत्र दिनांक 2-12-75 (पूर्वाह्न) में स्वीकार किया गया है ।

वी० के० बवेजा
मुख्य जल भू विज्ञानी

रेल मंत्रालय

अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन

लखनऊ, दिनांक 23 फरवरी 1976

स० ए०/ई० पी०-364—श्री मदन लाल भारद्वाज, सहायक को दिनांक 29-11-75 से 24-1-76 तक अनुभाग अधिकारी (स्थापना-1), अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन, लखनऊ के रूप में पदोन्नत किया गया था ।

स० ए०/ई० पी०/545—श्री जे० यू० भागवन्दाजी, सहायक को दिनांक 5-12-75 से 19-1-76 तक अनुभाग अधिकारी (प्रशासन), अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन, लखनऊ के रूप में पदोन्नत किया गया था ।

टी० वी० जोसफ,
महानिदेशक

चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना, चित्तरंजन

वर्दवान (प० द०, दिनांक 24 फरवरी 1976)

स० जी० एम० ए०/जी० एस०/8 (मेड)—इस प्रशासन के निम्नलिखित डाक्टरों को चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना के चिकित्सा विभाग के स्वर्ग में द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनके नाम के सामने दी गयी तारीख से अनन्तिम रूप से स्थायी किया जाता है :—

क्रम स०	अधिकारी का नाम	पद जिस पर अनन्तिम रूप से स्थायी किया गया है	अनन्तिम- रूप में स्थायी करने की तारीख
1	डा० एस० के० दाम	सहायक चिकित्सा अधिकारी (सामान्य)	1-1-66
2	डा० एच० वी० तपा- दार	सहायक चिकित्सा अधिकारी (वक्ष)	1-1-66
3	डा० जे० सी० चौधुरी	सहायक चिकित्सा अधिकारी (सामान्य)	1-1-66
4	डा० ए० मंज	सहायक चिकित्सा अधिकारी (जन- स्वास्थ्य)	2-2-66
5	डा० एस० भट्टाचार्य	सहायक चिकित्सा अधिकारी (सामान्य)	2-2-66
6	डा० अजित कुमार वनर्जी	सहायक चिकित्सा अधिकारी (सामान्य)	2-2-66
7	डा० के० पी० विश्वास	सहायक चिकित्सा अधिकारी (सामान्य)	2-2-66
8	डा० डी० वी० सेन	सहायक चिकित्सा अधिकारी (सामान्य)	2-2-66

के० एस० रामास्वामी,
महाप्रबन्धक

मध्य रेल

महाप्रबन्धक कार्यालय

बम्बई-वी० टी० दिनांक 25 फरवरी 1976

स० एच० पी० वी०-220-जी०-दो-टी० सी०—श्री एन० जी० गोठवाल को सहायक परिचालन अधीक्षक-सहायक वाणिज्य अधीक्षक के पद पर श्रेणी-2 सेवा में दिनांक 15-11-1967 से स्थायी किया गया है ।

ब० द० मेहरा
महाप्रबन्धक

कम्पनी कार्य विभाग
(कम्पनी विधि बोर्ड)

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं पूना इन्व्हेस्टर्स बैंक लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 24 फरवरी 1976

सं० 4539/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पूना इन्व्हेस्टर्स बैंक लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० नारायणन
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रामामूर्ति काफी एग्रिकल्चरल डेवलपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 27 फरवरी 1976

सं० 1247 टी० (560)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि रामामूर्ति काफी एग्रिकल्चरल डेवलपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कमाल मिनरल्ज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 27 फरवरी 1976

सं० 1540 टी (560)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कमाल मिनरल्ज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ओम प्रकाश जैन
कम्पनी रजिस्ट्रार
आन्ध्र प्रदेश

कम्पनी अधिनियम, 1956 और तिनबाजार मरचेट एसोसियेशन लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 27 फरवरी 1976

सं० 5031/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर तिनबाजार मरचेट एसोसियेशन लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० सी० नाथ
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सोदपुर इन्जिनियरिंग वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता दिनांक

सं० 26582/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सोदपुर इन्जिनियरिंग वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० सी० नाथ
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दरभंगा मोटर सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पटना, दिनांक 1 मार्च 1976

सं० 3(704) 74/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दरभंगा मोटर सर्विस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

सत्य प्रकाश तायल
रजिस्ट्रार आफ कम्पनी, बिहार

कार्यालय. आयकर अपील अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 17 फरवरी 1976

सं० एफ० 48-एडी० (एटी०)/76—श्री एन० के० औरसिया स्थायी सहायक पंजीकार, आय-कर अपील अधिकरण दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली जिनकी सेवावधि बढ़ायी गयी थी (देखिये इस कार्यालय की अधिसूचना सं० एफ०-48 एडी० (एटी०)/75 दिनांक 30-7-1975) सेवावधि समाप्त हो जाने के कारण दिनांक 31 जनवरी, 1976 (अपराह्न) से सरकारी सेवा में निवृत्त हो गए।

2. अपने आदेश सं० एफ० 48-एडी० (एटी०)/75 दिनांक 8-7-1975 के पैरा-2 का अधिष्मरण करते हुए श्री एन० के० औरसिया, सहायक पंजीकार को 42 दिनों के अंतिम अवकाश जिसे सी० सी० एस० (अवकाश) नियम, 1972 के नियम 39 के उप नियम (2) के अन्तर्गत लोकहित में पहले अस्वीकृत कर दिया गया था, अब दिनांक 1-2-1976 से स्वीकृत किया जाता है।

हरनाम शर्मा,
अध्यक्ष

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 24 फरवरी 1976

निर्देश सं० आर०ए०सी०एक्यू० नं० 322/जे०नं०-101/क०
आर०/75-76—यतः मुझे, बी० वी० सुब्बाराव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० डोर नं० 13-18-19, सत्यनारायणपुरम
है, जो विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-7-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री वुप्पलपाटि नरसिंहराजु पि० पि० के० राज
(2) वुप्पलपाटि नरसिंहराजु पी० नरसिंह राजु, विजयवाडा
(अन्तरक)

2. श्रीमती वेभुलपल्ली विजयलक्ष्मी प० राजाराव,
विजयवाडा ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

। 31-7-75 पाक्षिक अत
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 254/75 में निगमित अनुसूची
सम्पत्ति ।

बी० वी० सुब्बाराव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 24-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 फरवरी 1976

निवेश सं० एसीक्यू०-321-जे० नं०-75-76/वी०एस०पी०/—
यतः मुझे, बी० वी० सुब्बाराव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० नं० 11-5-15 से 11-5-18 है जो विजयनगरम
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयनगरम
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 31-7-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम, के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतीति :—

(1) वज्रापु सत्यनारायण (2) वज्रापु रामनामूर्ति
(3) वज्रापु नागेश्वराराव (4) वज्रापु रामकृष्णराव (5)
वज्रापु श्रीनिवासराव (6) वज्रापु सुरेसुबानु (अन्तरक)

2. वाणिज्य मंडल, विजयनगरम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

विजयनगरम रजिस्ट्री अधिकारी से 31-7-75 पाक्षिक
श्रत में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3195/75 और 3196/75 में
निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

बी० वी० सुब्बाराव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन, काकीनाडा

तारीख : 19-2-1976

मोहर :

प्ररूप आर्द० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी 1976

निदेश सं० आर० ए० सी० 258/75-76—यतः मुझे,
के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-4-416 नामपल्ली है, जो हैदराबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-7-
1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ---

1. श्रीमती पी० एन० विजयालक्ष्मी देवी 1-295 उपपल
रोड, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री राम चन्दर परशाद 23-4-44-45, सुलतान शाही,
हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 5-4-416 स्टेशन रोड, नामपल्ली हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 26-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी 1976

निदे० सं० आर० ए० सी० 259/75-76—यतः मुझे के०
एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 20, 2-11-30 है, जो एस० पी०
रोड में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन 20-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती हशमनुबिसाबेगम् सिकन्दराबाद
(अन्तरक
(2) श्री जयनारायण मिश्रा, 26 पटेल रोड सिकन्दरा-
बाद (अन्तरक)
2. श्रीमती श्रीवाद कामेश्वरी 268, नरनागुडा सिकन्दरा-
बाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 20, घर नं० 2-11-30, 156 और 159 सरदार
पटेल रोड, सिकन्दराबाद ।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 26-2-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 260/75-76—प्रतः मुझे के० एस०
वेकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 20, 2-11-30 है, जो एस० पी० रोड में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—
3—516G1/75

(1) हश्मनुब्बिसा बेगम, एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद

(2) श्री जयनारायण मिश्रा, एम० पी० रोड, सिकन्दराबाद।
(अन्तरक)

(1) श्रीमती एल० एम्० रूपानी 3-4-376/31 लिंगम्पाली, हैदराबाद।

(2) के० जी० रूपानी, 3-4-376/31, लिंगम्पाली, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 16, घर नं० 2-11-30, एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद (517 वर्ग गज) क्षेत्रफल।

के० एस० वेकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 26-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 261/75-76—प्रतः मुझे के० एस०
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 15 एस० पी० रोड है जो सिकन्दरा-
बाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन 13-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती हृणमनुमिसा बेगम 156 एस० पी० रोड
सिकन्दराबाद ।

(2) श्री जयनारायण मिश्रा, 156 एस० पी० रोड, सिकन्द-
राबाद । (अन्तरक)

(1) श्री एम० पी० शरमा 5-3-577 उस्मान गंज, हैदरा-
बाद ।

(2) श्री रमेश कुमार 5-3-577, उस्मान गंज, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
मभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 15, घर नं० 156 से 159, एस० पी० रोड
सिकन्दराबाद, क्षेत्रफल 517 वर्ग गज ।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 26-2-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी 1976

निदेश सं० आर० ए० सी० 262/75-76—अतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 36 एस० पी० रोड है जो सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती हशमनुविसा बेगम 156 और 159 एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद ।

(2) श्री जयनारायण मिश्रा, एस० पी० रोड सिकन्दराबाद । (अन्तरक)

2. श्री एस० के० बजाज, संजीवा रेडी नगर, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 36, घर नं० 2-11-30, एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद क्षेत्रफल-371 वर्ग गज ।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 26-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 263/75-76—यतः मुझे, के०
एस० बेकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट न० 11, 156 से 159 है, जो एस० पी०
रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन 20-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हशमनुशिस बेगम, 156, एम० पी० रोड,
सिकन्दराबाद ।

2. श्री जयनारायण मिश्रा, 156, एस० पी० रोड, सिकन्दरा-
बाद । (अन्तरक)

1. श्रीमती मजू मिश्रा, 156, एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट न० 11, 2-11-30, 156 से 159, एस० पी० रोड,
सिकन्दराबाद, क्षेत्रफल 500 वर्ग गज ।

के० एस० बेकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 26-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 264/75-76—यतः मुझे, के० एम०
वेकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 21, 2-11-30, है, जो एस० पी०
रोड, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 28-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

मतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हशमनुब्बिसा बेगम, 156 से 159, एस० पी०
रोड, सिकन्दराबाद ।

2. श्री जयनारायण मिश्रा, 156 से 159, एस० पी० रोड,
सिकन्दराबाद । (अन्तरक)

1. श्रीमती डाक्टर अप्पल राव चित्ता, जोन्स रोड, सिकन्द-
राबाद ।

2. श्रीमती डाक्टर मरोजिमी चित्ता, जोन्स रोड, सिकन्दरा-
बाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 21, 2-11-30, 156 से 159, एस० पी० रोड,
सिकन्दराबाद, क्षेत्रफल 400 वर्ग गज ।

के० एम० वेकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 26-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी 1976

निदेश सं० आर० ए० सी० 276/75-76—यतः मुझे, के०
एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 20, युनिटी हाऊस है, जो एविड
रोड में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 17-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स हिन्दुस्तान बिल्डर्स, युनिटी हाऊस, एविड रोड,
हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री भगवान दास हरकुंद, पुराना कबूसर खाना, हैदराबाद
20-2-13। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 20, नल मंजला, युनिटी हाऊस, आबीड रोड,
हैदराबाद।

के० एम० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 26-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी, 1976

सं० आर० ए० सी० 266/75-76—यतः मुझे, के० एस०
वेंकट रामन, आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० दुकान नं० 5, युनिटी हाउस है, जो आबीद रोड
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
17-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेमर्स हिन्दुस्तान बिजनेस, आबीद रोड, हैदराबाद
(अन्तरक)

2. श्री जीवना राज मूरज मल, 15-5-720 अफजल राज,
हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 5, नलमजला, युनिटी हाउस, आबीद रोड, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 26-2-76

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी 1976

निदेश सं० आर० ए० सी० 267/75-76—यतः मुझे, के०
एस० बेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह,
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० दुकान नं० 6, आबीद रोड है, जो हैदराबाद में स्थित
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-7-
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स हिन्दुस्तान बिजनेस, युनिटी हाउस, हैदराबाद
(अन्तरक)

2. मेसर्स शाह अटोमोबाइल, सिदिम्बर बाजार, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 6, नलमंजला, युनिटी हाउस, आबीद रोड,
हैदराबाद।

के० एस० बेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 26-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 268/75-76—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 21 युनिटी हाउस है जो आबीद रोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—516GI/75

1. मेसर्स हिन्दुस्तान बिल्डर्स, युनिटी हाउस हैदराबाद (अन्तरक)

2. मेसर्स शाह आटोमोबाइल्स सुलतान बाजार हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 21, तल मजला, युनिटी हाउस आबीद रोड, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 26-2-76

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 269/75-76—यतः मुझे, के० एस०
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० दुकान नं० 7 युनिटी हाउस है, जो आबीद रोड में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
17-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स हिन्दुस्तान बिल्डर्स, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती एम० के० देवूनानी, 3-5-170/ए, नारायण
गुडा, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय
20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 7, तल मजला, युनिटी हाउस, आबीद रोड,
हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 26-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. मेसर्स हिन्दुस्तान बिल्डर्स, युनिटी हाउस, हैदराबाद
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 270/75-67—यतः मुझे, के० एस०
वेकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० दुकान नं० 29, युनिटी हाउस है, जो आबीद
रोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वागन है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन 21-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्रीमती शान्ती देवी, 5-1-786, सुलतान बाजार, हैदरा-
बाद। (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 29, तल मजला, युनिटी हाउस, आबीद रोड,
हैदराबाद।

के० एस० वेकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 26-2-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 271/75-76—यतः मुझे, के० एस०
बेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० बी-1/एफ-7, पूनम अपार्टमेंट है, जो आबीद
रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
2-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्मात् :-

1. मेसर्स एसोसियेटेड बिल्डर्स और रिएल्टीस्टेट एजेंट्स,
आबीद रोड, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती पद्मजा रेडी, 24 बी, पुराना एम० एल० ए०
क्वाटर्स, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लायट नं० बी-1/एफ-7, पूनम अपार्टमेंट, आबीद रोड,
हैदराबाद।

के० एस० बेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 26-2-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 272/75-76—यतः मुझे, के० एस०
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एफ-नं० बी० 3/एफ-2 पुनर् अपार्टमेंट है, जो
आबीद रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 7-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मेसर्स एसोसियेटेड बिल्डर्स और रियल एस्टेट एजेंट्स
आबीद रोड, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. (1) शिवदर्शन लाल धीर, 15-4-239, गोलीगूडा,
हैदराबाद

(2) श्याम प्यारी, 15-4-239, गोलीगूडा, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लायट नं० बी-3/एफ-2, पुनर् अपार्टमेंट, आबीद रोड,
हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 26-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 273/75-76 :—यतः मुझे, के० एस०
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लयाट नं० बी-4/एफ-3 पूनम अपार्टमेंट है,
जो आबीद रोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 15-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की धाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यवहाराध्यक्षों अर्थात् :—

1. मेसर्स असोसियेटेड बिल्डर्स और रियल एस्टेट एजेंट्स,
हैदराबाद । (अन्तरक)

2. श्री डी० सुभाषी, सी-604/4 एस० डी० रोड,
सिकन्दराबाद (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-
षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

बी-4/एफ-3 पूनम अपार्टमेंट, आबीद रोड, सिकन्दराबाद ।

के० एस० वेंकट रामन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 26-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 274/75-76—यतः मुझे के० एस०
बेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० बी-4एफ०-1 पूनम अपार्टमेंट है, जो हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
15-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेमर्स एसोसियटेड बिल्डर्स और रियल स्टेट एजेंट्स
आबीद रोड, हैदराबाद (अन्तरक)

2. कुमारी पी० यशोधरा 5-9-227 चिराग अली लेन,
हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सं० बी-4/एफ-1 पूनम अपार्टमेंट, आबीद रोड, हैदराबाद

के० एस० बेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 26-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 275/75-76—यतः मुझे के० एस०

बेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बी-2/एफ-8 पूनम अपार्टमेंट है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थी :—

1. मेसर्स एसोसियेटेड बिल्डर्स और रियल स्टेट एजेंट्स, आबीद रोड, हैदराबाद (अन्तरक)

2. (1) पी० सुभद्रायम्मा और (2) पी० बेंकटन रसायम्मा, सिगावरम् पोस्ट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बी-2/एफ-8 पूनम अपार्टमेंट, आबीद रोड, हैदराबाद।

के० एस० बेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 26-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 276/75-76—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बी-1/एफ-1 पुनर् अपार्टमेंट है, जो आबीद रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-7-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

5—516GI/75

1. मेसर्स एसोसियेटेड बिल्डर्स और रियल एस्टेट एजेंट्स आबीद रोड, हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्रीमती शांती देवी 5-1-786 सुल्तान बाजार हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बी-1/एफ-1 पुनर् अपार्टमेंट, आबीद रोड, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 26-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 277/75-76—यतः मुझे के० एस० वेंकट
रामन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बी-2/एफ 2 पूनम् अपार्टमेंट है, जो आबीद रोड
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
18-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम'
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ख की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स एसोसियेटेड बिल्डर्स और रियल यस्टेट एजेंट्स
आबीद रोड, हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्रमती कामिन पत्नी अमरनाथ 1-5-555 मुशीराबाद,
हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बी-2/एफ-2 पूनम् अपार्टमेंट, आबीद रोड, हैदराबाद ।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 26-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी, 1976

सं. आर० ए० सी० 278/75-76—यतः मुझे, के० एस०
वेंकट रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० बी-2/एफ-6 पूनम् अपार्टमेंट है, जो आबीद रोड
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
18-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स एसोसियेटेड बिल्डर्स और रियेलिस्टेट एजेंट्स,
हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती सुमनलता संधी, 6-3-346, बंजारा हिल्स,
हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बी-2/एफ-6, पूनम् अपार्टमेंट, आबीद रोड, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 26-2-76

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी, 1976

सं० आर० ए० सी० 279/75-76—यतः मुझे, के० एस०

वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बी-1/एफ-2 पुनर्प्रपार्टमेंट है, जो आबीव रोड
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
18-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अधुसंरूप में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेसर्स एसोसियेटेड बिल्डर्स और रियल्टीस्टेट एजेंट्स,
आबीव रोड, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ता राजन् 3-6-361/16, बशीरबाग,
हैदराबाद (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बी-1/एफ-2, पुनर्प्रपार्टमेंट, आबीव रोड, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 26-2-76
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी, 1976

सं० आर० ए० सी० 280/75-76—यतः मुझे, के० एस०
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा
गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और
और जिसकी सं० ए-2/एफ-5 पूनम् अपार्टमेंट है, जो आबीद रोड
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
15-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
है या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 मेसर्स एसोसियेटेड बिल्डर्स और रियल्यस्टेट एजेंट्स,
आबीद रोड, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री जयकर एस० जोन, ए-2/एफ-5, पूनम् अपार्टमेंट,
हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

ए-2/एफ-5, पूनम् अपार्टमेंट, आबीद रोड, हैदराबाद ।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 26-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी, 1976

सं० आर० ए० सी० 281/75-76—यतः मुझे, के० एस०
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० बी-2/एफ-7, पूनम् अपार्टमेंट है, जो आबीद रोड
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 का (1908 का 16) के अधीन
16-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्त-
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स एसोसियेटेड बिल्डर्स और रियल्टीस्टेट एजेंट्स
आबीद रोड, हैदराबाद (अन्तरक)

1. श्री बी० पार्थासारथी, 15-बी, सुजन सिंग पार्क, नई दिल्ली

2. श्रीमती बी० पुष्पावल्ली, 15-बी, सुजन सिंग पार्क, नई
दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

बी-2/एफ-7, पूनम् अपार्टमेंट, आबीद रोड, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 26-2-76

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी, 1976

सं० आर० ए० सी० 282/75-76—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बी-4/एफ-4, प्लानम् अपार्टमेंट है, जो आबीद रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रतीति :—

1. मेसर्स एसोसियेटेड बिल्डर्स और रियल एस्टेट एजेंट्स, आबीद रोड, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री रमन राज सक्सेना, 20-1-397 कोकाटारी, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

बी-4/एफ-4, प्लानम् अपार्टमेंट, आबीद रोड, हैदराबाद ।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 26-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी, 1976

सं० आर० ए० सी० 283/75-76—यतः मुझे, के० एस०

वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बी-2/एफ-3, पूनम् अपार्टमेंट है, जो आबीव रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेसर्स एसोसियेटेड बिल्डर्स और रियलयेस्टेट एजेंट्स,
आबीव रोड, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ती बाई, 21-2-661, चारफमान, हैदरा-
बाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बी-2/एफ-3, पूनम् अपार्टमेंट, आबीव रोड, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 26-2-76

मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी, 1976

सं० आर० ए० सी० 284/75-76—यतः मुझे, के० एस०
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० बी-2/एफ-1, पूनम् अपार्टमेंट है, जो आबीद
रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 15-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—516 GI/75

1. मेसर्स एसोसियेटेड विल्डर्स और रियल्टीस्टेट एजेंट्स,
आबीद रोड, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती बनारसी बाई, 21-2-661, चारकमान, हैदरा-
बाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बी-2/एफ-1, पूनम् अपार्टमेंट, आबीद रोड, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 26-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 फरवरी, 1976

सं० आर० ए० सी० 285/75-76—यतः मुझे, के० एस०

वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 6 और 7, पूनम् अपार्टमेंट है, जो आबीद रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेसर्स एसोसियेटेड बिजनेस और रियल एस्टेट एजेंट्स, आबीद रोड, हैदराबाद। (अन्तरक)

2 श्रीमती बनारसी बाई, 21-2-661, चार कमरा, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 6 और 7, पूनम् अपार्टमेंट, आबीद रोड, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 26-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 मार्च, 1976

सं० आर० ए० सी० 286/75-76—यतः मुझे, के० एस०
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 494/1, वेम्पल्ली मोजा है, जो वेम्पल्ली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेम्पल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-7-
1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स राजू एण्ड कम्पनी, पुलिवेडला मोजा द्वारा
श्री बाय० एस० जार्ज रेडी (अन्तरक)
2. श्री कृष्णा आयल मिल, वेम्पल्ली मोजा
श्री के० सिवानंवर रेडी द्वारा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कारखाने का ईमारत, गुदाम, मजदूरों के मकानात और
कार्यालय के ईमारत, सब नं० 494/1, क्षेत्रफल 2.13 एकड़
वेम्पल्ली मोजा पुलिवेडला तालका, कडपा जिले में "श्री कृष्ण आयल
मिल के नाम से स्थित है।"

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 2-3-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च, 1976

सं० आर० ए० सी० 287/75-76:—यतः गुप्ते (के० एस० वेंकट रामन),

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 19/659 और 660 अनंतापुर है, जो पुराना टाउन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनंतापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18 जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सुरा रामनाथय्या सेट्टी, 24/43, गान्धी बाजार, अनंतापुर।

(2) श्री अखेटी वेंकट रमनप्पा, 3/143, स्ट्रीट नं० 3, जार्जपेट, अनंतापुर

(अन्तरक)

(1) श्री कर्नाटकयन नारायण स्वामी, चियेडू मोजा, अनंतापुर।

(2) श्रीमती मेदा सुम्बा लक्ष्मम्मा, पेनुकोडा, अनंतापुर तालूका।

(3) श्रीमती एम० सन्यन्ता, इस्लायपुरम्, हिन्दुस्तान, तालूका।

(4) श्रीमती कापरती रामरतनम्मा, नं० 17/76, पुराना टाउन, अनंतापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 19/659 और 660 का उत्तरीभाग का गुदाम जो गूटी मेन रोड, अनंतापुर में स्थित है।

के० एस० वेंकट रामन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 3-3-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 मार्च, 1976

निदेश सं० ए० सी० न्यू० 23-1-698-700 (277)/
1-1/75-76 :—यतः गुप्त जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सब० 102, पुराना एफ० पी० नं० 137/ए०, नया एफ० पी० नं० 186/2, सब प्लॉट नं० 4, टी० पी० एस० नं० 6, है, जो पालड़ी, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18 जुलाई, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल; निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सरोज बेन सुपुत्री श्री (कान्ति लाल पी० शाह मंत्री पार्क, सोसायटी, मिठाखली, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री ट्रेपिका पार्क को० हाऊसिंग सोसायटी, लिमिटेड पांजरापोल, रिलीफ रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट, जिसका सर्वे० नं० 102, पुराना एफ० पी० नं० 137/ए०, नया एफ० पी० नं० 186/2, सब प्लॉट नं० 4, टी० पी० एस० नं० 6, है तथा जो पालड़ी अहमदाबाद में स्थित है तथा जिस का अन्तरण डाक्यूमेंट नं० 9802, 9803 तथा 9804 दिनांक 18 जुलाई, 1975 द्वारा हुआ है, तथा जिसका कुल क्षेत्रफल 1049 वर्ग गज है।

जे० कथूरिया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद।

तारीख : 1-3-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 मार्च, 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-701(278)/1-1/
75-76 :—यतः गुप्त, जे० कयूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सिटी० सर्वे० नं० 2989-6, प्लॉट नं० बी०-I,
है, जो शाहपुर वार्ड 2, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कुसुम बेन सुपुली श्री नटवरलाल अचरन-
लाल, शान्ताकुंज बंगला, पाटोदार सोसायटी के पास, वृष्ण सोसायटी
के सामने, गुजरात कालेज रोड, एलिस ब्रिज अहमदाबाद।

(अन्तरक)

- (2) (1) महेन्द्र कुमार मोहन लाल,
- (2) नवीन चन्द्र, मोहन लाल,
- (3) नारायण कुमार मोहन लाल,
- (4) रणजीत कुमार मोहन लाल,

—निवासी, लल्लूरायजी बाड़ा, मिरजापुर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

- (3) (1) श्री बाबूभाई राधवजी मिस्तरी,
- (2) तनुभाई मावजी भाई,
- (3) मैजगण सल्वी

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग
में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उत्सर्गधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 904 वर्ग गज भूमि सहित है तथा
जिस का सिटी सर्वे० नं० 2989-6, प्लॉट नं० बी०-I, है, तथा
जो शाहपुर वार्ड 2, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कयूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

तारीख : 1-3-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 मार्च, 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू०-23-1692(279)/16-6

75-76 —यतः मुझे, जे० कयूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1606, है, जो अजी इन्डस्ट्रीयल एरिया, के पास राजकोट में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17 जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को, अर्थात् :—

(1) श्री प्रभु लाल गिरधरलाल दोर्शा, तथा अन्य :
"पी०—लाल मेन्शन"

प्रह्लाद -रोड, राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) मसम रामेश्वर कोहिरा, बापूनगर, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जिसका कुल क्षेत्रफल 3482-6 वर्ग गज है तथा जिसका प्लॉट नं० 1606 है तथा अजी इन्डस्ट्रीयल एरिया, राजकोट में स्थित है ।

जे० कयूरिया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद.

तारीख: 2-3-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री वासणजी खेराज ठाकरार, वीरडी, प्लाट, पोरब
बन्दर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 मार्च, 1976

(2) श्री सिदीक अलीमोहमदप लखीवाला, मछली मारकट
के सामने, पोरबन्दर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-673 (280)/ 11-4/
75-76—यतः मुझे, जे० कथूरिया
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० बार्ड नं० 5, है, जो वीरडी प्लाट, पोरबन्दर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोरबन्दर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन 25 जुलाई,
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जिसका कुल क्षेत्रफल 292-2-10
वर्ग गज है तथा जो बार्ड नं० 5, वीरडी प्लाट, शीतला चौक के पास
पोरबन्दर में स्थित है ।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 2 मार्च, 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 मार्च 1976

निवेश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-914 (287)/1-1/
75-76:---यतः मुझे, जे० कथूरिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे० नं० 130-1, फायनल प्लॉट नं० 104-3,
टी० पी० एस० नं० 29, है, जो अहमदाबाद में स्थित है (और इस
से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7 जुलाई, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
का प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--
7-516G1/75

(1) श्री रतीलाल माणेकलाल पटेल,

(2) रंछोड़लाल माणेकलाल पटेल, गांव नारायणपुरा,
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रभु पार्श्वनाथ को० आ० हाऊसिंग सोसायटी
लि० हरी सिद्ध चम्बरस, आश्रम रोड, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क
में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 3775
वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे० नं० 130-1, एफ० पी० नं० 104-2,
टी० पी० एस० नं० 29, है, तथा जो अहमदाबाद में स्थित है तथा
जिसकी बिक्री 7-7-75 वाले पांच बिक्री दस्तावेज नं० 9223,
9224, 9225, 9226 तथा 9227 के द्वारा की गयी है तथा
हर एक दस्तावेज 3775 वर्ग गज भूमि के पांचवें भाग का
किया गया है ।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 5-3-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-676 (293)/5-1-75-76 :—यतः मुझे :—जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2230-ए० तथा 2230-बी० है, जो बघावाड़ी रोड, सरकेट हाऊस के पास, भावनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण (रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 31 जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सन्ताषभाई जी० कामदार,
श्रीमती चम्पाबेन जी० कामदार के अटॉरनी की हैसियत में, कुंदन कुंज, घोगा सर्कल, भावनगर।

(अन्तरक)

- (1) श्री पी० एस० त्रिवेदी,
- (2) श्रीमती एम० पी० जानी,
- (3) श्रीमती सुशीला एम० दवे,
- (4) श्री डी० ए० नेगांधी,
- (5) श्री एच० वी० ठक्कर,
- (6) श्री आर० जे० त्रिवेदी,
- (7) श्री पी० एन० भट्ट,
- (8) श्री आर० एम० जोशी,
- (9) श्रीमती जे० एस० मेहता,
- (10) श्री महेन्द्र जे० ओधरीया

हवेली स्ट्रीट, पितृ छाया के सामने, भगा तलाब भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उस समस्त जमीन का भाग ग्रथवा खण्ड जिसका प्लॉट नं० 2230-ए० तथा 2230-बी० है तथा जिसका कुल क्षेत्रफल क्रमशः 1200 वर्ग गज तथा 1000 वर्ग गज है तथा जो बघावाड़ी रोड, पर, सरकेट हाऊस के पास, भावनगर, में स्थित है।

जे० कथूरिया,
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 6-3-76

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 1 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० ओ०/5 जुलै/75/हवेली-II (पूना) 270/
75-76 :—यतः मुझे, एच० एस० श्रीलख,

आयकर

अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्
'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० सर्वे० क्र० 116 है तथा जोकि कोरेगांव पार्क पूना-1
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली II (पूना)
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 17 जुलाई, 1975

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती राजिंदरमोहिनी सतपाल मलहोत्रा 116 कोरे-
गांव पार्क पूना-1

(अन्तरक)

2. मैसर्स वेकफिल्ड प्रॉडक्ट्स कम्पनी (इंडिया) प्राइवेट
लिमिटेड 116 कोरेगांव पार्क पूना-1

(अन्तरिती)

3. (1) श्रीमती राजिंदर मोहिनी मलहोत्रा एण्ड फैमिली
(2) श्रीमती कनवल मोहिनी मलहोत्रा एण्ड फैमिली
(3) श्रीमती ऊषा मलहोत्रा एण्ड फैमिली 116 कोरेगांव
पार्क पूना-1 ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. (1) श्रीमती कनवल मोहिनी मलहोत्रा

(2) श्रीमती ऊषा मलहोत्रा 116 कोरेगांव पार्क पूना-1
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

लिज होल्ड जमीन 45% अविभक्त भाग, प्रापटी क्रमांक 116
कोरेगांव पार्क, पूना ।

क्षेत्रफल 4338.68 वर्ग मीटर्स

बिल्डिंग 1969 में बांधी हुई ।

क्षेत्रफल 9500 वर्ग फीट

(जैसी की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 1622, 17 जुलै, 1975
में सब रजिस्ट्रार हवेली-II के दफ्तर में लिखा है) ।

एच० एस० श्रीलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना ।

तारीख : 1-3-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 1 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० ओ० जुलै/75/हवेली-II (पूना) 271/75-76:—यतः मुझे एच० एस० श्रीलख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे० क्रमांक 116 है तथा जो कोरेगांव पार्क पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली II (पूना) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17 जुलाई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती कनवल मोहिनी बालदेवराज मलहोत्रा 116 कोरेगांव पार्क पूना-1

(अन्तरक)

2. मैसर्स वेकफिल्ड प्राइवेट कम्पनी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड 116 कोरेगांव पार्क पूना-1 ।

(अन्तरिती)

3. (1) श्रीमती रजिन्दर मोहिनी मलहोत्रा एन्ड फैमिली

(2) श्रीमती नवल मोहिनी मलहोत्रा एन्ड फैमिली

(3) श्रीमती ऊषा मलहोत्रा एन्ड फैमिली 116 कोरेगांव पार्क पूना- 1

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

लिज होल्ड जमीन 30% अविभक्त भाग प्रापर्टी क्रमांक 116 कोरेगांव पार्क पूना-1 ।

क्षेत्रफल—4338.68 वर्ग मीटर्स

विलिडग—1969 में बांधी हुई ।

क्षेत्रफल—9500 वर्ग फीट

(जैसी की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 1623, 17 जुलै 1975 में सब-रजिस्ट्रार हवेली-II पूना के दफ्तर लिखा है) ।

एच० एस० श्रीलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 1 मार्च, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 1 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० ओ०/5/जुलै०/हवेली/II (पूना) 272/75-76 —यतः मुझे एच० एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे क्रमांक 116 है तथा जो कोरेगांव पार्क पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली II (पूना) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17 जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती ऊषा हरीश कुमार मलहोत्रा 116 कोरेगांव पार्क पूना-1

(अन्तरक)

2. मैसर्स वेकफिल्ड प्रॉडक्ट्स कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
116 कोरेगांव पार्क पूना-1।

(अन्तरिती)

3. (1) श्रीमती राजिन्दर मोहिनी मलहोत्रा अन्ड फैमिली

(2) श्रीमती कनवल मोहिनी मलहोत्रा अन्ड फैमिली

(3) श्रीमती ऊषा मलहोत्रा अन्ड फैमिली 116 कोरेगांव पार्क पूना-1।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. (1) श्रीमती राजिन्दर मोहिनी मलहोत्रा

(2) श्रीमती कनवल मोहिनी मलहोत्रा 116 कोरेगांव पार्क पूना-1।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लिज होल्ड जमीन 25% अविभक्त भाग प्रॉपर्टी क्रमांक 116 कोरेगांव पार्क पूना-1।

क्षेत्रफल—4338.68 वर्ग मोटर

बिल्डिंग 1969 में बांधी हुअी।

क्षेत्रफल—9500 वर्ग फीट

(जैसी की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 1624, 17 जुलाई 1975 में सब रजिस्ट्रार हवेली-II (पूना) के दफ्तर में लिखा है)।

एच० एस० श्रीलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 1 मार्च 1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

भोपाल, दिनांक 27 फरवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० ए० वी०/भोपाल/75-76:—

यतः मुझे वी० के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे
उत्पन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
1908 का 16) के अधीन तारीख 15 जुलाई, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ
की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. प्रिन्सेस ऊषा ट्रस्ट और देवी ग्रहिल्या बाई होल्कर
एजुकेशनल ट्रस्ट, मतिक बाग पैलेस इन्दौर ।

(अन्तरक)

2. श्री भारत कुमार पुत्र नवनीत कुमार मोदी, निवासी-
617 भुरई मोहल्ला सन्यागिता गंज, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक खुली जमीन खसरा नम्बर, 229 सुख निवासी रोड,
इन्दौर ।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल ।

तारीख : 27 फरवरी, 1976
मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 फरवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एम्बि०/भोपाल/76-77:— यतः मुझे, वी० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो शिदगुवा, सागर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17 जुलाई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सीताराम पुत्र श्री गिरधारी लाल श्री वास्तव सिविल लाइन सागर ।

(अन्तरक)

2. (i) श्रीमती सुहागरानी पत्नी सतीश कुमार जाडिया

(ii) श्रीमती शोभारानी पत्नी श्री मनमोहन लाल जाडिया सरीफा बाजार, कोतवाली रोड, सागर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधर्मा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसकी माप 7.69 ऐकड़ है जो कि, शिवगुआ, सागर में स्थित है ।

वि० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज भोपाल ।

तारीख : 27 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 फरवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्सी/भोपाल/76-77:—
यतः, मुझे, बी० के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० दो मंजिला मकान है, जो भोपाल में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्री-
कृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
16 जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (i) श्री गुलजार हुसैन पुत्र श्री मुख्तार हुसैन,
(ii) श्री नुरुल हुसैन,
(iii) श्री इसरार हुसैन,
(iv) श्री इफतखार हुसैन,
(v) श्री आलमदार हुसैन,
(vi) श्रीमती विलाकिस बाई
(vii) श्रीमती बानों बाई,
सभी निवासी शेरपुरा, बैरासिया ।

(अन्तरक)

2. श्री मकसूद अली उर्फ नवाब मियां पुत्र हाजी गुलाम
अली खां साहब निवासी बेरुव जुमेराती गेट, वार्ड नम्बर, 4,
भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

दो मंजिला मकान जो कि वार्ड नम्बर, 4, में जुमेराती गेट
के पास, भोपाल में स्थित है ।

बी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27 जुलाई, 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 फरवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एन्वी/भोपाल/76-77:—

यतः, मुझे बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुला प्लॉट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों पर धारा :-

8—516GI/75

1. श्री चन्दनमल चौरडिया, निवासी 6/10 यशवन्त निवास रोड, इन्दौर ।

(अन्तरक)

2. श्री रेखचन्द्र पुत्र श्री श्रींकार लाल जी चौरडिया निवासी-
2 रामलक्ष्मण बाजार इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी आपेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुला प्लॉट नम्बर, 1, गली नवम्बर, 4, महेश नगर, इन्दौर ।

बी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 फरवरी 1976

निवेश सं० 403/अर्जन/कानपुर/75-76:—अतः मुझे,
एफ० जे० बहादुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 30 अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नानक चन्द भाटिया पुत्र श्री राम चन्द भाटिया
निवासी 120/245, नारायण पुखा, कानपुर

(अन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र भाटिया पुत्र श्री हरबंस लाल भाटिया निवासी
120/242, लाजपत नगर, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति नम्बर, 120/245 लाजपत नगर कानपुर
जो प्लॉट नम्बर 359, ब्लॉक 'पी' स्कीम न० 1 लाजपत नगर
नारायणपुरखा, कानपुर निर्माण हुआ है, 45,000 रु० मूल्य में
हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 फरवरी 1976

निदेश सं० 405/अर्जन/कानपुर/75-76/2663:—अतः
मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनु-
सार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 1 सितम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

1. मैसर्स हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड,
17 जमशेद जी, टाटा रोड, बाम्बे।

(अन्तरक)

2. मैसर्स जानकी प्रसाद एण्ड सन्स, 97, दि० माल, कानपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि प्लॉट नं० 11 जिस का क्षेत्रफल 0.5
एकड़ है और जो जूही खुर्द फैक्ट्री एरिया कानपुर में स्थित है,
1,00,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 26 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 फरवरी 1976

निदेश सं० 902/अर्जन/गाजियाबाद/75-76:—अतः, मुझे
एफ० जे० बहादुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
1 सितम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
तन्मलिखित व्यक्तियों, अधार्तः :—

1. श्री मन्शा राम पुत्र राम चन्द्र निवासी रोजा या कानपुर,
तहसील सिकन्दाबाद, जिला बुलन्दशहर,

(2) श्री ओम प्रकाश पुत्र राम चन्द्र निवासी केयर आफ,
डी० सी० एम० स्टोर सिहानी गेट गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री महेन्द्र कुमार गर्ग पुत्र श्री बिन्दा प्रसाद निवासी
63, नवयुग मार्केट गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितश्रद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० 85 जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज
है और जो नवयुग मार्केट, गाजियाबाद में स्थित है, 65,000 रु०
मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 26 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 मार्च, 1976

निदेश सं० 291/अर्जन/कानपुर/75-76/2565—अतः
मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची में के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 4 जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तया पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री बिनोद निवासी डी०-8/5, पेपर मिल कालोनी,
लखनऊ ।

(अन्तरक)

2. श्री प्रकाश निवासी दयानन्द कापरेटिव हाउसिंग सोसा-
इटी लिमिटेड, 113/82, स्वरूप नगर, कानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जिस का क्षेत्रफल लगभग 19 बीघा 19
बिस्वा फीट नं० 1871 जो मौजा बहेली, सुजानपुर जिला कानपुर
में स्थित है, 59,850 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया
गया है ।

एफ० जे० बहादुर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 2 मार्च, 1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 मार्च, 1976

निदेश सं० 743-ए०/अर्जन/मुजफरनगर/75-76/2626--

अतः, मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, मुजफरनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती विदुषी पुत्री स्वा० श्री अम्बा प्रसाद निवासी 91, कम्बल वाला बारा, नई मन्डी, मुजफरनगर।
मुख्तारआम डा० अशोककुमार अग्रवाल द्वारा।

(अन्तरक)

2. श्री त्रिभुवन वास दास्तानी पुत्र श्री टोपन भाई दास्तानी निवासी 109-बी, नई मन्डी, मुजफरनगर

(2) श्रीमती कंचन बहन बोरा पत्नी कान्ति लाल बोरा सकल 26/59, बिरहाना रोड, कानपुर।

(3) श्रीमती शशिष्ठा बहन शाह पत्नी नवनीत लाल शाह साकल 24/92, बिरहाना रोड, कानपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 46-ए, का 1/4 भाग जो नई मन्डी मुजफरनगर में स्थित है, 35,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 2 मार्च, 1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 मार्च, 1976

निदेश सं० नं० 908-ए/अर्जन/मेरठ/75-76/2667—

अतः मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11 अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती जयदेवी पति हर स्वरूप स्वयं व प्रतिनिधि और से रूप किशोर व राज किशोर पुत्रगण ।

(2) सावित्री गुप्ता पुत्री स्वयं साकिन थापरनगर मेरठ ।
(अन्तरक)

2. (1) श्री ईश्वर दास

(2) राजेन्द्र प्रसाद पुत्रगण श्री सुखदेव सिंह साकिनान खन्दक शहर, मेरठ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० 146, जिसका क्षेत्रफल 326.67 वर्ग गज है और जो गली नं० 3 और 4 थापर नगर, मेरठ में स्थित है, 49,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है ।

एफ० जे० बहादुर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1 मार्च, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र बिहार

पटना, दिनांक 24 फरवरी 1976

निदेश सं० III-142/अर्जन/75-76/2196—यतः मुझे

अजय कुमार सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट सं० 481/स/8, 481/स/9, 481/ब/7, 481/ब/3 है, तथा जो रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11 जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री परमानन्द चुरीवाला एवं अन्य सा० 4, स्टैण्डेल रोड, अलीपुर, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) एम० एस० बिहार उद्योग, रांची द्वारा, श्री श्रीराम शर्मा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन रकबा 27 कट्ठा के साथ मकान गोदाम इत्यादि जिसका प्लॉट सं० 481/स/8/, 481/स/9, 481/ब/7 एवं 481/ब/3 है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० I 4034 दिनांक 11 जुलाई, 1975 में पूर्ण है ।

अजय कुमार सिंहा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 24 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र बिहार

पटना, दिनांक 24 फरवरी, 1976

निदेश सं० III-143/अर्जन/75-76/2197 यतः, मुझे,
अजय कुमार सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० डी० सं०-119 (पुराना) खाता सं०-461 है, तथा जो
मोहम्मदपुर काजी, मुजफ्फरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 2 जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—
9—516 GI/75

(1) श्रीमती सतबन्त कौर जोजे श्री मनोहर सिंह, स्वयं
एवं राजेन्द्र कौर, महेन्द्र कौर, इन्द्रजीत कौर छाबला, मजीत कौर
आनन्द एवं सुरजीत कौर नन्दन वल्दान श्री मनोहर सिंह, 17/8,
ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भगवत कौर जीजे सरदार मोहर सिंह एवं
श्रीमती हरजीत कौर जोजे सरदार महेन्द्र सिंह, नूरुलाहपुर, पोस्ट-
रमना, मुजफ्फरपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन रकबा 2 कट्ठा, 10 धूर के साथ मकान साकिन मोह-
म्मदपुर काजी, शहर मुजफ्फरपुर, खाता सं० 461 हो० सं० 119
(पुराना) इत्यादि है, तथा जिसका विवरण दस्तावेज सं० 10379
दिनांक 2 जुलाई, 1975 में पूर्ण है ।

अजय कुमार सिंहा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 24 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार

पटना, दिनांक 24 फरवरी 1976

निदेश सं० III-144/अर्जन/75-76/2198—यतः मुझे, अजय कुमार सिहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० हो० सं०-39 है, तथा जो गांव-डन्डा, चक्रधरपुर में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सैसुन्द नाथ चटर्जी, 43/5 लोकनाथ चटर्जी लेन, सिबपुर हावड़ा; श्रीमती बीणा पानी देवी, 43/1 लोक नाथ चटर्जी लेन, सिबपुर हावड़ा, एवं श्रीमती ईशा रानी देवी, 103 अ सीताराम घोष स्ट्रीट, कलकत्ता (अन्तरक)

2. श्री विनय कुमार केजरीवाल वल्द श्री सनवरमल केजरीवाल, चक्रधरपुर, सिंहभूम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 1.16 एकड़ जो डन्डा चक्रधरपुर में है जिसका हो० सं०-39 चक्रधरपुर म्युनिसिपालिटी में है तथा जिसका विवरण दस्तावेज सं० 1-4297 दिनांक 25-7-75 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख 24-2-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार

पटना, दिनांक 24 फरवरी 1976

निदेश सं० III-145/अर्जन/75-76/2199—यतः मुझे, अजय कुमार सिंहा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० म्यु० प्लॉट सं०-1449 (हिस्सा) है, तथा जो रांची में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त 'अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्रीमती अम्ना घोष जीजे स्व० डा० हेमचन्द्र नाथ घोष, 6-बेलभद्र रोड, अलीपुर, कलकत्ता-27 (अन्तरक)

2. डा० सचित कुमार साहू एवं श्री अजीत कुमार साहू वन्दान श्री सूरज प्रसाद साहू, अरण बाजार, रांची। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिसका रकबा 1 बीघा 6 कट्ठा 14 छटांक है और जिसके साथ मकान, चार दीवारी, कुआँ इत्यादि हैं जो रांची म्युनिसिपल सर्वे प्लॉट सं० 1449 का हिस्सा है रांची में स्थित है तथा जिसका विवरण दस्तावेज सं० I-4436 दिनांक 31-7-1975 के पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज बिहार, पटना

तारीख 24 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र बिहार

पटना, दिनांक 24 फरवरी 1976

निर्देश सं० III-146/अर्जन/75-76/2200—यतः

मुझे, अजय कुमार सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉ० सं० -48 1/ग/7, 48 1/घ/1, 48 1/घ/2 है, तथा जो रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री परमानन्द चूरीवाल 4, स्टूडेंट रोड, श्रीपुर कलकत्ता - 27

(अन्तरक)

(2) एम०/एस० बिहार उद्योग, रांची द्वारा श्री श्रीराम शर्मा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 29 कठ्ठा के साथ गोदाम इत्यादि जो रांची के वार्ड-VI में स्थित है तथा जिसका प्लॉट सं० 48 1/ग/7, 48 1/घ/1 एवं 48 1/घ/2 है तथा जिसका विवरण दस्तावेज सं०-1-408 9 दिनांक 15-7-75 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 24 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार

पटना, दिनांक 2 मार्च 1976

निर्देश सं० III 147/अर्जन/75-76/2262—यतः मुझे
अजय कुमार सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० दस्तावेज सं० I 4295 नया गांव, थाना जमालपुर
(मुंगेर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 25-7-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था, या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. डा० अरुण कुमार दत्ता, श्री दीपक कुमार दत्ता, श्री तपन
कुमार दत्ता, भास्कर दत्ता-149 ग्रामा प्रसाद मुखर्जी
रोड कलकत्ता-26, श्रीमति ईरानी मुहाराय-1, अश्वुल
राज रोड कलकत्ता-26, श्रीमति ईमा मित्रा, 3/6 अकबर
रोड दुरगापुर-4 जिला बर्दभान (अन्तरक)

2. श्रीमति लीलावती देवी सा० कल्याणपुर, पोस्ट-धोरघाट
थाना-हवेली खड़गपुर जिला मुंगेर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का दो टुकड़ा जिसका रकबा 11 कट्ठा, 12½ घुरकी
एवं 5 कट्ठा 9 घुर 1½ घुरकी है और एक मकान बना हुआ है जो
स्प्रिंग फिल्म हाता कहलाता है तथा जो नया गांव, थाना-जमालपुर,
जिला मुंगेर में है और जिसका विवरण दस्तावेज सं० I 4295
दिनांक 25-7-75 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बिहार, पटना

तारीख 2-3-76
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एफ्यू०/11/1088/75-76/—

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ई-43 है तथा जो बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती बिमला देवी, पत्नी श्री ओम प्रकाश निवासी जे-5173, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. (1) श्री गुरचरण सिंह, सुपुत्र एस० काला सिंह, (2) श्रीमती मोहिन्द्र कौर, पत्नी श्री गुरचरण सिंह, निवासी टी-32, बाली नगर, नई दिल्ली-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड प्लॉट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 244.5 वर्ग गज है, प्लॉट नं० 43, ब्लॉक 'ई' है, बाली नगर, नई दिल्ली नजफगढ़ रोड़ पर है। यह प्लॉट निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	: प्लॉट नं० 42
पश्चिम	: प्लॉट नं० 44
उत्तर	: रोड़ 30' चौड़ी
दक्षिण	: लेन 15' चौड़ी

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 1 मार्च, 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, घिनाक 1 मार्च 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/1089/75-76—
अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 14/13 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कमला सेठी, पत्नी श्री जगदीश चन्द सेठी, निवासी
14/13, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। श्रीमती शोला सोधी
के कानूनी जनरल एटार्नी, पत्नी श्री कलवन्त सिंह सोधी, निवासी
डी-11/11, एन० पी० एल० कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश चन्द सेठी, सुपुत्र श्री जय राम सेठी, निवासी
14/13, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

3. (1) श्री डी० डी० मेहता, (2) श्री सुभाष चन्द खन्ना
(3) श्री बी० एन० चिरानगो, (4) श्रीमती निर्मला, निवासी
14/13, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला मकान जोकि 200 वर्ग गज क्षेत्रफल के
प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका न० 13, ब्लॉक न० 14 है, ईस्ट
पटेल नगर, नई दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है।

पूर्व : जायदाद न० 14/14।

पश्चिम : जायदाद न० 14/12

उत्तर : लेन।

दक्षिण : रोड़।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 1 मार्च, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/1090/75-76—
अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सी-544 है तथा जो मजलीस पार्क कालोनी, दिल्ली-33 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शोरी लाल, सुपुत्र श्री रामदीप्ता मल, निवासी बी-149, मजलीस पार्क, दिल्ली-33। (अन्तरक)

2. श्री सुख बयाल दादू, सुपुत्र एल० श्री राम सरन दास दादू, (2) श्रीमती सन्तोष बती दादू, पत्नी श्री सुख बयाल दादू, (3) श्री वेद प्रकाश दादू, (4) ललीत मोहन दादू, (5) विमल कान्त दादू, सुपुत्र श्री सुख दयाल दादू, निवासी 24-ए, जवाहर नगर, सब्जी मन्डी, दिल्ली-7। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक डेढ़ मंजिला मकान जोकि 111 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 544, ब्लॉक नं० 'सी' है, मजलीस पार्क कालोनी, दिल्ली-33 में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० 543

पश्चिम : मकान नं० 545

उत्तर : रोड।

दक्षिण : प्लॉट नं० 524।

एस० एन० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 1 मार्च 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/1091/75-76—
अतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 10/8 है तथा जो रामेश नगर, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1975
को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्

10—516GI/75

1. सर्वश्री (1) जोगिन्द्र पास, (2) जुगल किशोर
(3) मनोहर लाल, सुपुत्र श्री हंस राज, निवासी 10/8, रामेश
नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री वेद प्रकाश भाटिया, सुपुत्र श्री फकीर चन्द, निवासी
10/8, रामेश नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सन्दर्भ में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि 100 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट
पर बना हुआ है, जिसका नं० 10/8 है, रामेश नगर, नई
दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : रोड़।

पश्चिम : लेन।

उत्तर : प्लॉट नं० 7।

दक्षिण : प्लॉट नं० 9।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 1 मार्च, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1092/75-76—

अतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 29/77 का 1/4 अविभाजित भाग है तथा जो
पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारियों के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया
है -

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' व अधीन कर देने के अन्तरक के बावित्व
म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री प्रीभदास ताराचन्द सिपाहीमलीनी, सुपुत्र
श्री ताराचन्द, निवासी एम-63, कनाट सर्कस नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री हरदीप सिंह, सुपुत्र श्री बलबीर सिंह, निवासी
जे-13/23-जी, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट की भूमि का 1/4 अविभाजित भाग जिसका क्षेत्रफल
555.55 वर्ग गज (सारे प्लॉट का कुल क्षेत्रफल 2222.22
वर्ग गज) है, और नं० 29, रोड नं० 77 है, पंजाबी बाग, नई दिल्ली
के बसाए दारापुर गांव के क्षेत्र में है। यह प्लॉट निम्न प्रकार से
स्थित है :—

पूर्व : रोड नं० 77।

पश्चिम : सविस लेन।

उत्तर : प्लॉट नं० 27।

दक्षिण : प्लॉट नं० 31।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 1 मार्च, 1976।

मोहर : -

प्ररूप आई० टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1093/75-76—
अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० 204 का 1/2 अविभाजित भाग है तथा जो
गली किनारी वाली, नया बांस, दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व से कमो करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शान्ती पूर्वी, पत्नी श्री राम गोपाल भगवा,
निवासी 1, स्टेट बैंक कालोनी, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती राज रानी जैन, पत्नी श्री जैन भगवान जैन,
निवासी 178, गली किनारी, नया बांस, दिल्ली। (अन्तरिती)

3. सर्वश्री (1) रघुबीर अग्रवाल, (2) कृष्ण प्रसाद, (3)
श्याम लाल, (4) श्रीमती राज रानी जैन, (5) श्री छोदी मल,
निवासी 204, गली किनारी वाली, नया बांस, दिल्ली।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला बिल्डिंग का 1/2 अविभाजित भाग जो
116 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बनी हुई है, जिसका नं० 204
है, किनारी वाली गली, नया बांस, दिल्ली में है।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 1 मार्च, 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/1094/75-76—

अतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जी-81 का 1/2 भाग है तथा जो बाली नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. श्री तुलसी सिंह, सुपुत्र एस० सन्ता सिंह, निवासी 20, नार्थ एवेन्यू रोड, पंजाबी बाग, नई दिल्ली-1। (अन्तरक)

2. श्रीमती विद्या बती, पत्नी कैप्टन एस० टी० शर्मा, निवासी 1529, नार्थ वाला, करोल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/2 भाग जोकि 182 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 81, ब्लॉक नं० 'जी' है, बाली नगर, तजफगढ़ रोड पर, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० जी-82।

पश्चिम : प्लॉट नं० जी-80।

उत्तर : रोड।

दक्षिण : सविस् लेन।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 1 मार्च, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-11, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1095/75-76--
अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जी-81 का 1/2 भाग है तथा जो बाली नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री तुलमा सिंह, सुपुत्र एम० सन्ता सिंह, निवासी 20, नार्थ एवेन्यू रोड, पंजाबी बाग, नई दिल्ली-1।

1. श्रीमती विद्यावती, पत्नी कैप्टन एस० टी० शर्मा, निवासी 1529, नई वाला, करौल बाग, नई दिल्ली-1। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/2 भाग जो कि 182 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 81, ब्लॉक नं० 'जी' है, बाली नगर, नजफगढ़ रोड पर, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:-

पूर्व : प्लॉट नं० जी-82

पश्चिम : प्लॉट नं० जी-80

उत्तर : रोड

दक्षिण : सर्विस लेन।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 1 मार्च, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/1096/75-76—

अतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ई-1 है तथा जो बाली नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री देव मितर मेहता, सुपुत्र श्री एस० पी० मेहता, निवासी 7, आर्या नगर, गाजियाबाद, जिला मेरठ। (अन्तरक)

2. (1) श्री वेद प्रकाश दुआ, सुपुत्र श्री शामा राम दुआ, (2) श्रीमती देवी बाई, पत्नी श्री तुलसी राम चावला, निवासी 246ई/6, सुदर्शन पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है, और नं० 1, ब्लॉक नं० 'ई' है, निवासी कालोनी बाली नगर, दिल्ली में है। यह प्लॉट निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :—

पूर्व : सड़क 15 फुट चौड़ी।

पश्चिम : प्लॉट नं० ई-2।

उत्तर : सड़क 15 फुट चौड़ी।

दक्षिण : सड़क 15 फुट चौड़ी।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 1 मार्च, 1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/1097/75-76--
अतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल

प्रायकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 3465-66 का भाग है तथा जो निकलसन रोड, काश्मीरी गेट दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री मनमोहन लाल, सुपुत्र श्री लाल चन्द, निवासी 3470, निकलसन रोड, दिल्ली, (2) मनोहर लाल, सुपुत्र श्री सुन्दर दास, निवासी 2543, सब्जी मण्डी, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अमरावती वाही, पत्नी श्री कृष्ण वाही, निवासी 3466, निकलसन रोड, काश्मीरी गेट, दिल्ली।

(अन्तरिती)

3. (1) मै० शामीम नाज प्रफूमरे कं०, (2) 'शिवबन' (3) मै० पी० टोला राम एण्ड सन्स, निवासी 3465-66, निकलसन रोड, काश्मीरी गेट, दिल्ली (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस [अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक तीन मंजिला मकान का भाग जो कि 93.4 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 3465.66 है, निकलसन रोड, काश्मीरी गेट, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :-

पूर्व : जायदाद का बाकी भाग

पश्चिम : जायदाद नं० 3473

उत्तर : जायदाद नं० 3472

दक्षिण : स्ट्रीट।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-11, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2250/75-76/
1098—अतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जी-28 है, तथा जो बाली नगर, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जुलाई, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,
'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा
269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित
व्यक्तियों पर्याप्त :—

1. श्री नानक चन्द, सुपुत्र श्री हरी चन्द, निवासी एफ-68,
मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली-15। श्री प्रान नाथ के जनरल
पावर आफ अटारनी, सुपुत्र श्री द्वारका नाथ गुलाटी, निवासी
एफ-13/6, मा ल टाउन, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री तुलसा सिंह, सुपुत्र श्री सन्ता सिंह, निवासी 20,
नार्थ एवेन्यू, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है, और नं० जी-28
है, बाली नगर, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली में है। यह प्लॉट निम्न
प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० जी-29।

पश्चिम : प्लॉट नं० जी-27।

उत्तर : रोड।

दक्षिण : सर्विस लेन।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 11, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26-2-1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-11, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1099/2221/
 75-76—अतः मुझे एम० एन० एल० अग्रवाल
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु० से अधिक है
 और जिसकी सं० 3/88 है तथा जो रामेश नगर, नई दिल्ली में
 स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
 तारीख जुलाई, 1975
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
 गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
 सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
 दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
 अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
 ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
 किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
 अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उसमें भ्रमने में सुविधा के
 लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
 1922 (1922 का 11) या 'उक्त
 अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957
 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
 द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
 चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के
 अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
 उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
 11—516GI/75

1. (1) श्री शाम सुन्दर, सुपुत्र श्री चमन लाल, निवासी जी-49,
 कीर्ती नगर नई दिल्ली। श्रीमती सरस्वती देवी के रजिस्टर्ड
 जनरल एटार्नी पत्नी श्री देस राज (2) श्री गुलशन कुमार
 सुपुत्र श्री देस राज निवासी 3/88 रामेश नगर नई दिल्ली।
 (अन्तरक)

2. श्रीमती बिमला कुमारी पत्नी श्री हिन्द प्रकाश निवासी
 3/88 रामेश नगर नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
 दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
 अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
 है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

सरकारी बने मकान जो 100 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर
 बने हुए हैं जिसका नं० 3/88 रामेश नगर नई दिल्ली में है यह
 मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : सड़क तथा पार्क
 पश्चिम : गली
 उत्तर : जी बी पी
 दक्षिण : जी बी पी

एम० एन० एल० अग्रवाल
 सक्षम अधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-11 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26-2-1976
 मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2216/1100/75-76—अतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और ज़िमकी सं० सी-21/5 की पहली मंजिल है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की श्रावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मंगल सेन टंडन, सुपुत्र श्री सरदार मल, निवासी बी-9, गुजरवाला टाउन, दिल्ली-9। (अन्तरक)

2. श्री अनारो शर्मा, पत्नी श्री विद्या शर्मा, निवासी सी-11/5, माडल टाउन, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ढाई मंजिला मकान की पहली मंजिल जोकि 215 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बनी हुई है, जिसका नं० सी-11/5, माडल टाउन, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : मकान नं० सी-11/3

पश्चिम : सी-11/2 का बाकी बचा भाग

उत्तर : मकान नं० सी-11/6

दक्षिण : गली तथा कारपोरेशन के मकान।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 1-3-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एवयु०/11/2276/1101/
75-76—अतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से अधिक है
और जिसकी सं० सी-11/5 की पहली मंजिल है तथा जो माडल
टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिम्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मंगल सैन टंडन, सुपुत्र सरदार मल, निवासी बी-9,
गुजरवाला टाउन, दिल्ली-9। (अन्तरक)

2. श्रीमती अनारो शर्मा, पत्नी श्री विद्या सागर शर्मा,
निवासी सी-11/5, माडल टाउन, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
'तामील' से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आई मंजिला मकान की पहली मंजिल जोकि 215 वर्ग गज
क्षेफफल के प्लॉट पर बनी हुई है, जिसका नं० सी-11/5, माडल
टाउन, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : मकान नं० सी-11/3

पश्चिम : सी-11/5 का बाकी बचा भाग।

उत्तर : मकान नं० सी-21/6

दक्षिण : गली तथा कारपोरेशन के मकान।

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 1-3-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 फरवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर०-62/4705/75-76—प्रतः मुझे
आर० कृष्णमूर्ति सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज बंगलूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,
और जिसकी सं० 29, 30 सं 31 है, तथा जो एवेन्यू रोड, बंगलूर
सिटी में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 2-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती ललितम्मा सुपुत्री मुनिमल्लप्पा उर्फ अर्बुण
(2) श्री सुधीर चन्द्रा, (3) श्री महेश चन्द्रा श्रीमती ललितम्मा
के पुत्र, नं० 1254, के० एम० पुरम, मैसूर सिटी में रहने वाले।
(अन्तरक)

2. श्री एम० बी० रामप्पा, सुपुत्र मुनिस्वामप्पा, नं० 53,
रेलवे पारलल रोड, कुमार पार्क वेस्ट, बंगलूर-20।
(अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स बंगलूर पेस एजेन्सीज।

(2) मैसर्स गोपालन एन्ड कम्पनी (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(दस्तावेज नं० 1460/75-76 तारीख 2-7-75)

दुकान नं० 29, 30 व 31, कृष्णा बिल्डिंग्स, एवेन्यू रोड,
बंगलूर सिटी (डिवीजन नं० 46)।

अवस्थान क्षेत्रफल :—

पूर्व से पश्चिम : उत्तरी भाग में 38 फुट	} 800 वर्ग फीट
पूर्व से पश्चिम : दक्षिणी भाग में 43 फुट।	
उत्तर से दक्षिण : पूर्वी भाग में 9 फुट, 9 इंच	
उत्तर से दक्षिण : पश्चिमी भाग में 31 फुट, 3 इंच	

गृह क्षेत्र : 13 स्कोयर्स।

सीमाएं :

पूर्व : आम रास्ता व पायखाना।

पश्चिम : एवेन्यू रोड।

उत्तर : सम्पत्ति जो श्री के० आर० प्रभू की है।

दक्षिण : मैसर्स मैसूर इलक्ट्रिक कंट्रोलिंग्स असोसिएशन और
इंडियन काफी बोर्ड।

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 13-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 फरवरी, 1976

निर्देश सं० सी० आर०-62/4544/75-76/ए० सी० ब्यू०/
बी—अतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वस्य करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 10/सं० नं० 43/1 है तथा जो 16वां फ़ास,
लक्ष्मीपुरम, अल्सूर, बंगलूर-8 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन तारीख 7-7-1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० वेलम्माल, नं० 144, डी० ब्लाक, चाम्पियन
रीफस, पो० कोलार गोल्ड फील्ड्स। (अन्तरक)

2. श्री एन० चेल्वराज, नं० 74, 14वां फ़ास, लक्ष्मीपुरम,
अल्सूर, बंगलूर-8। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1208/75-76 तारीख 7-7-75)

खाली अवस्थान नं० 10 (जो सर्वे नं० 43/1 से निकाला
है), 16वां फ़ास, लक्ष्मीपुरम, अल्सूर, बंगलूर-8।

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : उत्तरी भाग में : 42-1/2 फुट } 1768
पूर्व से पश्चिम : दक्षिणी भाग में : 42-5/6 फुट } वर्ग
उत्तर से दक्षिण : 30 फुट। } फीट।

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 17-2-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 फरवरी, 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4545/75-76/ए० सी० क्यू०/बी०—यतः मुझे आर० कृष्ण मूर्ति सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 130 (पुराना नं० 18) है, तथा जो वीलर रोड, काक्स टाउन, बंगलूर-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परदृष्ट प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री क्लारन्स सोरस, स्व० अप्पोलोन कटनो डिजोजा की सम्पत्ति का प्रबन्धक, खान मानशन III विक्टोरिया क्रॉस लेन, वकुल्ला, वम्बई-27 में रहने वाले—प्रतिनिधि अधिकारी श्री जार्ज डिकोस्टा, वकील, 31/1 एम० जी० रोड, बंगलूर-1 (अन्तरक)

2. श्री बी० बी० गोविन्दराजुलु, सुसुत्र श्री बी० वेंकट कृष्णदा नं० 33/2, तंबुचेट्टी रोड, काक्स टाउन, सिविल स्टेशन, बंगलूर-1 (अन्तरिती)

3. (1) श्री फ्रांसिस, (2) श्रीमती मरियम्मा, (3) अहम्मद शरीफ, (4) रुबन, (5) खान, (6) सुयीवन, (7) थ्यामला राव, (8) पापय्या—नं० 130 वीलर रोड, बंगलूर में रहने वाले। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1223/75-76, तारीख 7-7-75)

नं० 130 (पुराना नं० 18), वीलर रोड, काक्स टाउन सिविल स्टेशन, बंगलूर-5 के पश्चिमी भाग, पुराने गृह के साथ कोने में स्थित अवस्थान।

अवस्थान क्षेत्रफल :

उत्तर से दक्षिण : 50 फुट. 10-1/2 इंच
पूर्व : 80.2 फुट व
पश्चिम : 80 फुट। } 4070 वर्ग फीट।

गृह क्षेत्र :

प्रधान मकान व बाहरी गृह $742 + 296 = 1038$ वर्ग फीट सीमाएं :

उत्तर : वीलर रोड

दक्षिण : कोण्डर्वेन्सी

पूर्व : गृह का बाकी भाग नं० 130 (पुराना नं० 18), वीलर रोड, श्रीमती गुणवती राममोहनदास को बेचा गया है।

पश्चिम : वेबस्टर रोड।

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 13-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार.

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 फरवरी, 1976

निर्देश सं० सी० आर०/62/5347/5-76/ए० सी० क्यू०/
बी०—यतः मुझे आर० दृष्टमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
और जिसकी सं० 130 (पुराना नं० 18) है, तथा जो वीलर रोड
काक्स टाउन, सिविल स्टेशन, बंगलूर-5 में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-7-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री क्लारेन्स मोर्गस—स्व० अप्पोलोन कैटनो डीसोजा
की संपत्ति का प्रबन्धक (ए० सी० डिसोजा)।

निवास स्थान :—खान मानगन, III विक्टोरिया क्रास लेन,
बैकुल्ला, बम्बई-27। प्रतिनिधि व मुख्तार—जार्ज डकास्टा, वकील
31/1, एम० जी० रोड, बंगलूर-56000। (अन्तरक)

2. श्रीमती गुणवन्ती राममोहन दास, पत्नी श्री राम मोहन
राव, सुपुत्री आर० नारायणप्पा, वकील 35, 54, 87वां स्ट्रीट,
जाक्सन हाइट्स, न्यू पार्क। 11372, यू० एस० ए०। प्रतिनिधि व
मुख्तार श्री आर० नारायणप्पा, वकील नं० 78 वीलर रोड, काक्स
टाउन, सिविल स्टेशन, बंगलूर-5। (अन्तरिती)

3. (1) फ्रान्सीस, (2) श्रीमती मरियम्मा, (3)
अहम्मद शरीफ, (4) रेनवेन, (5) खान, (1) सत्तियान, (7)
श्यामला राव, (8) पापय्या, नं० 130 वीलर रोड, बंगलूर-5।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1224/75-76 तारीख 7-7-1975)

अवस्थान पुराने घर के साथ गृह नं० 130 का पूर्वी भाग
(पुराना नं० 18) वीलर रोड, काक्स टाउन, सिविल स्टेशन,
बंगलूर-5 में स्थित।

अवस्थान क्षेत्रफल :

उत्तर : 50 फुट 10-1/2 इंच	} क्षेत्रफल : 4080 वर्ग फीट
दक्षिण : 50 फुट, 10-1/2 इंच	
पूर्व : 80 फुट, 1 इंच	
पश्चिम : 80 फुट, 2 इंच।	

सीमाएं :

उत्तर : वीलर रोड।

दक्षिण : कोणमरवेन्सी

पूर्व : जी० एम० विश्वनाथ अय्यर की संपत्ति।

पश्चिम : गृह नं० 130 वीलर रोड का भाग जो श्री वी० बी०
गोविन्दराजुलु को बेचा गया है।

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर-5

तारीख : 17-2-1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 16 फरवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4550/75-76/ए० सी० क्यू०/
बी०—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 302 है, तथा जो सी० आई० टी० बी० अवस्थान
नं० 302, भिन्न मंगला एक्सटेंशन, बंगलूर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-7-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की

गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शान्ता रावपत्नी एच० आर० सूर्यनारायण राव,
मार्फत एच० आर० सत्यनारायण राव, नं० बी-11 शंकर पार्क,
शंकरपुरम, वसवंगुडी, बंगलूर-4। (अन्तरक)

2. श्री बी० कृष्णमूर्ति, सुपुत्र श्री बालसुब्रह्मण्यम, नं० 66
ग्रोल्ड पोस्ट आफिस रोड, II स्टेज, इन्दिरा नगर, बंगलूर-38।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1288/75-76, तारीख 11-7-1975]

कोने में खाली संपत्ति सी० आई० टी० बी० अवस्थान नं०
302 भिन्नमंगला एक्सटेंशन, बंगलूर में स्थित।

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : 90 फुट

उत्तर से दक्षिण : $10-1/2$ फुट + $63-1/2$ फुट

2

क्षेत्रफल : 5580 वर्ग फीट।

सीमाएं :—

पूर्व : सड़क।

पश्चिम : अवस्थान नं० 279 और 280

उत्तर : सड़क।

दक्षिण : अवस्थान नं० 301।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 16-2-1976।
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 फरवरी, 1971

निर्देश सं० सी० आर० 12/4611/, 76/ए० सी० आर०/बी०—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति आयकर आयुक्त, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 21, सं० नं० 112 का भाग है, तथा जो के० जी० बेदरहल्ली गांव (डिवीजन नं० 46), बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-7-1975 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थित—
12—516GI/75

1. (1) श्रीमती विट्ठो बाई, पत्नी श्री बी० एन० सुरेन्द्रा,
(2) कु० बी० एन० ऊषा, पत्नी श्री बी० एन० सुरेन्द्रा, नं० 12/1, कोथारी रोड, मुंगम्बाक्कम, मद्रास-34। (अन्तरक)

2. मैसर्स ऊषा फैशनशियर नं० 36, ग्रहीरिपुकार रोड, कलकत्ता-19। प्रतिनिधि—साझेदार, श्रीमती सुषमा कपूर, नं० 3/11 कार्वोरियप्पा ले आउट, मिल्लर, मिल्लर टॉक बंड रोड, बंगलूर-52। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[घस्तावेज सं० 1682/75-76 तारीख 21-7-75]

खाली जमीन नं० 21 का आधा भाग जो सर्वे नं० 112, के० जी० बेदरहल्ली गांव, बंगलूर (डिवीजन नं० 46) के एक भाग में स्थित है।

कुल अवस्थान क्षेत्रफल (आधा भाग)

पूर्व : 98 फीट, 4 इंच

पश्चिम : 49 फीट 3 इंच

उत्तर : 118 फीट।

दक्षिण : 163 फीट।

क्षेत्रफल : कुल 9298 वर्ग फीट।

सीमाएं :—

पूर्व : भूमि खंड नं० 22।

पश्चिम : पगडंडी व नन्दिगुर्गा रोड

उत्तर : 25 फुट चौड़ी सड़क।

दक्षिण : आंजनेय मंदिर को जानेवाली पगडंडी व संपत्ति।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 13 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 फरवरी, 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4612/75-76/ए० सी० आर०/बी०—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 21 सं० नं० 112 है, तथा जो सर्वे नं० 112, के० जी० बैदेरहल्ली गांव (डि० नं० 46) बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दिलीप एस० बालमोरे सुपुत्र बी० एन० सुन्दर। फिलहाल न्यू यार्क सिटी, यू० एस० ए० में हैं। प्रतिनिधि—अधिकार श्री बी० एन० सुरेद्रा, नं० 12/1, कोथारी रोड, नुंगम्पाक्कम, मद्रास-34। (अन्तरक)

2. मैसर्स ऊषा फाइनान्सियर, नं० 36, अहीरिपुकार रोड, कलकत्ता-19। प्रतिनिधि व साझेदार श्रीमती सुषमा कपूर, नं० 3/11 कावेरियप्पा ले आउट, मिल्लर टांक बंड रोड, बंगलूर-52। को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[वस्तावेज सं० 1683/75-76 तारीख 21-7-75]

आधा भाग—खाली भूमि खंड नं० 21—सर्वे नं० 112, के० जी० बैदेरहल्ली गांव, बंगलूर (डिवीजन नं० 46)।

कुल अवस्थान क्षेत्रफल :

(आधा भाग)

पूर्व : 98 फीट 4 इंच

पश्चिम : 49 फीट 3 इंच

उत्तर : 118 फीट।

दक्षिण : 136 फीट।

क्षेत्रफल : 9298 वर्ग फीट।

सीमाएं :—

पूर्व : भूमिखण्ड नं० 22।

पश्चिम : पगडंडी व नन्दिदुर्ग रोड।

उत्तर : 25 फीट चौड़ी सड़क।

दक्षिण : सम्पत्ति व आंजनेय मंदिर को जानेवाली पगडंडी।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 13-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 फरवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4613/75-76/ए० सी० क्यू०/

बी०—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 22 का आधा भाग है, तथा जो सर्वे नं० 113 के० जी० बैदरहल्ली गांव (डि० 46) बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-7-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दिलीप एस० बालमोरे सुपुत्र श्री बी० एन० सुरेन्द्रा (फिलहाल न्यू यार्क में रहते हैं), प्रतिनिधि—अधिकारी श्री बी० एन० सुरेन्द्रा, नं० 12/1 कोथारी रोड, नुंगम्बाक्कम, मद्रास-34। (अन्तरक)

मैसर्स रामचन्द्र जगदीश चंद, नं० 53—राधा बाजार लेन, कलकत्ता। प्रतिनिधि व सामोदार श्री नरेन्द्र चन्द कपूर, नं० 3/11 कावेरियप्पा ले आउट, मिल्लर टांक बेंड रोड, बंगलूर-52। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1684/75-76 तारीख 21-7-75]

खाली भूमि खंड का आधा भाग जिसका नं० 22 है व जो सर्वे नं० 112 के० जी० बैदरहल्ली गांव, बंगलूर (डिवीजन नं० 46) में स्थित है।

कुल अवस्थान क्षेत्रफल (आधा भाग)

पूर्व : 103 फीट।

पश्चिम : 98 फीट, 4 इंच।

उत्तर : 141 फीट।

दक्षिण : 39 फीट, 6 इंच + 50 फीट।

कुल क्षेत्रफल : 9300 वर्ग फीट।

सीमाएं :

पूर्व : मैसर्स बंगलूर वूल्लन व काटन व सिल्क मिल्स की सम्पत्ति।

पश्चिम : अवस्थान नं० 21।

उत्तर : 25 फीट चौड़ी सड़क।

दक्षिण : सम्पत्ति व आजनेय मंदिर को जाने वाली पगडंडी।

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 13-2-1976।

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, तारीख 13 फरवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4614/75-76/ए० सी०
क्यू०/बी०—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० खाली भूमिखंड नं० 22 है, तथा जो सर्वे नं० 112
के० जी० बेदरहल्ली गांव, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, गान्धी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-7-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती एस० बिट्टो बाई, पत्नी बी० एन० सुरेन्द्रा,
(2) कु० बी० एस० उषा सुपुत्री श्री बी० एन० सुरेन्द्रा, नं० 12/1
कोथारी रोड, नुंगम्बाकम, मद्रास-34। (अन्तरक)

2. मैसर्स रामचन्द्र जगदीशचन्द्र, नं० 53, राधा बाजार
लेन, कलकत्ता-700001। प्रतिनिधि व साक्षेदार श्री नरेन्द्रचन्द्र
कपूर, नं० 3/11 कावेरियप्पा ले आउट, मिल्लर टांक बंड रोड,
बंगलूर-52। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1685/75-76 तारीख 21-7-75]

खाली भूमिखंड नं० 22, सर्वे नं० 112, के० जी० बेदरहल्ली
गांव, बंगलूर (डिवीजन नं० 46) में स्थित।

कुल अवस्थान क्षेत्रफल:

पूर्व : 103 फीट।	} कुल क्षेत्रफल 9300 वर्गफीट
पश्चिम : 98 फीट 4 इंच।	
उत्तर : 141 फीट।	
दक्षिण : 39 फीट 6 इंच + 50 फीट	

सीमाएं:—

पूर्व : मैसर्स बंगलूर वूल्लन, काट्टन व सिल्क मिल्स लिमिटेड
की सम्पत्ति।

पश्चिम : भूमिखंड नं० 21।

उत्तर : 25 फीट चौड़ी सड़क।

दक्षिण : संपत्ति व पगडंडी आंजनेय मंदिर को जाने वाली।

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 13-2-1976।

मोहर :

प्रारूप० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 फरवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4618/75-76/ए० सी० क्यू०/बी०—यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 93जी०, है, तथा जो नन्दि दुर्गा रोड (46 डिब्बीजन) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री एम० एम० टी० मुनिस्वामीया (अल्पवयस्क), प्रतिनिधि—पिता व रक्षकर्ता एम० एम० तिमम्ब्या, नं० 10/11, तोर्ण मुदलियार स्ट्रीट, सिविल स्टेशन, बंगलूर-1। (अन्तरक)
2. श्रीमती ए० एच० पुष्पम, पत्नी श्री आरावमुदम, नं० 14 केगल अनुमंतय्या रोड, बंगलूर-27।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करती हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दास्तावेज सं० 1723/75-76, तारीख 24-7-75]

खाली जमीन—म्युनिसिपल नं० 93-जी०, नन्दिदुर्गा रोड, (डिब्बी० नं० 46), बंगलूर-6।

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : 39 फीट 9 इंच } क्षेत्रफल : 2624 वर्ग फीट।
उत्तर से दक्षिण : 66 फीट

सीमाएं :—

उत्तर : अवस्थान नं० 93-एफ०

दक्षिण : अवस्थान नं० 93-एच०

पश्चिम : ले आउट रोड, 30 फीट चौड़ी।

पूर्व : निजी सम्पत्ति।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेन्ज, बंगलूर

तारीख : 17-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज, बंगलूर का कार्यालय

बंगलूर, दिनांक 17 फरवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4619/75-76/ए० सी० क्यू०/बी०—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है तथा जो 93-एफ० नन्दिदुर्ग रोड (डि० नं० 46) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारसविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब के अन्तरण में मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० एम० टी० मुनिस्वामप्पा (अल्पवयस्क) प्रतिनिधि व पिता और रक्षकर्ता श्री एम० एम० निम्मय्या, 10/11 तोपे मुवलियार स्ट्रीट, सिविल स्टेशन, बंगलूर-1। (अन्तरक)

2. कुमारी एफ० सोदराम्बाल, सुपुत्री स्व० जे० कैण्ण्डस नं० 14 कैंगल अनुमन्तय्या रोड, बंगलूर-27। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इससे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1724/75-76 तारीख 24-7-75]

खाली कोनेवाली भूमि खण्ड, म्युनिसिपल नं० 93-एफ० नन्दिदुर्ग रोड (डिवीजन नं० 46) बंगलूर-6 में स्थित।

अवस्थान का क्षेत्रफल :—

पूर्व से पश्चिम : 39 फीट 9 इंच } क्षेत्रफल : 2624 वर्ग फीट
उत्तर से दक्षिण : 66 फीट।

सीमाएं :—

उत्तर : ले आउड रोड 30 फीट चौड़ी वाली

दक्षिण : अवस्थान 93-जी०।

पश्चिम : ले आउड रोड 30 फीट चौड़ी वाली।

पूर्व : निजी सम्पत्ति।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेन्ज, बंगलूर

तारीख : 17-2-1976

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 फरवरी, 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4532/75-76/ए० सी० न्यू०/बी०—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० नं० 38 (नया नं० 24) है, तथा जो 29वीं फ़ास रोड, 7वां ब्लॉक, जयनगर, बंगलूर-11 में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-7-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बुझयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यन्त्रपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बुझयमान प्रतिफल से, ऐसे बुझयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बी० रामचन्द्र नायडु, नं० 126-28वा फ़ास रोड, 7वां ब्लॉक, जयनगर, बंगलूर-11। (अन्तरक)

2. (2) श्री ई० एल० वेंकटेशय्य शेटी, (2) श्री ई० बी० सुब्बय्या, नं० 18, मार्केट रोड, बसवगुडी, बंगलूर-4। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1243/75-76 तारीख 7-7-1975]

अवस्थान नं० 38 (नया नं० 24) 29वां फ़ास रोड, 7वां ब्लॉक, जयनगर, बंगलूर-11 (डिवीजन नं० 34)।

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : 70 फीट।
उत्तर से दक्षिण : 120 फीट। }

सीमाएं :—

पूर्व : अवस्थान नं० 39।
पश्चिम : अवस्थान नं० 37।
उत्तर : 29वीं फ़ास रोड।
दक्षिण : अवस्थान नं० 47।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 13-2-1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज, बंगलूर का कार्यालय

बंगलूर, दिनांक 17 फरवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4675/75-76/ए० सी० क्यू०/
बी०—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 63 है, तथा जो बानाशंकरी I स्टेज, श्रीनगर,
बंगलूर-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवगुडी,
बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 10-7-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना:—

1. (1) श्री टी० आर० रंगस्वामी, नं० 36 रामचन्द्र
अग्रहारम, पाचवी मेन रोड, चामराजपेट, बंगलूर-18।

(2) श्री टी० आर० कृष्णमूर्ति, स्टेट बैंक आफ इंडिया,
मद्रास। (अन्तरक)

2. (1) श्री ए० बी० सुब्रह्मण्यम, (2) श्रीमती ए० आर०
सरोजा, पत्नी श्री ए० बी० सुब्रह्मण्यम, नं० 63 बानाशंकरी पहली
स्टेज, श्रीनगर, बंगलूर-50।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1382/75-76, तारीख 10-7-75]

गृह नं० 63, बानाशंकरी पहली स्टेज, श्रीनगर, बंगलूर-50।

अवस्थान क्षेत्रफल:—

40 फीट × 60 फीट = 2400 वर्ग फीट।

गृह क्षेत्र:—

6.75 स्कोयर्स।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेन्ज, बंगलूर

तारीख : 17-2-1976
मोहर।

प्ररूप आर्डि० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज, बंगलूर का कार्यालय

बंगलूर, दिनांक 13 फरवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4702/75-76/ए० सी० ब्यू०/बी०—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 53 व 54 है, तथा जो बेल्लिबसवन्ना टेम्पुल स्ट्रीट, बंगलूर-53 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तःसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
13—516GI/75

1. श्री बी० एम० अम्बवत्यनारायण शेटी, सुपुत्र श्री माधवय्या शेटी, रत्नकार व व्यापारी, मैन रोड, मागडी टाउन, बंगलूर जिला।
(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती गुलाबी बाई पत्नी स्व० हरकचन्द, (2) चौथमल एच० जैन (3) मंगीलाल एच० जैन (4) कान्तीलाल एच० जैन, (5) परासमल एच० जैन, (6) मूलचन्द एच० जैन (मैनर), (7) नेमीचन्द एच० जैन (मैनर), (स्व० शाह रतनजी हरकचन्द के पुत्र) नं० 87 बेल्लि बसवन्ना टेम्पुल स्ट्रीट, मामूलपेट, बंगलूर-53।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा। जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1456/75-76 तारीख 3-7-75]

संपत्ति म्युनिसिपल नं० 53 (निवास स्थान) और म्युनिसिपल नं० (53 व 54) (अनावासिक) पुराना नं० 47 और नया नं० 87 व 88, बेल्लि बसवन्ना टेम्पुल स्ट्रीट, मामूलपेट, बंगलूर-53

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : 20 $\frac{3}{4}$ फीट } क्षेत्रफल : 1020 वर्ग फीट
उत्तर से दक्षिण : 51 $\frac{1}{4}$ फीट }

सीमाएं :—

पूर्व : गृह जो श्री गौरी बिदनूर सुरय्या शेटी का है।

पश्चिम : मैसर्स मरुलसिद्धप्पा सिद्धप्पा

उत्तर : गृह श्री धोन्दले मुनिस्वामीसा व बेचने बासू का है।

दक्षिण : सड़क।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 13-2-1976

मोहर :

प्ररूप आर०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 फरवरी, 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4615/75-76/ए०सी०३यू०/बी—

यतः मुझे आर० कृष्णामूर्ति सहायक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2/1 है, नया नं० 41 है, तथा जो उन्नराडि टुडलेन, चिकपेट, बंगलूर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, बंगलूर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम

का 16) के अधीन 1-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती एम० सिंहवासम्मा पत्नी श्री के० आर० राजशेखरघा

(2) श्री के० आर० राजशेखरघा, सुपुत्र श्री रुद्रघा, नं० 189, दत्तात्रेय एक्सटेशन, गविपुरम, गट्टहली, बंगलूर सिटी। (अन्तरक)

2. श्री पी० महावीर चन्द सुपुत्र श्री सी० पन्नालाल प्रकाश एण्ड कंपनी

नं० 44/46, चन्दानी मान्शन, जुम्मा मस्जिद रोड, बंगलूर सिटी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1700/75-76 ता० 1-7-1975)

संपत्ति नं० 2/1, नया नं० 41, उन्नराडी मट्ट, लेन, चिकपेट, बंगलूर (डिविजन नं० 16)।

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : 27. $\frac{1}{2}$ ' फीट

उत्तर से दक्षिण : 19. $\frac{1}{2}$ ' फीट

गृह क्षेत्र :

दूसरी मंजिल : 5. $\frac{1}{2}$ स्कोयर्स

तीसरी मंजिल : 1 स्कोयर्स

सीमाएं :

पूर्व : सड़क

पश्चिम : खली जगह 3 फुट चौड़ी, कमला बाई की संपत्ति।

उत्तर : श्री नियम्बकप्पा का गृह।

दक्षिण : श्री रामशास्त्री का गृह।

आर० कृष्णामूर्ति

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 20-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 फरवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4710/75-76/ए० सी० क्यू०/बी०—
यतः मुझे आर० कृष्णामूर्ति
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 2/1, नया नं० 41 का भाग है, तथा जो उन्नराडि-
मट्टु लेन, चिकपेट, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन 5-7-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-
शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रतीतः—

1. श्रीमती एम० सद्बासम्मा पत्नी श्री के० आर० राज-
शेखरघा, सुपुत्र श्री रुद्रघा, नं० 189, वत्तात्रेय एक्सटेंशन,
गविपुरम, गुट्टहल्ली, बंगलूर सिटी। (अन्तरक)

2. श्रीमती सुन्दर बाई पत्नी श्री सी० पन्नालाल,
नं० 6/11, I, फ्लोर, 7-क्रास, रंगस्वामी, टेंपल स्ट्रीट,
बंगलूर सिटी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति, स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों को जो 'उक्त अधि-
नियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1492/75-76 ता० 5ब7-75)।

संपत्ति नं० 2/1, नया नं० 41, उन्नराडि मट्टु लेन, चिकपेट,
बंगलूर (डिवीजन नं० 16) का निचली मंजिल।

अवस्थान क्षेत्रफल:

पूर्व से पश्चिम : 27.½' फीट

उत्तर से दक्षिण : 19.½' फीट

गृह क्षेत्र:

निचली मंजिल : 5 स्क्वायर्स।

सीमाएं:

पूर्व : सड़क

पश्चिम : खुली जगह 3 फुट चौड़ी कमला बाई की
संपत्ति।

उत्तर : तियम्बकघा का गृह

दक्षिण : राम शास्त्री का गृह।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 19-2-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 फरवरी 1976

निर्देश सं० सी०आर० 62/4681/75-76/ए०सी०क्यू०/बी/---

यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसके
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 35 (पश्चिमी भाग) है, तथा जो मैन रोड,
न्यू नरगुपेट, बंगलूर-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बसबंगुडी, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन 3-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त

सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत के अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों, को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

1 श्री एम० कृष्ण राव सिन्धे सुपुत्र स्व० श्री मुन्तोजी राव सिन्धे
मालिक : शिवाजी सोप नट एण्ड आयल मिल्स,
न्यू नरगुपेट, बंगलूर । (अन्तरक)

2. पी० बालाजी बाबू (अल्पवयस्क),
प्रतिनिधि, रक्षकर्ता व पिता श्री पी० बेंकटाचलपति, व्यापारी,
नं० 61/62, ईस्ट पार्क रोड, मल्लेश्वरम, बंगलूर-3
(साझेदार) मैसर्स बालाजी आयिल ट्रेडर्स प्लेटफार्म रोड,
बंगलूर । (अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स उमा रोड, लाइन्स ।

(2) मैसर्स अम्बल ट्रान्सपोर्ट ।

(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1275/75-76 ता० 3-7-75) ।

गृह नं० 35, IV मैन रोड, न्यू नरगुपेट, बंगलूर-2 का पश्चिमी
भाग ।

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : 25 फुट } 1125 वर्ग फुट
उत्तर से दक्षिण : 45 फुट }

सीमाएं

पूर्व : गृह नं० 35, शिवाजी मिल्स की दीवार का
का दूसरा भाग ।

पश्चिम : IV मैन रोड, न्यू तरगुपेट ।

उत्तर : नं० 35 का दूसरा भाग ।

दक्षिण : ग्राम रास्ता — 5 फीट जो सारी संपत्तियों
के लिए व श्री पापन्ना का गृह ।

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख: 24-2-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 फरवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4682/75-76/ए० सी० १५००/बी—
यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 35 (पश्चिमी भाग) है, तथा जो IV मैन रोड,
न्यू नरगुपेट, बंगलूर-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बसबंगुडी, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन 3-7-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० कृष्णराव सिन्धे
सुपुत्र स्व० मुन्तोजी राव सिन्धे,
मालिक : शिवाजी सोपानट एण्ड आयल मिल्स,
न्यू नरगुपेट, बंगलूर-2 (अन्तरक)

2. श्री पी० वेंकटेश बाबू (अल्पवयस्क),
प्रतिनिधि, पिता व रक्षकर्ता: श्री पी० वेंकटाचलपति,
व्यापारी, नं० 61/62, ईस्ट पार्क रोड, मल्लेश्वरम
बंगलूर-3 ।

(सामोदार मैसर्स बालाजी आयल ट्रेडर्स प्लेटफार्म
बंगलूर) । (अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स के० महादेवप्पा
(2) मैसर्स तुलसीराम टी० एन०
(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1274/75-76 ता० 3-7-75) ।

गृह नं० 35 IV मैन रोड, न्यू नरगुपेट, बंगलूर-2 का
पश्चिमी भाग ।

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : 25 फीट } 1125 वर्ग फीट
उत्तर से दक्षिण : 45 फीट }

सीमाएं :

पूर्व : नं० 35 (शिवाजी आयल मिल्स) का दूसरा
भाग ।
पश्चिम : IV मैन रोड, न्यू नरगुपेट ।
उत्तर : II-क्रास रोड, ।
दक्षिण : नं० 35 गृह का दूसरा भाग ।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 24-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 19 फरवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4721/75-76/ए०सी०क्यू०/बी-
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 21 (पुराना) 24 (नया) है, तथा जो रणवीरा
सेट्टीपेट, किलारी रोड, बंगलूर-53 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय गांधी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन ता० 10-7-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती शारदम्मा पत्नी स्व० श्री टी० सी०
चन्द्रशेखरय्या ।

(2) श्री टी० सी० लक्ष्मीनारायण सुपुत्र स्व० श्री
टी० सी० चन्द्रशेखरय्या ।

(3) श्री टी० सी० केदारेश्वर उर्फ पापय्या
नं० 24, रणवीरसेट्टीपेट, किलारी रोड, बंगलूर-53
(अन्तरक)

2 श्री बी० डी० पीरगल (आई० टी० पी०),
सुपुत्र श्री डी० पी० पीरगल, विश्वनिलय,
मैस्ट्री चिक्कन्ना लेन, किलारी रोड, आस, बंगलूर-53
या फ्लोर, चन्द्रा बिल्डिंग्स, अवन्तू रोड, बंगलूर-2
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1565/75-76 ता० 10-7-75) ।

अवस्थान, मिट्टी का घर जीर्णवस्था में (उत्तरी भाग)
पुराना नं० 21, नया नं० 24 (निचली मंजिल), रणवीरसेट्टीपेट,
किलारी रोड, बंगलूर-53 (छिवीजन नं० 15) ।

अवस्थान क्षेत्रफल : 30' फीट 30' फीट 900' वर्गफीट
सोमाएं :

पूर्व : श्री टी० एस० अश्वत्थय्या का गृह ।

पश्चिम : श्री गोविन्दय्या का गृह ।

उत्तर : किलारी रोड,

दक्षिण : श्रीमती शान्ता को बंसी गयी संपत्ति का भाग ।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, बंगलूर

तारीख : 19-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 फरवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4723/75-76/ए० सी० क्यू०/बी० :—यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 56/2 है, तथा जो मुनिमारप्पा क्रास रोड, सिविल स्टेशन बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 6908 (6908 का 16) के अधीन, तारीख 10-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्रीमती एम० बी० शारदम्मा पत्नी श्री के० मारप्पा रेड्डी नं० 55 नन्दिदुर्गा रोड, बंगलूर-41 (अन्तरक)

(2) श्रीमती के० सभद्रा बाई सुपुजी कन्डोजी राव नं० 56 नन्दिदुर्गा रोड, बंगलूर-41 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1570/75-76 ता० 10-7-75)

जमीन जो नं० 51/2 मुनिमारप्पा क्रास रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर में स्थित।

अवस्थान क्षेत्रफल :—

पूर्व से पश्चिम : 100' } 10,200 वर्ग फीट
उत्तर से दक्षिण : 102' }

सीमाएं :—

पूर्व : गृह नं० 56/3 मुनिमारप्पा क्रास रोड
पश्चिम : गृह नं० 50 व 51 नन्दिदुर्गा रोड
उत्तर : मुनिमारप्पा क्रास रोड व
दक्षिण : गृह नं० 56 नन्दिदुर्गा रोड

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 19 फरवरी, 1971

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 फरवरी, 1971

निर्देश सं० सी० आर० 62/4722/75-76एक्यू०/बी० :—

यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ई-148 है, तथा जो पेडिकलपेट सेट्टी मुद्रा
लेन, 16 क्रॉस अक्किपेट बंगलूर-2 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
2-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम'
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्रीमती वन मैलि अम्मल सुपुत्री श्री रंगस्वामी
चेट्टियार, नं० ई-148 पेडिकलपेट अक्किपेट क्रॉस
बंगलूर-53

(2) श्रीमति सरोजम्मल, नं० 8 मुस्थालम्मा 'एफ'
स्ट्रीट, बंगलूर-1

(3) श्रीमती सी० तारा बाई सुपुत्री पौनम्मला, नं० 23
पोलिस लेन 'सी' स्ट्रीट सिविल स्टेशन, बंगलूर-1

(2) श्रीमती चन्द्र प्रकाश गार्ग सुपुत्र स्व० रामप्रसाद
नं० जे-43 (5) सप्तसापेट, बंगलूर-53

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 6428/75-76 ता० 2-7-75]

अवस्थान पुराने मकान के साथ—नया नं० ई० 148,
पेडिकलपेट सेट्टी मुद्रा लेन, 2nd क्रॉस, अक्किपेट, बंगलूर-2
में स्थित।

अवस्थान क्षेत्रफल :— $56' \times \frac{(39\frac{1}{2}' + 39\frac{1}{2}' + 24')}{2} = 2678$
वर्गफीट

गृह क्षेत्र :—

निचली मंजिल—करीब 8 स्कोयर्स

सीमाएं :—

पूर्व : मुनिसिपल नाला, ग्राम रास्ता व सड़क

पश्चिम : कृष्ण रेड्. कुंभरा पुट्टप्पा व बेगूर वेंकटप्पा
का घर

उत्तर : गृह नं० 117

दक्षिण : गृह नं० 119

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 19 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 फरवरी, 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4703/75-76/एक्यू०/बी०:—

यतः मूझे, आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 18 (पुराना) 40 (नया) है, तथा जो भाष्यम रोड क्रास, गज्जे बाशेट्टी लेन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (6908 का 16) के अधीन ता० 3-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) (1) श्री सी० एन० जयदेवा सुपुत्र स्व० सी० एन० नंजप्पा
- (2) सी० ज० गुरुदेव (3) कु० सी० जे० सुशीला देवी (4) सी० जे० गुरुप्रसाद (5) सी० जे० स्वर्ण गौरी (6) सी० जे० सुमित्रा (प्रतिनिधि व रक्षकर्ता श्री सी० एन० जयदेवा) (7) श्रीमति सुभद्रा पत्नी स्व० श्री सी० एन० विजयदेवा (8) सी० एन० विश्वनाथन सुपुत्र स्व० सी० एन० नंजप्पा

(9) सी० एन० रवीन्द्र नाथ (अल्पवयस्क), प्रतिनिधि व रक्षकर्ता सी० एन० विश्वनाथ (10) सी० वी० विनोदा (11) सी० एन० गुरुनाथ सुपुत्र स्व० सी० एन० नंजप्पा (12) श्री मूलविका प्रतिनिधि व पिता रक्षकर्ता (13) श्री मालतेशा (14) कु० अनुपमा (15) सी० एन० चन्द्रमति सुपुत्री स्व० सी० एन० नंजप्पा नं० 18 (पुराना) नं० 46 (नया), अर्लीपेट भाष्यम रोड क्रास, गज्जे बाशेट्टी लेन, बंगलूर।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती जी० एम० सर्वमंगला पत्नी श्री एन० हनुप्पा सुपुत्री जी० पी० महादेवप्पा पुराना नं० 18 नया 46 अर्लीपेट, भाष्यम रोड क्रास गज्जे बाशेट्टी लेन, बंगलूर या नं० -1 सुब्रह्मण्य लेन, अर्लीपेट, बंगलूर सिटी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1458/75-76 ता० 3-7-75]

अवस्थान मकान सहित म्युनिसिपल नं० 18 (पुराना) नं० 46 (नया) अर्लीपेट, भाष्यम रोड क्रास, गज्जे बाशेट्टी लेन, बंगलूर (डिवीजन नं० 19) में स्थित।

अवस्थान क्षेत्रफल :—

पूर्व से पश्चिम : 75 फीट
उत्तर से दक्षिण : 37½ फीट } 512 वर्गफीट
गृह क्षेत्र 10½ स्कोयर्स
सीमाएं :—

पूर्व : श्री अन्नय्यप्पा का गृह।
पश्चिम : श्री सी० एन० रामप्पा का गृह।
उत्तर : सड़क।
दक्षिण : श्री नंजुण्डप्पा का अवस्थान

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 19 फरवरी, 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री गायत्रि चट्टोपाध्याय

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च 1976

निर्देश सं० टि०आर० -74/सि० -75/कल०-I/75-76—

यतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 12 है तथा जो सयकरपारा लेन में स्थित है और इससे उपाय अन्तःसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेन्ट प्रेस नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-7-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्री निखिल रन्जन वासु और कणिका घोष

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12, सायकरपारा लेन, कल० में अब स्थित, 2 कट्टा 7 छटोक 27 वर्गफीट, जमीन पर आंशिक तिन तल्ला और आंशिक दो तल्ला मकान।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I
54, रफीअहमद किववाई रोड,
कलकत्ता, -16

तारीख : 3 मार्च, 1976 ।
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च 1976

निदेश सं० टि०आर० -110/सि०-100/बाम्बे/75-76—

अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5/2 (आफिस नं० 2 सी) है तथा जो रासेल स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-7-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कमला आर आधवाणी (2) किरण जि० आधवाणी (3) सारली एस० आधवाणी (4) पारवती आर० आधवाणी (5) कमल डि० आधवाणी (6) जेथी जे० आधवाणी (7) कविता एस० कमलाणी (8) सरस्वती आर पुनवाणी (9) लीलन कुमार पुनवाणी (10) मोहन पी० हंगयानी वैस्टर्न ईस्टेट कारपोरेशन का सब-पार्टनरस हैं। (अन्तरक)

(2) श्री गोपिका रन्जन चक्रवर्ती। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5/2, रासेल स्ट्रीट, कल० में अवस्थित पूनाम बिल्लिडिंग का भीतर आफिस नं० 2सी०।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1

54, रफीअहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 3 मार्च, 1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(11) ए० बी० कनस्ट्रक्शन कम्पनी । (अन्तर्पू.)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ईला बनर्जी (2) इन्द्रजीत बनर्जी (3) सतुजीत बनर्जी । (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० टि० आर० III/सि०-123/कल०-1/75-76:—

अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 75 सी (प्लॉट नं० 1 बी) है तथा जो पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकांरी के कार्यालय, 5. गवर्नमेन्ट प्लेस नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29-7-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिये; और/या

अनुसूची

75 सी, पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित प्लॉट नं० 1 बी० ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1

54, रफीअहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3 मार्च, 1976 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च, 1976

निदेश सं० टि०-आर० 109/सि०-99/बम्बे/75-76—

अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 5/2 (प्लॉट नं० 6A) है तथा जो रासेल
स्ट्रीट कल० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बम्बे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तरीख 10-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती कमला आर० आधवाणी (2) किरण जी०
आधवाणी (3) सारली एस० आधवाणी (4)
पारवती आर० आधवाणी (5) कमल डी० आधवाणी
(6) जेयी जे० आधवाणी (7) कविता एस०
कमलानी ओयेस्टार्न ईस्टेट कारपोरेशन, का सब
पार्टनरस हैं। (अन्तरक)

(2) श्री जतन भण्डारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 6A 5/2, रासेल स्ट्रीट कल० पुणम बिल्डिंग
में 707 वर्ग फीट, स्पेस का फ्लोर।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

54, रफीग्रहभवन किरदारवाड़ी, रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 3 मार्च, 1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज - 1

कलकत्ता-16, दिनांक 3 मार्च 1976

निदेश सं० टि०-आर० 108/सि०-98/बम्बे/75-76 :—

अतः मूझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5/2 'प्लॉट न० 6' बी है तथा जो रासेल स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कमला आर० आधवाणी (2) किरण जी० आधवाणी (3) सराली एस० आधवाणी (4) पारवती आर० आधवाणी (5) कमल डी० आधवाणी (6) जेथी जे० आधवाणी (7) कविता एस० कामालानी (8) सरस्वती आर० पानवाणी (8) लिलन के० पानवाणी (10) मोहन पी० अनगियाणी वेस्टर्न ईस्टेट कारपोरेशन का सब पार्टनर हैं। (अन्तरक)

(2) श्री जतन भण्डारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5/2, आपिस नं० 6-ए रासेल स्ट्रीट, कलकत्ता में पुणाम बिल्डिंग में अब स्थित है जो 1258 वर्गफीट स्पेस है।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1

54, रफीअहमद क़िदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 3 मार्च, 76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I

कलकत्ता-16, दिनांक 4 मार्च 76

निदेश सं० टि० आर० 82/सि०-83/कल०-1/75-76—
अतः मूख्य, एस० के० चक्रवर्ती
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 67 बी है तथा जो श्री श्रीगोपाल मल्लिक
लेन स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्न-
मेन्ट प्रेस, नार्थ कल० में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 7-7-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिथों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चन्डी चरण पाईन । (अन्तरक)

(2) श्री सुणीति हाजरा । (अन्तरिती)

(3) श्री अमर रन्जन हाजरा (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

67 बी० श्रीगोपाल मल्लिक लेन कलकत्ता में अब स्थित
2 कट्टा जमीन पर स्ट्रूकचर ।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I

54, रफीअहमद कदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 4 मार्च 1976

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मार्च 1976

निदेश सं० IX/5/93 (जुलाई)/75-76:—यतः मुझे, जी०

रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 43 है, तथा जो सुन्दरराज पेरुमाल
कोईल, स्ट्रीट, मद्रास 82 में स्थित है (और इसमें से उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 2202)/75 में भारतीय रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री वी० बालगंगादर मद्रास-82 (अन्तरक)

(2) श्री वी० आर० मादवन मद्रास 82 (अन्तरिती)

(3) (1) एम० बलरामन, (2) आर० एनीराजूलु;
(3) वी० एस० रामगोपालन (4) के० एम०
राजन, (5) ई० पुरुषोत्तमन (6) टी० वी० तोतात्री
और (7) जनारदनन ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास 82 पेरावल्लूर, सुन्दरराज पेरुमाल कोईल स्ट्रीट
डोरसं० 43(आर०एस० 34/1, भाग 34/2ए,) में 2 आउन्ड
और 1964 स्कुर फीट की भूमि (मकान के साथ) ।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 15 मार्च, 1976 ।
मोहर :

सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान

(परीक्षा स्कंध)

ग्रेड II आशुलिपिक संमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1976

नई दिल्ली, दिनांक 27 मार्च, 1976

सं० 13/6/75-प्रबंध—केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा श्रेणी II भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिकों के सब-काउंटर की श्रेणी तथा सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी II में खस्थाई रिक्ति पर नियुक्त करने हेतु सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान (परीक्षा स्कंध), नई दिल्ली द्वारा 15 सितम्बर, 1976 को बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर, तथा विदेश स्थिति कुछ चुने हुए भारतीय दूतावासों में एक प्रतियोगितात्मक परीक्षा ली जाएगी।

2. पात्रता की शर्तें ऊपर लिखित सेवाओं में से किसी एक का स्थाई अथवा नियमित रूप से लगा हुआ अस्थाई श्रेणी III आशुलिपिक हो जो निम्नलिखित शर्तें पूरी करता हो :—

(क) सेवा अवधि : 1 जनवरी, 1976 को श्रेणी III आशुलिपिक के पद पर तीन वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा से कम न हो।

(ख) आयु : 1 जनवरी, 1976 को 45 वर्ष से अधिक न हो। अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों और कुछ अन्य निर्धारित वर्गों के लिए ऊपरी आयु सीमा में छूट होगी।

(ग) आशुलिपि परीक्षा : सम्बन्धित सेवा के श्रेणी III में पुष्टिकरण अथवा पद पर बने रहने के उद्देश्य के लिए संस्थान की आशुलिपि परीक्षा इस परीक्षा की अधिसूचना की तारीख तक अथवा उससे पहले पास कर चुका होना चाहिए जब तक कि उसे ऐसी छूट प्राप्त न हो।

3. शुल्क : 12.00 रुपये (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के लिए 3.00 रुपये)

4. पूरे विवरण तथा आवेदन पत्र सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध, संस्थान (परीक्षा स्कंध) पश्चिमी खण्ड, 1, रामा कृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को 1.00 रुपया (रजिस्ट्री डाक द्वारा आवेदन पत्र मंगवाने के लिए 2.00 रुपये) के रेखित (प्राप्तकर्ता लेखा) भारतीय पोस्टल आर्डर जो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध स्थान (परीक्षा स्कंध) रामकृष्णपुरम, (वितरण) डाकघर, नई दिल्ली पर देय हो, भेज कर अथवा स्थान के विक्री काउंटर पर नकद भुगतान करके प्राप्त कर सकते हैं।

5. भरे हुए आवेदन पत्र संस्थान को 12 मई, 1976 (26 मई, 1976 विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में तथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए) तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए।

मदन लाल,
निदेशक (परीक्षा)

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

भारतीय प्रशासन सेवा आवेदन परीक्षा, 1976

नई दिल्ली, दिनांक 27 मार्च 1976

सं० एफ० 1/17/75-ई०-1 (बी०)—भारत के राजपद दिनांक 27 मार्च, 1976 में मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवा वर्गों में भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, दिल्ली, विसाखा (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, शिमला, शिमला, श्रीनगर, त्रिवेन्द्रम तथा लंबन में 24 सितम्बर, 1976 से एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश-प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा (देखिए उपाखण्ड II का पैरा 10)।

2 इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं/पदों के वर्गों में भर्ती की जानी है उनके नाम और भिन्न सेवाओं/पदों की रिक्तियों की अनुमानित संख्या इस प्रकार है :—

प्रवर्ग— I

- (i) भारतीय प्रशासन सेवा 130**
Indian Administrative Service
तथा (ii) भारतीय विदेश सेवा
and (ii) The Indian Foreign Service

10 (अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए 2 आरक्षित रिक्तियाँ सम्मिलित हैं)।

प्रवर्ग— II

- (i) भारतीय पुलिस सेवा 80**
Indian Police Service
(ii) दिल्ली तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा, वर्ग ख
Delhi and Andaman & Nicobar Islands Police Service, Group B

5 (अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित एक रिक्ति सम्मिलित है)।

तथा	जन जातियों के
(iii) रेल सुरक्षा दल में सहायक	उम्मीदवारों के लिए
सुरक्षा अधिकारी/सहायक	2अरक्षित रिक्तियां
कमांडेंट/एडजुटेंट वर्ग-ख के	सम्मिलित है)।
पद 4**	
Post of Assistants Security Officer/ Assistant Commandant/Adjutant Group 'B' in the Railway Protec- tion Force	(vii) भारतीय डाक सेवा 10** Indian Postal Service
प्रवर्ग—III	(viii) भारतीय रेल लेखा सेवा 15** Indian Railway Accounts Service
(क) वर्ग 'क' की सेवाएं :—	(ix) भारतीय रेल याता- यात सेवा, तथा 20** Indian Railway Traffic Service
(i) भारतीय डाक-सार लेखा तथा वित्त सेवा 6** Indian P & T Account and Finance Service	(x) सैन्य भूमि तथा छावनी सेवा, वर्ग-क 1 (अनारक्षित)। Military Lands and Cantonments Service Group A
(ii) भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा सेवा 12** Indian Audit and Account Service	(ख) वर्ग-ख की सेवाएं :—
(iii) भारतीय सीमा-शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क सेवा 35** Indian Customs and Central Excise Service	(i) केन्द्रीय सचिवालय सेवा, अनुभाग अधि- कारी ग्रेड वर्ग-ख 25** Central Secretariat Service, Section Officer Grade Group-B
(iv) भारतीय रक्षा लेखा सेवा Indian Defence Accounts Service	(ii) भारतीय विदेश सेवा, शाखा (ख) सामान्य संवर्ग (अनुभाग अधिकारी ग्रेड) का समेकित ग्रेड II तथा III Indian Foreign Service Branch B Integrated Grade II & III of the General Cadre (Section Officer Grade)
10 (अनुसूचित जा- तियों के उम्मीद- वारों के लिए 2 अरक्षित रिक्तियां सम्मिलित है)।	10 (अनुसूचित जा- तियों के उम्मीद- वारों के लिए एक और अनुसूचित जातियों के उम्मीद- वारों के लिए एक अरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।
(v) भारतीय आयकर सेवा (वर्ग-क) Indian Income-Tax Service (Group A)	
80 (अनुसूचित जा- तियों के उम्मीद- वारों के लिए 12 तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए 6 अरक्षित रि- क्तियां सम्मिलित है)।	
(vi) भारतीय आयुध कार- खाना सेवा, वर्ग-क (सहायक प्रबन्धक गैर-तकनीकी) Indian Ordnance Factories Service Group A (Assistant Manager Non- Technical)	(iii) सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा, सहायक सिविलियन स्टाफ अधिकारी ग्रेड, वर्ग-ख Armed Forces Headquarters Civil Service, Assistants Civilian Staff Officer Grade Group-B
12 (अनुसूचित जा- तियों के उम्मीद- वारों के लिए 3 और अनुसूचित	

A

12 (अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए 2 तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए 1 आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।

(iv) सीमा-शुल्क मूल्य निरूपक (एप्रेज़र)

सेवा, वर्ग-ख 15**
Custom Appraisers Service, Gr. B

और

(v) दिल्ली और अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह सिविल सेवा वर्ग-ख

Delhi and Andaman & Nicobar Islands Civil Service Group-B

5 (अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित एक रिक्ति सम्मिलित है)।

*रिक्तियाँ सरकार द्वारा सूचित नहीं की गईं।

**अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियाँ यदि कोई होंगी, तो उनकी संख्या सरकार द्वारा निश्चित की जाएगी।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

यदि केन्द्रीय सरकार के अधीन निम्नलिखित सेवाओं में रिक्तियों की उपलब्धता आयोग को समय पर सूचित कर दी गई तो, वर्ग II/वर्ग III की सेवाओं के लिए परीक्षा में सफल होने वाले उम्मीदवारों पर निम्नलिखित सेवाओं के लिए भी विचार किया जा सकता है :—

- (i) गोवा, दमन तथा दियु सिविल सेवा, वर्ग-‘ख’
- (ii) गोवा, दमन तथा दियु पुलिस सेवा, वर्ग-‘ख’
- (iii) पांडिचेरी सिविल सेवा, वर्ग-‘ख’
- (iv) पांडिचेरी पुलिस सेवा, वर्ग-‘ख’ और
- (v) रेल बोर्ड सचिवालय सेवा (अनुभाग अधिकारी ग्रेड) वर्ग-‘ख’

3. उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सेवा वर्गों में से किसी एक अथवा अधिक के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। एक बार आवेदन-पत्र भेजे जाने के बाद सामान्यतः किसी प्रकार के परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवा-वर्गों के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। उपाबन्ध-I में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक बार देना होगा, उस प्रत्येक सेवा-वर्ग के लिए अलग-अलग नहीं जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

ध्यान दें—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों में यह सपष्ट रूप से बतलाना होगा कि वे संबद्ध वर्ग/वर्गों में से किन-किन सेवाओं के लिए बरीयता क्रम में उम्मीदवार बनना चाहते हैं। उन्हें सलाह दी जाती है कि वे जितनी चाहें उतनी बरीयताओं का उल्लेख करें ताकि, योग्यता क्रम में उनके स्थान को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उनकी बरीयताओं पर भली भाँति विचार किया जा सके।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-(110011) को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण दो रूपए देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-(110011) को मनीआर्डर द्वारा या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रूपए की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र भारतीय प्रशासन सेवा आदि परीक्षा, 1976 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। भारतीय प्रशासन सेवा आदि परीक्षा, 1976 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों के इतर प्रपत्रों पर प्रस्तुत आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 17 मई 1976 (17 मई, 1976 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 31 मई, 1976) तक या उससे पूर्व अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

6. उक्त परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को उपाबन्ध I में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निर्दिष्ट रीति से अवश्य करें।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो उपाबन्ध I के पैरा 2 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

7. यदि कोई उम्मीदवार, 1975 में ली गई भारतीय प्रशासन सेवा आदि परीक्षा में बैठा हो और अब इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करना चाहता हो, तो उसे परीक्षाफल या नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना ही अपना आवेदन-पत्र अवश्य भेज देना चाहिए ताकि वह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए। यदि वह 1975 में ली गई परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति हेतु अनुसंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर 1976 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उपाबन्ध I के पैरा 3 के अनुसार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता बशर्ते कि उम्मीदवारी रद्द करने और शुल्क वापस करने का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 31 जुलाई, 1976 को या उससे पहले प्राप्त हो जाता है।

8. उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबंध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

अशोक चन्द्र बंडोपाध्याय,
सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

उपाबन्ध-I

1. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में रु० 80.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 20.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल ऑर्डर या स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली में देय बैंक ड्राफ्ट द्वारा भुगतान करें।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़कर जो आवेदन-पत्र भेजते समय विदेशों में रह रहे हों, अन्य विधि से किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा। विदेशों में रह रहे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क को संबंध भारतीय मिशनों में जमा कर सकते हैं।

2. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964, को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से प्रजनन कर भारत आया हुआ वास्तविक व्यक्ति है, या वह बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

3. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो उसे रु० 54.00 (अनुसूचित जातियों और अनुचित

जन जातियों के मामले में रु० 14.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त व्यवस्था और नोटिस के पैरा 7 में उल्लिखित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क की किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

उपाबन्ध-II

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. इस नोटिस के पैरा 4 में उल्लिखित रीति के अनुसार इस परीक्षा से संबंध नोटिस, नियमावली, आवेदन-पत्र तथा अन्य कागज-पत्र संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-पत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक हो, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबंध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. (i) उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

(ii) भरा हुआ आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को इस तरह भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

आयोग, यदि चाहे तो, विदेश में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 17 मई, 1976 से पहले की किसी तारीख से विदेश या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में रह रहा था।

जो व्यक्ति पहले ही सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर निर्माण प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से कार्य कर रहे हैं, उन्हें अपने आवेदन-पत्र संबंध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजने चाहिए जो आवेदन-पत्र के अन्त में दिए गए पृष्ठांकन को भर कर उन्हें आयोग को भेज देगा। ऐसे उम्मीदवारों को अपने ही हित में अपने आवेदन-पत्र की अग्रिम प्रतियाँ सीधे आयोग को भेज देनी चाहिए। यदि इनके साथ निर्धारित शुल्क प्राप्त होता है तो इन पर अंतिम रूप से

विचार कर लिया जाएगा। किन्तु मूल आवेदन-पत्र सामान्यतः अंतिम तारीख के बाद पन्द्रह दिन के अन्दर आयोग के पास पहुँच जाना चाहिए। किन्तु सरकारी सेवा में पहले से ही लगा कोई व्यक्ति यदि अपने आवेदन-पत्र की अभिप्रमाणित प्रतिलिपि शूलक के साथ प्रस्तुत नहीं करता है या उसके द्वारा प्रस्तुत की गई अभिप्रमाणित प्रतिलिपि आयोग के कार्यालय में अंतिम तारीख को या उससे पहले प्राप्त नहीं होती है तो विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष के माध्यम से उसके द्वारा प्रस्तुत किए गए उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा जो आयोग के कार्यालय में अंतिम तारीख के बाद प्राप्त होता है।

गैर-सरकारी नौकरी में या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उद्यमों या इस प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले दूसरे सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिए जा सकते हैं। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुँचता है तो भी उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवश्य भेजने चाहिए :—

- (i) निर्धारित शूलक के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट (देखिए उपाबन्ध I)।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. × 7 सें. मी.) के फोटो की पांच एक जैसी प्रतियाँ।
- (v) जहाँ लागू हो वहाँ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (vi) जहाँ लागू हो वहाँ आयु/शूलक में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।

नोट — उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त सब (ii), (iii), (v) तथा (vi) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियाँ ही प्रस्तुत करनी हों जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सहो प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियाँ प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के फरवरी, 1977 के महीने में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को तैयार रखना चाहिए और लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के

तुरन्त बाद आयोग को भेज देना चाहिए। जो उम्मीदवार अपेक्षित मूल प्रमाण-पत्र मांगे जाने पर उस समय नहीं भेजेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और ये उम्मीदवार आगे विचार किए जाने का कोई दावा नहीं कर सकेंगे।

मद (i) से (iv) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (v) और (vi) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4 और 5 में दिए गए हैं :—

(I) (क) निर्धारित शूलक के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर :—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किया जाए



तथा इस प्रकार भरा जाए : Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

किसी अन्य डाक घर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शूलक के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट :—

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया की किसी शाखा से लिया जाना चाहिए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, पालियामेट स्ट्रीट, नई-दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत् रेखांकित होना चाहिए।

किसी अन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नोट :—जो उम्मीदवार अपने आवेदन-पत्र भेजते समय विदेशों में रह रहे हों, वे निर्धारित शूलक की राशि (रु० 80.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 20.00 के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि, जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में जमा करवाएं और

उन से कहें कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष "051 Public Service Commission Examination Fees" में जमा करवा दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजें।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र :—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मेट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मेट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा धारित मेट्रिकुलेटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धारण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हेडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहाँ से वह मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ है। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के बाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मेट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

नोट 1—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण पत्र हो, उसे केवल आयु से संबंध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2 :—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी बात की परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र :—उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य

भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 8 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्व-विद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबंध अपने दावे के समर्थन में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस साख्य पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

नोट :—जो उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठे हों जिसमें उत्तीर्ण होने पर वे आयोग की इस परीक्षा में बैठने के लिए शैक्षिक योग्यता प्राप्त कर लेंगे किन्तु उन्हें परिणाम की सूचना नहीं मिली है और जो उम्मीदवार ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का इरादा रखते हैं वे आयोग की इस परीक्षा में प्रवेश पाने के पात्र नहीं होंगे।

(iv) फोटो की पांच प्रतियाँ :—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पास पोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की पांच एक जैसी प्रतियाँ अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-प्रपत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और शेष चार प्रतियाँ आवेदन-प्रपत्र के साथ अच्छी तरह नट्थी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3 (ii), 3 (iii), और 3 (iv) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रलेख आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हो तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे हर हालत में आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख से एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिसे संबंध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम प्राधिकारी के रूप में पदनामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और

पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से ग्राम तोर पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पक्षों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*.....
.....सुपुत्र/सुपुत्री* श्री.....
.....जो गांव/कस्बा*.....
.....जिला/मंडल*.....
राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र.....के/
की* निवासी हैं.....
.....जाति/जन* जाति के/की* हैं जिसे
निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित* जन जाति
के रूप में मान्यता दी गई है :—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950।*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950।*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश,

1951।*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश,

1951।*

(अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई, पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन), अधिनियम, 1971 द्वारा यथा संशोधित)।

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश,

1956।*

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन

जातियां आदेश, 1959।*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश,

1962।*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश,

1962।*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964।*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश,
1967।*

संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूचित जातियां आदेश,
1968।*

संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूचित जन जातियां
आदेश, 1968।*

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970।*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी*.....
और/या *उनका परिवार ग्राम तोर से गांव/कस्बा*.....
.....जिला/मंडल*.....राज्य/
संघ* राज्य क्षेत्र.....में रहते/
रहती* हैं।

हस्ताक्षर.....

**पदनाम.....

(कार्यालय की मोहर सहित)

स्थान.....

तारीख.....राज्य/संघ*राज्य क्षेत्र

*जो शब्द लागू न हों, उन्हें कृपया काट दें।

नोट :—यहां “ग्राम तोर से रहते/रहती हैं” शब्दों का अर्थ वही होगा जो रिप्रेजेंटेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950 की धारा 20 में है।

**जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलेक्टर/डिप्टी कमिशनर/ऐडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टार्डपैंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर।

† (प्रथम श्रेणी के स्टार्डपैंडरी मैजिस्ट्रेट के औहदे से कम नहीं)।

(ii) चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/ऐडीशनल चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रैवेन्यू अफसर जिसका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और या उसका परिवार ग्राम तोर से रहता हो।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डवलपमेंट अफसर, लक्षद्वीप।

5. (i):—नियम 7 (ख) (ii) या 7 (ख) (iii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले भूत-पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रजनन कर भारत आया है :—

- (1) दंडकारण्य परियोजना के ट्राजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों के कैंप कमांडेंट ।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट, जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है ।
- (3) अपने-अपने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट ।
- (4) स्वयं प्रभारित सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर ।
- (5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता ।

यदि वह उपाबन्ध I के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क से छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है ।

(ii) नियम 7 (ख) (iv) अथवा 7 (ख) (v) के अन्तर्गत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964, के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है ।

यदि वह उपाबन्ध I के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है ।

(iii) नियम 7 (ख) (vi) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया से आए हुए उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है ।

(iv) नियम 7 (ख) (vii) अथवा 8 (ख) (viii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास,

रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे, जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है ।

यदि वह उपाबन्ध I के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है ।

(v) नियम 7 (ख) (ix) अथवा 7 (ख) (x) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विक्लांग हुआ है, महानिदेशक पुनःस्थापन, रक्षा मंत्रालय, से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विक्लांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट.....के
रैंक नं०.....श्री.....रक्षा
सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/
अशांतिग्रस्त* क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विक्लांग हुए और
उस विक्लांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए ।

हस्ताक्षर.....
पदनाम
दिनांक

*जो शब्द लागू न हो, उसे कृपया काट दें ।

(vi) नियम 7 (ख) (xi) अथवा 7 (ख) (xii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विक्लांग हुआ है महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विक्लांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट.....के
रैंक नं०.....सीमा
सुरक्षा दल में कार्य करते हुए सन् 1971 के भारत-पाक शत्रुता

संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणाम-स्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर.....
पदनाम.....
तारीख.....

6. जिस व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, उसे अभीष्ट पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार, के मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) को आवेदन करना चाहिए।

7. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा ब्योरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें, न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेरबदल करें और न ही फेर-बदल किए गए/झूठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

8. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र, पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

9. यदि परीक्षा से संबद्ध आवेदन-पत्रों की प्राप्ति की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए।

10. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया, तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

11. पिछली पांच परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न-पत्रों से संबद्ध पुस्तिकाओं तथा पिछले वर्षों में ली गई परीक्षाओं के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर "व्यक्तित्व परीक्षा" हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाए गए उम्मीदवारों को दिए गए विस्तृत अंकों से संबद्ध पुस्तिकाओं की प्रतियों की बिक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110006 के द्वारा होती है और उन्हें वहां से मेल आर्डर द्वारा सीधे अथवा नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग 'सी०' ब्लॉक, बाबा खड़गसिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 (ii) प्रकाशन शाखा, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और कार्यालय, संघ लोक सेवा आयोग धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 का बिक्री काउन्टर और (iii) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8, के० एस० राय रोड कलकत्ता-1, से भी केवल नकद भुगतान करके खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफत्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

12. आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र-व्यवहार :—आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 से किया जाए तथा उसमें नीचे लिखा ब्योरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

- (1) परीक्षा का नाम
- (2) परीक्षा का महीना और वर्ष
- () उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जन्म-तिथि, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
- (5) आवेदन-पत्र में दिया गया डाक का पता

ध्यान दें :—जिन पत्रों में यह ब्योरा नहीं होगा, संभव है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

13. पत्रों में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पत्र पर भेजे गए पत्र आदि, आश्रय होने पर, उसको बदले हुए पत्र पर भिन्न जाया करें। पत्र में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 12 में उल्लिखित ब्योरे के साथ, यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है, किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं कर सकता।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 26th February 1976

No. F.2/76-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to confirm Shri S. K. Gupta, Officiating Registrar, as Registrar, Supreme Court of India with effect from 1 March 1976.

R. SUBBA RAO
Deputy Registrar (Admn.)

New Delhi the 24th February 1976

No. F.6/76-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri Manohar Lal, Assistant as officiating Section Officer with effect from 1—516G/75

to 31 March 1976 vice Shri G. G. Awasthi, Section Officer granted leave.

MAHESH PRASAD
Assistant Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 27th February 1976

No. A.32014/1/75-Admn.III.—In partial modification of this office notification of even number dated the 12th January, 1976, the President is pleased to appoint Shri S. D. Sharma, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service in the same cadre for a further period from 1-1-1976 to 28-2-1976 or until further orders, whichever is earlier.

The 1st March 1976

No. A.32014/2/75-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated the 1st April, 1975, the President is pleased to appoint, under proviso to rule 10 of the C.S.S. Rules, 1962, Shri M. A. Ganapathy Ram, a permanent officer of the Selection Grade of the Central Secretariat Stenographers' Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission for a further period of two months from 1st March, 1976 to 30th April, 1976, or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 23rd February 1976

No. PF/B-99/69-AD.I.—Shri B. R. Jadhav, Inspector of Police C.B.I. Bombay Branch, on deputation from Bombay Police proceeded on leave Preparatory to retirement for 31 days with effect from 1-1-76 to 31-1-76. After the expiry of L.P.R., Shri Jadhav retired from service on superannuation.

The February 1976

No. D-8/74-AD-V.—Consequent on his repatriation to his parent State of Punjab Shri D. P. Madhok, Deputy Supt. of Police, Central Bureau of Investigation relinquished charge of the office of Deputy Supt. of Police, Central Bureau of Investigation, Simla Unit, Ambala Branch on the afternoon of 11-2-76.

G. L. AGARWAL
Administrative Officer (E)
CBI

CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY

New Delhi-110022 the 25th February 1976

No. 1-20/75-CFSL/1218.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri G. D. Gupta, Junior Scientific Officer (*Ad-hoc*), Central Forensic Science Laboratory, CBI, New Delhi as Junior Scientific Officer (Biology) in the Central Forensic Science Laboratory, Central Bureau of Investigation, New Delhi with effect from 10th February, 1976 (forenoon) in a temporary capacity until further orders.

G. L. AGARWAL
Administrative Officer (E)/C.B.I.
for Director, CBI, New Delhi.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DTE. GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110001, the 26th February 1976

No. F.3/22/74-Estt(CRPF).—The President is pleased to appoint on promotion on *ad-hoc* basis, Shri R. N. Rao, Assistant Commandant, as Commandant in the Central Reserve Police Force with effect from the afternoon of 15th January, 1976 until further orders.

No. T. IX.-4/76-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion, the following subedars as Dy. SsP (Coy. Comdr./QM) in the CRPF with effect from the dates noted against each in a temporary capacity against short term vacancies until further orders.

2. They took over charge of the posts in the Signals Bns on the dates noted against each :—

S.No.	Name of officer	Bn. to which posted	Date of taking over charge on promotion
1	2	3	4
1.	Shri Faquir Mohammed	1st Sig Bn	29-12-75 FN
2.	Shri Santokh Singh	3rd Sig Bn	22-12-75 FN
3.	Shri Kewal Krishan	2nd Sig Bn	16-12-75 FN
4.	Shri Kanwar Singh	3rd Sig Bn	17-12-75 FN
5.	Shri Khushi Ram	1st Sig Bn	19-12-75 FN

The 27th February 1976

No. P.VII-4/75-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion, Shri K. N. Kaul of CRPF to the post of Dy. SP (Company Commander/Quarter Master) in a temporary capacity until further orders.

2. He took over charge of the post in 26th Bn CRPF on the forenoon of 8th February 1976.

The 1st March 1976

No. O.II-723/69-Estt(CRPF).—The President is pleased to appoint on promotion on *ad-hoc* basis, Dr. S. Vijaya Kumar, GDO Gd. II as GDO Gd. I in the CRPF till further orders.

2. He handed over charge of the post of GDO Gd. II 2nd Base Hospital CRPF, Hyderabad on the forenoon of 18th February, 1976 and took over charge of the post of GDO Gd. I 2nd Base Hospital, CRPF, Hyderabad on the forenoon of 18th February 1976.

No. O.II-639/70-Estt.—The services of Shri S. C. Chawla, Dy. SP, CRPF, are placed at the disposal of Cabinet Secretariat, Govt. of India w.e.f. 31-12-1975 (AN).

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the March 1976

No. P/K(1)-Ad.I.—In continuation of this office notification No. P/K(1)-Ad.I dated 14th August, 1975, the President is pleased to continue the re-employment of Shri H. S. Kwatra as Deputy Director of Census Operations, Punjab for a further period of six months with effect from 1st March 1976.

BADRI NATH
Deputy Registrar General, India &
ex-officio Deputy Secretary

S.V.P. NATIONAL POLICE ACADEMY

Hyderabad, the 26th February 1976

No. 41/14/75-Estt.—On transfer from the I.P.S. cadre of Karnataka, Shri C. Dinakar I.P.S. (1963-Karnataka) assumed charge of the post of Assistant Director, in the Sardar Vallabhbhai Patel National Police Academy, Hyderabad, with effect from the afternoon of 20th February, 1976.

MAHMOOD BIN MUHAMMAD
Dy. Director (TRG)

Hyderabad, the 27th February 1976

No. 41/3/72-Estt.—Shri A. N. Saigal, Senior Prosecutor of Delhi Administration relinquished charge of the post of Law Instructor in the S.V.P. National Police Academy, Hyderabad, in the afternoon of 20th February, 1976.

MAHMOOD BIN MUHAMMAD
Deputy Director (A)

MINISTRY OF FINANCE
DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS
BANK NOTE PRESS DEWAS (M.P.)

Dewas, the 24th February 1976

No. BNP/E/Spl/36.—The appointment on deputation of Shri N. C. SENGUPTA, permanent Inspector Control in the India Security Press, Nasik Road as Dy. Control Officer in the Bank Note Press, Dewas is continued on regular basis with effect from 1-3-76 (FN) to 30-4-1976 (AN).

D. C. MUKHERJEA
General Manager

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 20th/28th February 1976

No. Admn.I/O.O. No. 965/5-8/70-76/4019.—The Accountant General has ordered under 2nd proviso to F.R. 30 (1) proforma promotion of Shri B. K. Sharma, Section Officer to the Grade of Accounts Officer in the Time Scale of Rs. 840-1200 w.e.f. 13-11-1975 (F.N.).

New Delhi, the 25th/28th February 1976

No. Admn.I/O.O. No. 980/5-5/Promotion/74-75/4071.—The Accountant General, Central Revenues, has appointed Shri R. N. Mehra a permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer in the time scale of Rs. 840-1200 w.e.f. 24-2-1976 (F.N.) until further orders.

H. S. DUGGAL
Sr. Dy. Acctt. General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ORISSA

Bhubaneswar, the 23rd July 1974

No. O.O.C.-341.—On attaining the age of superannuation Shri H. S. Mukherjee, a permanent Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Orissa is allowed to retire from service with effect from 31-7-74 (A.N.).

The 3rd July 1975

No. O.O.C.393.—On attaining the age of superannuation Shri M. N. Huda a temporary Accounts Officer of the office of the Accountant General, Orissa is allowed to retire from service with effect from 30-6-1975 (Afternoon).

The 19th July 1975

No. O.O.C.463.—The Accountant General has been pleased to appoint Sri D. P. Jagat Deo, permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer with effect from 19-7-75 (F.N.).

No. O.O.C.464.—The Accountant General has been pleased to grant Proforma Promotion (Officiating) to Shri S. Seshadri, permanent Section Officer of this office to the cadre of Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- with effect from 19-7-75 until further orders.

The 1st August 1975

No. O.O.C.519.—The Accountant General, Orissa has been pleased to appoint Sri K. V. Ramana, permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer with effect from 26-7-75 (F.N.) until further orders.

The 30th August 1975

No. O.O.C.-651.—The Accountant General, Orissa has been pleased to grant proforma promotion (officiating) to Shri P. C. Majumdar, a permanent Section Officer of this office now on deputation to Calcutta Metropolitan Development Authority, Calcutta to the cadre of Accounts Officer with effect from 5-10-74 (AN) in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200.

The 13th November 1975

No. O.O.C.-986.—The Accountant General, Orissa has been pleased to promote Shri Niranjan Chakravarty, a permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer with effect from 10-11-75 (F.N.).

V. S. BHARDWAJ
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
UTTAR PRADESH

Allahabad, the 24th/26th February 1976

No. Admn.I/C-7-A-59/5232.—Shri Kailash Narain, S. G. Auditor, was charge-sheeted for misconduct vide Memo No. Admn.I/C-7-A-59/6992 dated 17-1-73. The charges were inquired into by an Inquiry Officer and a show cause notice was issued to him per Regd. post vide Memo No. Admn.I/C-7-A-59/1182 dated 10-6-75 to show cause as to why punishment of dismissal from service be not imposed on him. This notice sent at the last known address had been received back undelivered. The undersigned in exercise of the powers conferred on him, therefore, imposed the punishment of dismissal from service on the said Shri Kailash Narain vide Memo No. I/C-7-A-59/4403 dated 8-1-76, which was also sent per registered post. This too has been received back undelivered.

The undersigned accordingly hereby gives notice that the said Shri Kailash Narain shall stand dismissed from Govt. Service with effect from the date this notice is published in the Gazette.

D. JERATH
Accountant General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, GUJARAT

Ahmedabad-380 001, the 27th February 1976

No. Estt(A)/GO/2(168)/4689.—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint Shri A. S. Jayaraman, permanent members of the Subordinate Accounts Service; to officiate as Accounts Officer in the office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad with effect from the forenoon of 6th February, 1976 until further orders.

K. H. CHHAYA
Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
COMMERCE WORKS & MISC.

New Delhi, the 17th February 1976

No. Admn.I/2(4)/V/12165-70.—The Accountant General, Commerce, Works & Miscellaneous, New Delhi has been pleased to promote on temporary and provisional basis the following Section Officers as Accounts Officers in the office of the Accountant General, Commerce, Works & Misc., New Delhi from the dates noted against each until further orders.

- (1) Shri B. S. Kaushal—29-1-76 (F.N.)
- (2) Shri S. L. Talwar—29-1-76 (F.N.)
- (3) Shri S. S. Batra—29-1-76 (F.N.)
- (4) Shri Ram Parsad—5-2-76 (F.N.)

B. B. DEB ROY
Sr. Dy. Acctt. General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

Office of the Controller General of Defence Accounts

New Delhi, the 27th February 1976

No. 40011(1)/76/AN-A.—The Controller General of Defence Accounts, hereby appoints the undermentioned Permanent Section Officers (Accounts) as Accounts Officers in an officiating capacity with effect from the dates noted against each until further orders.

Sl. No.	Name	Organisation in which serving	Date
1	2	3	4
1.	Shri Dularey Lal Kanojia	Controller of Defence Accounts, Patna.	1-10-74 (FN)

1	2	3	4	1	2	3	4
	Sarvashri				Sarvashri		
2.	Chandra Bhan Vidyarthi	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) —North, Meerut.	16-12-74 (FN)	27.	P.S. Kochhar	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.	23-12-75 (FN)
3.	Gopi Chand Tandon	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	21-5-75 (FN)	28.	Rajinder Singh Ahluwalia	Controller of Defence Accounts Central Command, Meerut.	31-12-75 (FN)
4.	Amrit Bhusan Malik	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun.	26-6-75 (FN)	29.	Gopal Narain Bhatia	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun.	23-12-75 (FN)
5.	Sri Ram Gulati	Controller of Defence Accounts, Northern Command, Jammu.	7-7-75 (FN)	30.	Om Prakash Ghai	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun.	23-12-75 (FN)
6.	Ram Rang Batra	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.	20-8-75 (FN)	31.	Bidhu Ram Kharwal	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun.	23-12-75 (FN)
7.	Gurcharan Singh	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.	9-9-75 (FN)	32.	N. C. Kashyap	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.	23-12-75 (FN)
8.	Govind Sahai	Controller of Defence Accounts, Patna.	21-8-75 (FN)	33.	Shanti Sarup Sharma	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.	23-12-75 (FN)
9.	Diwana Ram Dhiman	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun.	11-9-75 (FN)	34.	Manohar Lal	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.	23-12-75 (FN)
10.	Satish Chandra	Controller of Defence Accounts, Patna.	23-9-75 (FN)	35.	R. P. Bhardwaj	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.	23-12-75 (FN)
11.	Ram Rattan	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) —South, Madras.	11-9-75 (FN)	36.	S. N. Basu	Controller of Defence Accounts, Patna.	14-1-76 (FN)
12.	V. N. Ram	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) —South, Madras.	6-11-75 (AN)	37.	P. K. Mukherjee	Controller of Defence Accounts, Patna.	14-1-76 (FN)
13.	A. Subramania Iyer	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.	8-1-76 (FN)	38.	Abdul Wajid	Controller of Defence Accounts, Patna.	23-12-75 (FN)
14.	Laxman Joseph Chelliah	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.	29-12-75 (FN)	39.	Dharam Dev Handa	Controller of Defence Accounts, Patna.	23-12-75 (FN)
15.	Bhagat Ram Gupta	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.	26-12-75 (FN)	40.	S. K. Soni	Controller of Defence Accounts, Patna.	23-12-75 (FN)
16.	Ajit Kumar Basu	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	23-12-75 (FN)	41.	Vidya Sagar Trikha	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.	12-1-76 (FN)
17.	M. N. Bose	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	23-12-75 (FN)	42.	R. N. Upadhyaya	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) —North, Meerut.	23-12-75 (FN)
18.	B. L. Sharma	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	23-12-75 (FN)	43.	Bhagwat Parshad Sharma	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) —North, Meerut.	23-12-75 (FN)
19.	A. V. Phapunkar	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	23-12-75 (FN)	44.	Lachman Dass	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.	23-1-76 (FN)
20.	M. L. Dhar	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	23-12-75 (FN)	45.	Pritam Singh Bewaja	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.	23-12-75 (FN)
21.	Satyendra Prasad Sen Gupta	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	23-12-75 (FN)	46.	H. C. Das	Controller of Defence Accounts, Patna.	13-1-76 (FN)
22.	A. R. Ghosh	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	23-12-75 (FN)	47.	Madan Gopal Suri	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.	23-12-75 (FN)
23.	K. R. Sharma	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.	29-12-75 (FN)	48.	M. V. Mandavagane	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.	29-12-75 (FN)
24.	N. S. Ramaswamy	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.	23-12-75 (FN)	49.	Sohan Lal Kapur	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.	20-1-76 (FN)
25.	Girdhari Lal Mittal	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.	23-12-75 (FN)	50.	Anand Ram Khanna	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.	23-12-75 (FN)
26.	P. R. Malhotra	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.	23-12-75 (FN)	51.	K. Narayana Rao	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.	23-1-75 (FN2)
				52.	A. K. Sawargaonkar	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona	23-12-75 (FN)
				53.	Naurang Lal Gupta	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) —North, Meerut.	22-1-75 (FN)
				54.	J. R. Bali	Controller of Defence Accounts (Officer), Poona	21-1-76 (FN)

1	2	3	4
Sarvashri			
55. S. L. Tiwari	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun.	30-12-75 (FN)	
56. Ramji Das Kapur	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) —South, Madras.	12-1-76 (FN)	
57. Sushil Kumar Ganguly	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	12-1-76 (FN)	
58. Ajit Kumar Sen	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	27-1-76 (FN)	
59. Braham Dutt	Controller of Defence Accounts, Patna.	31-1-76 (FN)	
60. C. R. Sen Gupta	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	3-2-76 (FN)	
61. P. O. Phillip	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) —South, Madras.	31-1-76 (FN)	
62. G. C. Srivastava	Controller Defence of Accounts (Officers), Poona.	28-1-76 (FN)	
63. R. Deva Rajan	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.	3-2-76 (FN)	
64. S. P. Handa	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) —North, Meerut.	17-1-76 (FN)	
65. Ratlan Lal Sharma	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.	19-1-76 (FN)	
66. Kasturi Lal	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.	20-1-76 (FN)	
67. Ram Singh Rooprow.	Controller of Defence Accounts, Northern Command, Jammu.	28-1-76 (FN)	
68. Madan Lal Chibber	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.	17-1-76 (FN)	
69. M. Kandaswamy	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.	23-1-76 (FN)	
70. Sudhir Kumar Pathak	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun.	3-2-76 (FN)	
71. P. Satyanarayana Rao	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.	2-2-76 (FN)	
72. E. M. Warrior	Controller of Defence Accounts (Navy), Bombay	3-2-76 (FN)	
73. Inder Lal Mehta	Controller of Defence Accounts, (Pensions), Allahabad.	3-2-76 (FN)	
74. K. K. Neelakantan	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) —South, Madras.	2-2-76 (FN)	
75. V.K. Kolhatkar	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.	2-2-76 (FN)	
76. Hakim Chand	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun.	23-12-75 (FN)	

S. K. SUNDARAM,
Addl. Controller General
of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 27th February 1976
IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1105/75-Admn(G)/1552.—The President is pleased to appoint Shri Rajinder Singh a Select List Officer of Grade I

of the C.S.S. as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this office with effect from 24-12-1975 (forenoon) to 29-2-1976.

P. K. KAUL
Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS

New Delhi, the 6th December 1975

No. A-15/28(603)/75.—The President is pleased to appoint Shri P. A. Chowdary, IRS, to officiate as Deputy Director (Registration) (Grade I of the Central Secretariat Service) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 1st November, 1975 until further orders.

K. L. KOHLI
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(Department of Mines)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700013, the 25th February 1976

No. 40/59/C/19A.—Shri K. Sinha Roy, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 28-1-1976, until further orders.

The 26th February 1976

No. 2222(DR)/19A.—Shri Dewashish Roy is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 23rd January, 1976, until further orders.

No. 2181(KM)/19B.—Smt. Kamala Mitra, S.T.A. (Chem), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 20th December, 1975, until further orders.

No. 51/62/19A.—Shri R. G. Krishnamurthy, Assistant Administrative Officer, Geological Survey of India is appointed as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 2-1-1976, until further orders.

No. 2222(SD)/19A.—Shri Subir Dutta, Senior Technical Asstt. (Geology), Geological Survey of India is appointed as an Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 9th January, 1976, until further orders.

No. 2786(RPC)/19A.—Shri R. P. Chatterjee, Administrative Officer, Geological Survey of India retired from Government service on superannuation with effect from 31st January, 1976 (afternoon).

The 27th February 1976

No. 9/71/19A.—Shri Mahesh Kumar Bhardwaj is appointed as Artist (Scribing) in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 12-1-1976, until further orders.

No. 51/62/19A.—Shri A. B. N. Rao, Assistant Administrative Officer, Geological Survey of India is appointed as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 5-1-1976, until further orders.

No. 2222(KCJ)/19A.—Shri Kailash Chandra Jain is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 14th January, 1976, until further orders.

V. K. S. VARADAN
Director General

SURVEY OF INDIA
SURVEYOR GENERAL'S OFFICE
Dehra Dun, the 27th February 1976

No. E1-5049/PF (Y. P. CHOWLA).—The resignation of his appointment tendered by Shri Yogesh Paul Chowla, Officer Surveyor, No. 15 Party (CST&MP), Survey of India, Hyderabad is accepted with effect from the afternoon of 15th September, 1970.

HARI NARAIN
Surveyor General of India

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA
Calcutta-700012, the 25th February 1976

No. F.70-7/76-Estt./3583.—On the recommendation of the DPC., Shri P. K. Ghosh, Office Superintendent working as Junior Administrative Officer on an *ad-hoc* basis in the Zoological Survey of India, is appointed to officiate as Junior Administrative Officer in the same Department with effect from 21st February, 1976 (forenoon), on a regular basis, in the scale of pay of Rs. 650—1200, until further orders.

DR. S. KHERA
Deputy Director-in-Charge,
Zoological Survey of India

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO
New Delhi, the 21st January 1976

No. 2/12/75-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S. K. Pangasa, S.E.A., A.I.R., Jeypore (Orissa) to officiate in the grade of Assistant Engineer on Ad-hoc basis with effect from 17-10-75 (Forenoon) at Television Centre, All India Radio, Lucknow.

HARJIT SINGH
Deputy Director of Administration,
for Director General

New Delhi, the 27th February 1976

No. 13(2)/72-SI.—Consequent on his reversion to the Directorate of Education, Delhi Administration, Delhi Shri J. P. Aggarwal, relinquished charge as a Television Officer in the Television Centre, All India Radio, New Delhi, on the afternoon of 31st January, 1976.

No. A-31014/2/75-SVI.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint the following officers in a substantive capacity in the cadre of Administrative Officer (Junior) in All India Radio with effect from the dates indicated against each :—

Sl. No.	Name of officer	Present designation and place of posting	Date of confirmation
1	2	3	4
1.	Shri Jose de J. Gomes de Melo	Administrative Officer, Television Centre, All India Radio, Bombay.	7-5-75
2.	Shri S. L. Bhardwaj	Inspector of Accounts, Directorate General, All India Radio, New Delhi.	7-5-75
3.	Shri A. N. Mukherji	Administrative Officer (Sr.), All India Radio, Calcutta.	7-5-75
4.	Shri Sheikh Mohd.	Administrative Officer (Sr.), All India Radio, Bombay.	7-5-75
5.	Shri R. Barnabas (retired)	59-B, Mundakkanni Amman, Koil Street, Mylapur, Madras-4.	7-5-75
6.	Shri M. D. Dwivedi	Administrative Officer, News Services Division, All India Radio, New Delhi.	7-5-75
7.	Shri R. K. Trikha	Administrative Officer (Sr.), All India Radio, New Delhi.	7-5-75
8.	Shri R. P. Saxena	Administrative Officer (Sr.), Television Centre, All India Radio, Lucknow.	7-5-75
9.	Shri M. Ramachandran	Administrative Officer (Sr.), All India Radio, Madras.	7-5-75
10.	Shri K. Venkateshmurthy	Administrative Officer (Sr.), Television Centre, All India Radio, Madras.	7-5-75
11.	Shri A. C. Mohindru	Administrative Officer, Television Centre, All India Radio, Srinagar.	1-7-75

2. The confirmation of all the officers mentioned above is subject to the condition that they will be liable to transfer at any time to serve under a Public Corporation, if formed and that on such transfer they will be liable to the conditions of service laid down for the employees of that Corporation.

P. K. SINHA
Deputy Director of Administration,
for Director General

(PLANNING & DEVELOPMENT UNIT)

New Delhi, the 1st March 1976

No. A.12026/1/74-DS.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Har Mohinder Singh Gandhoke, as a Chief Draftsman, in the Planning & Development Unit, Directorate General, All India Radio in a temporary capacity w.e.f. 27-1-76 until further orders.

T. R. SABHARWAL
Deputy Development Officer of Administration
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 27th February 1976

No. A 20011/6/71-Est.II.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri Om Parkash Chauhan to officiate as Field Exhibition Officer in the Mobile Exhibition Van Unit of this Directorate at Ambala with

effect from 6th February, 1976 (Forenoon) until further orders.

R. L. JAIN
Deputy Director (Admn)
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 26th February 1976

No. 51-13/70-SI.—The President is pleased to appoint undermentioned officers of the Medical Stores Organisation as Depot Manager (Class I) in a substantive capacity with effect from the dates noted against each :

Sl. No., Name & Date of appointment in substantive capacity

1. Shri A. K. Ghosh—12-10-66.
2. Shri J. P. Custelino—31-10-68.
3. Shri Gurmukh Singh—24-8-70.

SANGAT SINGH
for Director General of Health Services

New Delhi-11, the 26th February 1976

No. 1-58/75-CHS.II.—Consequent on the acceptance of her resignation, Dr. (Miss) Saroj Sibal relinquished charge of the post of Junior Medical Officer (Ad-hoc), Willingdon Hospital, New Delhi, on the afternoon of the 10th January, 1976.

R. N. TEWARI
Deputy Director of Administration (CHS)

New Delhi, the 25th February 1976

No. 19-15/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri V. Rajagopala Iyer in a substantive capacity to the post of Lecturer in French at the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry, with effect from the 27th July, 1974

The 26th February 1976

No. 26-17/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. Krishna Mohan, Research Officer, at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi, to the post of Assistant Director (Non-Medical) (Veterinarian) in the Kala-Azar Unit, N.I.C.D., Patna, on an *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 6th February, 1976, until further orders.

2. Consequent on his appointment as Assistant Director (Non-medical) (Veterinarian) at the Kala-Azar Unit, N.I.C.D., Patna, Dr. Krishna Mohan relinquished charge of the post of Research Officer at the N.I.C.D., Delhi with effect from the afternoon of 31st January, 1976.

The 28th February 1976

No. 6-13/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Ashok Kumar in a substantive capacity to the permanent post of Junior Technical Officer at the Central Research Institute, Kasauli, with effect from the 23rd July, 1975.

No. 1-10/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. K. K. Halder in a substantive capacity to the permanent post of Professor of Biochemist and Nutrition at the All India Institute of Hygiene & Public Health, Calcutta, with effect from the 19th February, 1973.

No. 26-12/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Sharma, Analyst, Department of Family Planning to the post of Deputy Assistant Director (Assessment) at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi on an *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 31st December, 1975, until further orders.

S. P. JINDAL
Deputy Director (Administration)

New Delhi, the 1st March 1976

No. 6-4/75-DC.—The Director General of Health Services hereby appoints Shri Vishwanath Mudgal as an Associate Pharmacognocist in the Central Drugs Laboratory,

Calcutta with effect from the forenoon of 16th February, 1976, until further orders.

S. S. GOTHOSKAR
Drugs Controller (India)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF AGRICULTURE) DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi-1, the 1st March 1976

No. F.2(7)/70-Estt.(1).—Shri Bharat Singh will continue to officiate as Superintendent (Grade I), Class II (Gazetted) (Ministerial), in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture & Irrigation (Department of Agriculture), on *ad-hoc* basis beyond the 29th February, 1976 until further orders.

N. K. DUTTA
Director of Administration

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY ATOMIC POWER AUTHORITY (CENTRAL OFFICE)

Bombay-400 039, the February 1976

No. APA/Adm/16/5/73.—In continuation of this office Notification No. APA/Adm/16/5/73 dated 14, 1975, the Chairman-cum-Chief Executive, Atomic Power Authority hereby appoints Shri Koruthara Kochukuttan Kelukutti, an officiating Personal Assistant to continue as Private Secretary in an officiating capacity upto the afternoon of February 10, 1976.

Shri Kuttu relinquished charge on the afternoon of February 10, 1976.

R. VEERA RAGHAVAN
Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 19th February 1976

Ref. DPS/A/11013/64/75/Est.—In continuation of this Directorate notification of even number dated November 1, 1975, Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Parari Kizhakkodan Radhakrishnan, officiating Storekeeper in the Stores Unit (DPS), VEC Project at Calcutta as an Assistant Stores Office on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—40—1200 in the same Directorate for a further period of two months upto April 30, 1976.

K. P. JOSEPH
Administrative Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 25th February 1976

No. 05000/P-12/1225.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Bhupendrakumar Jagmohandas Parikh, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Baroda), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same Project, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of February 1, 1976, until further orders.

T. C. SATHYAKEERTHY
Senior Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 16th February 1976

No. A-31013/2/75-ES.—The President has been pleased to appoint the following officers in a substantive capacity in the grade of Senior Aircraft Inspector in the Civil Aviation Department, with effect from the date indicated against each :—

Sl. No.	Name of officer	Date from which confirmed
1.	Shri V. D. Sethi	13-11-72
2.	Shri C. M. Joseph	23-3-73
3.	Shri T. C. Ahluwalia	15-2-74
4.	Shri B. K. Ghosh	1-12-74
5.	Shri M. N. Sil	1-11-75

The 19th February 1976

No. A.32013/11/75-EC.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/11/75-EC dated the 5th Sept., 1975, the President is pleased to extend the ad hoc promotion of the following Senior Technical Officers in the Civil Aviation Department upto 30th April, 1976 or till the posts are filled up on a regular basis, whichever is earlier. —

1. Shri S. Ramachandran
2. Shri S. K. Chandra
3. Shri G. V. Koshi
4. Shri P. R. Suryanandan
5. Shri N. K. Nanu
6. Shri A. Ramanathan
7. Shri D. C. Mehta
8. Shri V. K. Babu

The 27th February 1976

No. A.32013/17/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri P. L. Bhargava, Asstt. Director of Communication, Civil Aviation Department as Dy. Director/Controller of Communication on ad-hoc basis with effect from 7th Feb., 1976 (FN) and until further orders and to post him as the Regional Controller of Communication, Safdarjung Airport, New Delhi.

H. L. KOHLI
Dy. Director (Administration)
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 24th February 1976

No. A.32014/2/75-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Sarjit Singh, Technical Assistant, Aeronautical Communication Station, Palam as Assistant Technical Officer on a regular basis with effect from the 31st Jan., 1976 (FN) and until further orders and to post him at A.C.S., Nagpur.

H. L. KOHLI
Dy. Director (Administration)
for Director General

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 26th February 1976

No. 1/338/76-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Bose, Superintendent, New Delhi Branch as Assistant Administrative Officer, in an officiating capacity in the same Branch for the period from the 10th November, 1975 to the 27th February, 1976 (both days inclusive).

No. 1/31/76 EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri D. N. Roychoudhury, Asstt. Admn. Officer, New Delhi Branch as Administrative Officer, in an officiating capacity in Project Office, New Delhi for the period from 8-1-76 to 27-2-76 (both days inclusive).

P. K. G. NAYAR
Dy. Director (Administration)
for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Delhi, the 1st March 1976

(ESTABLISHMENT)

No. 16.—Shri Shiv Sarup, Inspector (SG) of Central Excise Collectorate, Delhi appointed to officiate as Superintendent, Central Excise & Customs, Group-B in the pay scale

of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, took over the charge of the office of the Superintendent, Customs (FTT&ITT), Hqrs. Office, New Delhi in the afternoon of 20-2-76, from Shri S. K. Vohra shifted.

M. S. MEHTA
Collector

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 24th February 1976

No. A-32012/9/75-Adm.V.—In supersession of this Commission's Notification No. A-32012/9/75-Adm.V. dated 5-1-1976, on the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Class-II), the Chairman, Central Water Commission, is pleased to appoint the following Research Assistants to the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on regular basis, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of January 9, 1976 :

1. Shri B. P. Shah
2. Shri P. G. Markande
3. Shri M. J. Khurjekar
4. Shri K. R. Shah
5. Shri P. S. Khare
6. Shri P. B. Deolalikar
7. Shri V. R. David

2. The above officers will be on probation in the cadre of Assistant Research Officer (Engineering), Central Water and Power Research Station, Poona, for a period of two years, with effect from the above date.

JASWANT SINGH
Under Secretary
for Chairman, C.W. Commission

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 26th February 1976

No. 3-274/72-CH(Estt).—The resignation of Shri C. V. N. K. Rao, Asstt. Hydrogeologist Central Ground Water Board, Southern Region, Hyderabad has been accepted w.e.f. 2-12-75 (A.N.).

B. K. BAWEJA
Chief Hydrogeologist & Member

RESEARCH DESIGNS & STANDARDS ORGANISATION

Lucknow, the February 1976

No. A/EP-364.—Shri M. L. Bhardwaj, Assistant, was promoted as Section Officer/Estt.I Research, Designs and Standards Organisation, Lucknow from 29-11-1975 to 24-1-1976.

No. A/EP-545.—Shri J. U. Bhagchandani, Assistant, was promoted as Section Officer (Administration), Research, Designs and Standards Organisation, Lucknow from 5-12-75 to 19-1-76.

T. V. JOSEPH
Director General

CHITTARANJAN LOCOMOTIVE WORKS

Chittaranjan the 24th February 1976

No. GMA/GS/8(Med)—The following Doctors of this Administration are confirmed provisionally as Asstt. Medical Officer in Class II service in the cadre of Medical Department

of the Chittaranjan Locomotive Works with effect from the dates noted against each : -

Sl. No.	Name of the officer	Designation of the post against which provisionally confirmed	Date from which provisionally confirmed
1.	Dr. S. K. Das	AMO/Genl.	1-1-66
2.	Dr. H. B. Tapadar	AMPO/Chest Clinic	1-1-66
3.	Dr. J. C. Chowdhury	AMO/Genl.	1-1-66
4.	Dr. A. Moitra	AMO/Public Health	2-2-66
5.	Dr. S. Bhattacharjee	AMO/Genl.	2-2-66
6.	Dr. Ajit Kr. Banerjee	AMO/Genl.	2-2-66
7.	Dr. K. P. Biswas	AMO/Genl.	2-2-66
8.	Dr. D. B. Sen	AMO/Genl.	2-2-66

K. S. RAMASWAMY,
General Manager

CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 25th February 1976

No. HPB/220/G/II/TC.—Shri N. G. Gothwal is confirmed in Class II Service as Assistant Operating Superintendent/Assistant Commercial Superintendent with effect from 15-11-1967.

B. D. MEHRA
General Manager

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES (COMPANY LAW BOARD)

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Poona Investors Bank Limited*

Bombay-400002, the 24th February 1976

No. 4539/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Poona Investors Bank Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. NARAYANAN
Addl. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Ramamurthy Coffee Agricultural Development Company
Private Limited*

Hyderabad, the 27th February 1976

No. 1247/560(T).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Ramamurthy Coffee Agricultural Development Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Kamal Minerals Private Limited*

Hyderabad, the 27th February 1976

No. 1540/560(T).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that 17—516G1/75

the name of Kamal Minerals Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN
Registrar of Companies
Andhra Pradesh, Hyderabad

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Dinbazar Merchants' Association Limited*

Calcutta, the 27th February 1976

No. 5031/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Dinbazar Merchants' Association Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Sodpur Engineering Works Private Limited*

Calcutta, the 27th February 1976

No. 26582/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Sodpur Engineering Works Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. NATH
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Darbhanga Motor Service Private Limited*

Patna, the 1st March 1976

No. 3(704)74-75/919.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Darbhanga Motor Service Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies
Bihar

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 16th February 1976

No. F.48-Ad(AT)/76.—On expiry of the period of extension of service granted to him vide this office Notification No. F.48-Ad(AT)/75 dated 30-7-1975, Shri N. K. Chaurasia, a permanent Assistant Registrar in the Income-tax Appellate Tribunal Delhi Benches, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st January, 1976.

2. In supersession of para 2 of my Order No. F.48-Ad(AT)/75, dated 8-7-1975, Shri N. K. Chaurasia, Assistant Registrar is now granted 42 days earned leave with effect from 1-2-1976 which was refused to him earlier in the public interest under sub-rule (2) of Rule 39 of the C.C.S. (Leave) Rules, 1972.

HARNAM SHANKAR
President

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 19th February 1976

Ref. No. Acq. File No. 321/J. No. I(75&76)VSP.—
Whereas, I, B. V. SUBBA RAO,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-5-15 to 11-5-18 situated at Vizianagaram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on 31-7-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. S/Sh. Vajrapu Satyanarayana,
2. Vajrapu Ramana Murthy,
3. Vajrapu Nageswara Rao,
4. Vajrapu Rama Krishna Rao,
5. Vajrapu Ramana Bapu
6. Vajrapu Srinivasarao, and
Vijarapu Suresh

(Transferors)

- (2) Chamber of Commerce, Vizianagaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document Nos. 3195/75 and 3196/75 of the SRO, Vizianagaram registered during the fortnight ended on 31-7-75.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 19-2-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. P. N. Vijayalakshmi Devi, w/o P. N. Seshu Babu, R/o M. No. 1-295 at Uppal Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ramchander Pershad s/o Late Dharam Pershad, M. No. 23-4-445 at Sultan Shai, Hyderabad.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 26th February 1976

Ref. No. RAC. No. 258/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'Said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-4-416 situated at Nampally, Hyderabad,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 19-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property House No. 5-4-416 at Station Road, Nampally, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 26-2-1976.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Smt. Hushmuthunisa Begam, 156 Paigah House, Sardar Patel Road, Secunderabad; 2. Jainarayan Misra, 26 A, S. Patel Road, Secunderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Smt. Saripada Kameswari, 268 Nallagutta, Secunderabad.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 26th February 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. RAC. No. 259/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 20 in premises 2-11-30 situated at S. P. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 20-7-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property : Plot No. 20 in premises No. 2-11-30 and 156 to 159 at Sardar Patel Road, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 26-2-1976.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 26th February 1976

Ref. No. RAC. No. 260/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 16 in 2-11-30 situated at S. P. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on 20-7-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. Hushmuthunisa Begum, 156 to 159 at Sardar Patel Road, Secunderabad; 2. Jainarayan Misra, 26-A, S. Patel Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Lilawanti M. Rupani; 2. Smt. Kavita G. Rupani, H. No. 3-4-376/31 at Lingpally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Plot, No. 16 in premises No. 2-11-30 at Sardar Patel Road, Secunderabad, (Area : 517.00 Sq. Yds.)

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,

Acquisition Range, Hyderabad

Date : 26-2-1976.

Seal :

FORM ITNS —

- (1) 1. Smt. Hushmuthunisa Begum, 156 to 158 at Sardar Patel Road, Secunderabad; 2. Sri Jainarayan Misra, 26-A, S. P. Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 26th February 1976

Ref. No. RAC. No. 261/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 15 in Premises No. 156 situated at S. P. Road, Secunderabad

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Secunderabad on 13-7-1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (2) 1. Sri M. P. Sharma 5-3-577 at Osmangunj, Hyderabad; 2. Sri Ramesh Mukar, No. 5-3-577 at Osmangunj, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Plot. No. 15 in premises No. 156 to 159 at Sardar Patel Road, Secunderabad, Area 517.00 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 26-2-1976,
Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Smt. Hushmuthunisa Begum, 156 & 159 at Sardar Patel Road, Secunderabad; 2. Sri Jainarayan Misra, at 20-A S. P. Road, Secunderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Sri S. K. Bajaj, 139/B Sanjeeva Reddy Nagar Colony, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 26th February 1976

Ref. No. RAC. No. 262/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 36 in premises 2-11-30 situated at S. P. Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Secunderabad on 15-7-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Property : Plot. No. 36 in premises No. 2-11-30 at Sardar Patel Road, Secunderabad. Area : 371.00 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 26-2-1976.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Smt. Hushmuthunisa Begum, 156, at S. P. Road, Secunderabad, 2. Sri Jainarayan Misra, 26-A, S. P. Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Smt. Manju Misra, 26-A Sardar Patel Road, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 26th February 1976

Ref. No. RAC. No. 263/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 11 in premises 156 to 159 situated at S. P. Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Secunderabad on 20-7-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent

consideration therefor by more than fifteen per cent of such

apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property : Plot. No. 11 in premises No. 2-11-30 and 156 to 159 at Sardar Patel Road, Secunderabad. Area : 500.00 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-2-1976.

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 26th February 1976

Ref. No. RAC. No. 264/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 21 in premises 2-11-30 situated at S. P. Road, Secunderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 28-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
18—516GI/75

(1) 1. Smt. Hushmuthunisa Begum, 156 to 159 at Sardar Patel Road, Secunderabad; 2. Jainarayan Misra 26-A, S. Patel Road, Secunderabad.
(Transferors)

(2) Dr. Appala Rao Chitra; 2. Dr. Sarojini Chitra, 20-E St. Johns Road, Secunderabad.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property . Open plot No. 21 in premises No. 2-11-30 and 156 to 159 at Sardar Patel Road, Secunderabad. Area : 400 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 26-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Hindustan Builders prop. Hari Kishen at
Unity House, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sri Bhagwandas Harkut 20-2-13 at Old Kabutar-
khana, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABADObjections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 26th February 1976

Ref. No. RAC. No. 265/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 20 in Unity House at Abid Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 17-7-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to any tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property : Shop. No. 20 on Ground floor of Unity House at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 26-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Hindustan Builders prop. Hari Kishen at
Unity House at Abid Road, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 26th February 1976

Ref. No. RAC. No. 266/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 5 situated at Unity House Abid Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 17-7-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Sri Jivant Ram Moorajmal, 15-5-720 at Afgalgunj, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Shop. No. 5 on ground floor of Unity House at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 26-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Hindustan Builders prop. Hari Kishan at
R/o Unity House at Abid Road, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shah Automobile, at Siddiembur Bazar,
Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 26th February 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of the
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 267/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 6 on G. F. of Unity House at Abid Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 17-7-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
'Said Act', shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the Said
Act in respect of any income arising from the trans-
fer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Property : Shop No. 6 on ground floor of Unity House at
Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 26-2-1976.
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Hindustan Builders prop. Hari Kishen at
Unity House, Abid Road, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shah Automobiles, at Sultan Bazar, Hydera-
bad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 26th February 1976

Ref. No. RAC. No. 268/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 21 on ground floor of Unity House situated at Abid Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 17-7-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property. Shop No. 21 ground floor of Unity House, at Abid Road, Hyderabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 26-2-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Hindustan Builders prop. Hari Kishen at
Unity House, at Abid Road, Hyderabad.
(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

(2) Smt. Mohini, K. Devunani, H. No. 3-5-170/A at
Behind Narayangudem, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 26th February 1976

Ref. No. RAC. No. 269/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 7 on ground floor of Unity House situated at Abid Road, Hyderabad (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 17-7-1975

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Property : Shop No. 7 on ground floor of Unity House, at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 26-2-1976.
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Hindustan Builders prop. Hari Kishen at
Unity House, at Abid Road, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shanti Devi, H. No. 5-1-786 at Sultan Bazar,
Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 26th February 1976

Ref. No. RAC. No. 270/75-76.—Whereas, I, K. S.
VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Shop No. 29 on ground floor of Unity House situated at
Abid Road, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Hyderabad on 21-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transferor;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Shop No. 29 on ground floor of Unity House at
Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 26-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Pushpalata P/r. M/s. Associated Builders & Real Estate Agents, at Abid Road, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Mrs. Padmaja Reddy, w/o Dr. M. Purshotam, Reddy, 24-B Old M.L.A. Quarters, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 26th February 1976

Ref. No. RAC. No. 271/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. B-1/F.7 situated at Poonam Apartments at Abid Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 2-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section(1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Residential Flat No. B-1/F-7 in Poonam Apartment Chirag Ali Lane, at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 26-2-1976.
Seal :

FORM ITNS ———

(1) M/s. Associated Builders & Real Estate Agents,
P/r Smt. Pushpalata, at Abid Road, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sri Shivdarshnlal Dhir; 2. Smt. Syam Pyri, No.
15-4-239 at Osman Shahi Gowliguda, Chaman,
Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Objections, by any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

Hyderabad, the 26th February 1976

Ref. No. RAC. No. 272/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Flat B-3/F2 in Poonam Apartment situated at Abid Road, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 7-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Residential Flat No. B-3/F-2 at Poonam Apartment Chirag Ali Lane, Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

19—516GI/75

Date : 26-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Associated Builders & Real Estate Agents,
P/r. Smt. Pushpalata,
at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri D. Subhasri,
H. No. C-604/4 Lancer Baracks,
Sarojinidevi Road, Secunderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD.

Hyderabad, the 26th February 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 273/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act', has reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. B-4/F-3 in Poonam Apartment situated at Abid Rd, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 15-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Residential Flat No. B-4/F. 3 in Poonam Apartment at Chirag Ali Lane, Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range
Hyderabad.

Date : 16-2-1976

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD.

Hyderabad, the 26th February 1976

Ref. No. RAC. No. 274/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. B-4/F-1, Poonam Apartment situated at Abid Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on 15-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Associated Builders & Real Estate Agents, P/r. Smt. Pushpalata, at Abid Road, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Miss P. Yasodhara, H. No. 5-9-222 at Chirag Ali Lane, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Residential flat No. B-4/F-1 in Poonam Apartment at Chirag Ali Lane Abid Road Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad.

Date : 26-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Associated Builders & Real Estate Agents,
P/r. Smt. Pushpalata,
at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt. P. Subhadrayamma, and
2. Smt. P. Venkatamarasayama,
R/o Singavaram Post, Nidadavole,
Post. West Godavari Dist.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD.

Hyderabad, the 26th February 1976

Ref. No. RAC. No. 275/75-76.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. B-2/F-8, in Poonam Apartment situated at Abid Rd.
Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad, on 16-7-1975

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the trans-
fer; and

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the trans-
feree for the purposes of the Indian Income-tax Act,
1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-
Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice in
the Official Gazette or a period of 30 days from the
service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Residential flat No. B-2/F-8 in Poonam Apart-
ment at Chirag Ali Lane, Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range

Hyderabad.

Date : 26-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Associated Builders & Real Estate Agents,
P/r. Smt. Pushpalata,
at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD.

(2) Smt. Shanti Devi,
H. No. 5-1-786,
at Sultan Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 26th February 1976

Ref. No. RAC. No. 276/75-76.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-
inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. B-1/F-1 in Poonam Apartment situated at Abid Rd.
Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad, on 18-7-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the 'said Act' shall have the
same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property : Residential flat No. B-1/F-1 in Poonam Apart-
ment at Chirag Ali Lane, Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said
Act', hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section
(1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following per-
sons, namely :—

Date : 26-2-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD.

Hyderabad, the 26th February 1976

Ref. No. RAC, No. 277/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. B-2/F-2 in Poonam Apartment situated at Chirag Ali Lane, Abid Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on 18-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Associated Builders & Real Estate Agents, P/r. Smt. Pushpalata, at Abid Road, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Smt. Kamini, W/o Sri Amarnath, H. No. 1-5-355, at Musheerabad, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Residential flat No. B-2/F-2 in Poonam Apartment at Chirag Ali Lane, Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 26-2-1976
Seal:

FORM ITNS-----

(1) M/s. Associated Builders & Real Estate Agents,
P/r. Smt. Pushpalata,
at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sumanlata Sanghi,
No. 6-3-346 at Banjara Hills,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned---

Hyderabad, the 26th February 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

Ref. No. RAC. No. 278/75-76.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Flat No. B-2/F-6, Poonam Apartment situated at Chirag,
Ali Lane, Abid Road, Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Hyderabad, on 18-7-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the Said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the 'said Act',
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property - Residential flat No. B-2/F-6 in Poonam Apart-
ment at Chirag Ali Lane, Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Author

Inspecting Assistant Commissioner of Income-T

Acquisition Ran

Hyderab

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 26-2-1976

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 26th February 1976

Ref. No. RAC No. 279/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. B-1/F-2, in Poonam Apartment situated at Abid Rd. Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on 18-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-section of Section 269D of the 'said Act', to the following person:—

- (1) M/s. Associated Builders & Real Estate Agents, P/r. Smt. Pushpalata, at Abid Road, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Smt. Shanta Ranjan, H. No. 3-6-361/16 at Basheer Bagh, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Residential Flat No. B-1/F-2 in Poonam Apartment at Chirag Ali Lane, Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad.

Date : 26-2-1976
Seal :

FORM ITNS ———

(1) M/s. Associated Builders & Real Estate Agents,
P/r. Smt. Pushpalata,
at Abid Road Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 26th February 1976

Ref. No. RAC. No. 280/75-76.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Flat No. A-2/F-5, in Poonam Apartment situated at Abid Rd.
Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Hyderabad on 15-7-1975

for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the ob-
ject of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act',
in respect of any income arising from the transfer
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922)
or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of
1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the 'said Act,' to the following per-
sons, namely :—

20—516G1/75

(2) Sri Jayakar S. Joha,
H. No. A2/F5 at Poonam Apartment Abids Road,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the 'said Act', shall have the same mean-
ing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Residential Flat No. A-2/F-5 in Poonam Apart-
ment at Chirag Ali Lane, Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range
Hyderabad.

Date : 26-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Associated Builders & Real Estate Agents,
P/r. Smt. Pushpalata,
at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. B. Parthasaradhi, S/o Jagnannadhadas,
2 B. Pushpavalli W/o Parthasarathi,
R/o 15-B, Sujana Singh Park, at New Delhi-110003,
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 26th February 1976

Ref No. RAC No. 281/75-76.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing
Flat No. 8-2/F-7, in Poonam Apartment situated at Abid Rd.
Hyderabad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of
the Registering Officer at
Hyderabad, on 16-7-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Residential Flat No. B-2/F-7 in Poonam Apart-
ment at Chirag Ali Lane Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad.

Date : 26-2-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Associated Builders & Real Estate Agents,
P/r. Smt. Pushpalata,
at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 26th February 1976

Ref. No. RAC. No. 282/75-76.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'Said Act'),
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. B-4/F-4, in Poonam Apartment situated at Abid Rd.
Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908)
in the Office of the Registering Officer
Hyderabad, on 24-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972
(11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

(2) Shri Raman Raj Saksena,
H. No. 20-1-397 at Kokatati,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons, whichever period
expires later.

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Residential Flat No. B-4/F-4 in Poonam Apart-
ment at Chirag Ali Lane, Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad.

Date : 26-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Associated Builders & Real Estate Agents,
P/r. Smt. Pushpalata,
at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 26th February 1976

Ref. No. RAC. No. 283/75-76.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. B-2/F-3, in Poonam Apartment situated at Abid Rd. Hyderabad.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on 30-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Smt. Shanti Bai,
H. No. 21-2-661 at Charkaman,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Residential Flat No. B-2/F-3 in Poonam Apartment at Chitrag Ali Lane, Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 26-2-1976
Seal :

FORM ITNS.—

(1) M/s. Associated Builders & Real Estate Agents,
P/r. Smt. Pushpalata,
at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Banarsi Bai,
H. No. 21-2-661 at Charkaman,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 26th February 1976

Ref. No. RAC. No. 284/75-76.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN
being the Competent Authority under-Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Flat No. B-2/F-1, in Poonam Apartment situated at Abid Rd.
Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Hyderabad on 15-7-1975
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent consi-
deration and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the 'Said Act' in
respect of any income arising from the transfers
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-
tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or
the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said
Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons whichever period expires
later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the Said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Residential Flat No. B-2/F-1 in Poonam Apart-
ment at Chirag Ali Lane, Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range
Hyderabad.

Date : 26-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 26th February 1976

Ref. No. RAC. No. 285/75-76.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-
red to as the 'said Act'), have reason
to believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Shop No. 6 & 7 situated at Chirag Ali Lane, Abid Road,
Hyderabad,
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on 15-7-1975
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act in res-
pect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) M/s. Associated Builders & Real Estate Agents,
P/r. Smt. Pushpalata,
Abid Road, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Smt. Banarsi Bai,
H. No. 21-2-661 at Charkaman,
Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property,
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Shop Nos. 6 & 7 in Abid's Shopping Centre, in
Chirag Ali Lane, Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 26-2-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Raju and Co.,
at Pulivendla Cuddapha-Dist.
Rep. by Sri Y. S. George Reddy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Krishna Oil Mills,
at Vempalli, at Cuddapha,
Rep. by Sri Kandula Sivananda Reddy,
Vempalli Village Pulivendla Tq.
Cuddapha Dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 2nd March 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC, No. 286/75-76.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 494/1 situated at Vempalli Village, Cuddapha
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer
at Vempalli at on 14-7-1975
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property : Factory Building-godowns, labour quarters, and
office buildings. Land area 2.13 Acres, in S. No. 494/1 at
Vempalli Village, Pulivendla-Tq. Cuddapha. Dist. known as
"Sri Krishna Oil Mills."

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following
persons, namely :—

Date : 2-3-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Sri Sura Ramanadhayya Setty
D. No. 24/43, at Gandhi Bazar,
Ananthapur.

2. Sri Araveti Venkataramanappa,
D. No. 3/143, 3rd Street, Georgepet,
Ananthapur.

(Transferor)

(2) 1. Sri Karnatakam Narayanaswamy,
S/o China Venkataswamy Chiyvedu
Ananthapur Tq.
Ananthapur.

2. Smt. Meda Subbalaxmamma, W/o Subrahmanyam,
Penukonda Tq.
Ananthapur.

3. Smt. Maddalacheruvu Satyanna S/o Konappa,
Islampuram, Hindupur Tq.,
Ananthapur.

4. Smt. Kaparti Ramaratnamma,
W/o late Sri Aswarthanarayana,
D. No. 17/76 Old Town,
Ananthapur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDRABAD

Hyderabad, the 3rd March, 1976

Ref. No. RAC. No. 287/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 19/659 & 660 situated at Old town Ananthapur, Ananthapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ananthapur on 18-7-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Godown on Northern side D. No. 19/659 and 660 at Gooty Main Road, Ananthapur.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 3-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sarojben d/o Shri Kantilal P. Shah,
Maitri Park Society, Mithakhali,
Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st March 1976

No. Acq. 23-I-698-700(277)/1-1/75-76.—Whereas, I,
J. KATHURIA,
being the Competent Authority under Section 269-B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Survey No. 102, old F.P. No. 137/A, New F.P. No. 186/2,
Sub-Plot No. 4, TPS No. 6, situated at Paldi, Ahmedabad,
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Ahmedabad on 18-7-1975

for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the pro-
perty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor
by more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this Notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the
following persons, namely :—
21—516GI/75

(2) Tropica park Co-op. Housing Society Ltd.,
Panjra Pole, Relief Road,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land, bearing Survey No. 102, old FP
No. 137/A, New FP No. 186/2, Sub-Plot No. 4, TP Scheme
No. 6, situated at Paldi, Ahmedabad and transferred vide
three document No. 9802, 9803 and 9804 dt. 18-7-1975,
admeasuring in all 1049 sq. yards.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 1-3-1976

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st March 1976

No. Acq.23-I-701(278)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing City Survey No. 2989-6, Plot No. B-I situated at Shahpur Ward-2, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kusumben d/o Shri Natwarlal Acharya,
Shanta Kunj Bunglow, Near Patidar Society,
Opp. Krishna Society,
Gujarat College Road, Ellis Bridge,
Ahmedabad.

(Transferor)

(1) 1. Mahendrakumar Mohanlal Khajuriwal,
2. Navinchandra Mohanlal,
3. Narainkumar Mohanlal,
4. Ranjatkumar Mohanlal,
R/o Lallu Raiji Wada, Mirzapur,
Ahmedabad.

(Transferee)

* (3) 1. Shri Babubhai Raghavji Mistri,
2. Shri Tanubhai Mavjibhai,
3. Maxgun Salvi,
(person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property with land admeasuring 904 sq. yards bearing City Survey No. 2989-6, Plot No. B-I, situated at Shahpur Ward-2, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 1-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Prabhulal Girdharlal Doshi,
and others
'P. Lal' Mansion, Prabhad Road, Rajkot.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Rameshwar Casting
Bapunagar, Rajkot-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 2nd March 1976

No. Acq.23-1-692(279)/16-6/75-76.—Whereas, I,
J. KATHURIA,
being the competent authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 1606, situated at Near Aji Industrial Area, Rajkot
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto) has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering officer at Rajkot on 17-7-1975
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the 'Said Act' in respect of any income arising from
the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of
1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the fol-
lowing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the Said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property admeasuring 3482-6 sq. yards
bearing Plot No. 1606, situated near Aji Industrial Area,
Rajkot.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 2-3-1976.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vasanji Kheraj Thakar,
Virdi Plot, Porbandar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sidiq Alimamad Palkhiwala,
Opp. Fish Market, Porbandar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 2nd March 1976

No. Acq.23-I-693 (280)/11-4-/75-76.—Whiccas, I.

J. KATHURIA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 5, situated at Virdi Plot, Porbandar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur Porbandar on 25-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property admeasuring 292-2-10 Sq yards situated at Ward No. 5, virdi Plot, near Sheetla Chowk Porbandar.

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 2-3-1976.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Ratilal Maneklal Patel,
2. Shri Ranchhodlal Maneklal Patel,
Village Naranpura,
Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Shri Prabhu Parshwanath
Co-op. Housing Society Ltd.
Harisdh Chambers, Ashram Road,
Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th March 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. Acq.23-I-914(287)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 130-1, F. Plot No. 104-2 TPS No. 29 situated at Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 3775 sq yards and bearing Survey No. 130-1, Final Plot No. 104-2, TPS 29 and situated at Ahmedabad and transferred vide five sale deeds registered on 7-7-1975 vide Nos. 9223, 9224, 9225, 9226 & 9227, each document representing 1/5th of the total area of 3775 sq yards.

J. KATHURIA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 5-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1976

No. Acq.23-I-676(293)/5-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2230-A and 2230-B situated at Vaghawadi Road, Near Circuit House, Bhavnagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 31-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Santoshbhai G. Kamadar as Attorney of Smt. Champaben G. Kamdar, Kundan Kunj, Ghoga Circle, Bhavnagar.

(Transferor)

- (2) 1. Shri P. S. Trivedi
2. Smt. M. P. Jani,
3. Smt. Sushila M. Dave
4. Shri D. S. Negandhi,
5. Shri H. V. Thakkar
6. Shri R. J. Trivedi,
7. Shri P. N. Bhatt,
8. Shri R. M. Joshi,
9. Smt. J. S. Mehta,
10. Shri Mahendra J. Odhariya,
Haveli Street, Opp. Pitru Chhaya,
Bhoga Talao, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land under Plot No. 2230-A & 2230-B admeasuring 1200 sq. yards & 1000 sq yards respectively and situated at Vaghawadi Road, near Circuit House, Bhavnagar.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 6-3-1976

Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE 60/61, ERANDAWANA
KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411 004, the 1st March 1976

No. C.A.5/July'75/Haveli-II(Poona)/270/75-76.—

Whereas, I, H. S. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 116 situated at Koregaon Park, Poona-1, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II (Poona) on 17th July, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Rajindermohini Satpal Malhotra,
116, Koregaon Park,
Poona-1.

(Transferor)

(2) M/s. Weikfield Products Co., (India) Pvt. Ltd.,
116, Koregaon Park, Poona-1.

(Transferee)

* (3) 1. Smt. Rajindermohini Malhotra & family
2. Smt. Kanwal Mohini Malhotra & family
3. Smt. Usha Malhotra & family
116, Koregaon Park, Poona-1.

(Person in occupation of the property)

* (4) 1. Smt. Kanwal Mohini Malhotra
2. Smt. Usha Malhotra,
116, Koregaon Park, Poona-1.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Leaschold land, 45% undivided share in the property bearing Survey No. 116, Koregaon Park, Poona-1 admeasuring about 4338.68 square metres.

Building built in 1969.

Area about 9500 square feet.

(Property as mentioned in the registered deed No. 1622 of 17th July, 1975 of the Registering authority Haveli-II Poona.)

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 1-3-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE 60/61, ERANDAWANA
KARVE ROAD, POONA-411004.

Poona-411 004, the 1st March 1976

No. C.A.5/July'75/Haveli-II(Poona)/271/75-76.—

Whereas, I, H. S. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 116 situated at Koregaon Park, Poona-1, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II (Poona) on 17th July, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kanwal Mohini Baldevraj Malhotra,
116, Koregaon Park,
Poona-1.
(Transferor)
- (2) M/s. Weikfield Products Co., (India) Pvt. Ltd.,
116, Koregaon Park,
Poona-1.
(Transferee)
- *(3) 1. Smt. Rajindermohini Malhotra & family
2. Smt. Kanwal Mohini Malhotra & family
3. Smt. Usha Malhotra & family
116, Koregaon Park, Poona-1.
(Person in occupation of the property)
- *(4) 1. Smt. Kanwal Mohini Malhotra
2. Smt. Usha Malhotra,
116, Koregaon Park, Poona-1.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Leasehold land, 30% undivided share in the property bearing Survey No. 116, Koregaon Park, Poona-1 admeasuring about 4338.68 square metres.

Building built in 1969.

Area about 9500 square feet.

(Property as mentioned in the registered deed No. 1623 of 17th July, 1975 of the Registering authority Haveli-II Poona.)

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 1-3-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Usha Harishkumar Malhotra,
116, Koregaon Park,
Poona-1

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Weikfield Products Co., (India) Pvt. Ltd.,
116 Koregaon Park,
Poona-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 60/61, ERANDAWANA
KARVE ROAD, POONA-411004.

“(3) 1. Smt. Rajindermohini Malhotra & family
2. Smt. Kanwal Mohini Malhotra & family
3. Smt. Usha Malhotra & family
116, Koregaon Park, Poona-1.
(Person in occupation of the property)

“(4) 1. Smt. Rajinder Mohini Malhotra
2. Smt. Kanwal Martin Malhotra.
116, Koregaon Park, Poona-1.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property).

Poona-411 004, the 1st March 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

No. C.A.5/July'75/Haveli-II(Poona)/272/75-76.—

Whereas, I, H. S. AULAKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Survey No. 116, situated at Koregaon Park, Poona-1
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Haveli-II (Poona) on 17th July, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the lia-
bility of the transferor to pay tax under the
said Act in respect of any income arising from
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1972 (11 of 1972) or the said
Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Leaschold land 25% undivided share in the property
bearing Survey No. 116, Koregaon Park, Poona-1 admeasur-
ing about 4338.68 square metres.

Building built in 1969.

Area about 9500 square feet.

(Property as mentioned in the registered deed No. 1622
of 17th July, 1975 of the Registering authority Haveli-II
Poona.)

H. S. AULAKH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice
under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act
to the following persons, namely :—

22—516GI/75

Date : 1-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Princess Usha Trust and Devi Ahilya Bai Holkar Educational Trust, Manik Bagh Palace, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Bharatkumar S/o Navnitkumar Modi, R/o 617 Murai Mohalla, Sanyogitaganj, Indore

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 27th February 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

No. IAC/ACQ/BPL/76-76.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the competent authority under section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

An open land being Khasra No. 229 at Sukh Niwas Road, Indore, situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 15-7-1975

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

An open land being Khasra No. 229 at Sukh Niwas Road, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-2-1976,
Seal :—

FORM ITNS

(1) Shri Sita Ram S/o Shri Gidharilal Srivastava,
Civil Lines, Sagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal, the 27th February 1976

No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agricultural land measuring 7.69 acres situated at Shidguwan, Sagar situated at Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 19-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(2) 1. Smt. Suhag Rani W/o Shri Satish Kumar Jadia
2. Smt. Sobha Rani W/o Manmohanlal Jadia,
Sarafa Bazar Kotwali Road, Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7.69 Acres situated at Shidguwan, Sagar.

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 27-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 27th February 1976

No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Two storeyed building, Ward No. 4, Barun Jumerati Darwaja, Bhopal, situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 16-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Gulzar Hussain S/o Mukhtar Hussain, 2. Shri Nurul Hussain, 3. Shri Israr Hussain, 4. Shri Iltakar Hussain, 5. Alamdar Hussain, 6. Smt. Bilkis bai and 7. Smt. Banobai R/o Sherpura, Berasia.
(Transferor)

(2) Shri Maqsood Ali alias Nawab Miyan S/o Haji Gulam Ali Khan Saheb, Barun Jumerati, Gate Ward No. 4, Bhopal.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed building, Ward No. 4, Barun Jumerati Darwaja, Bhopal.

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 27-2-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Chandanmal Chordiya R/o
6/10 Yeshwant Niwas Road, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rakhabchand S/o Shri Onkarlalji Chordiya
R/o Ramlachamn Bazar, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 27th February 1976

No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open plot No. 1, Street No. 4, Mahesh Nagar, Indore situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Indore on 16-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 1, Street No. 4, Mahesh Nagar, Indore.

V. K. SINHA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 27-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nanak Chand Bhatia s/o
Shri Ram Chand Bhatia, R/o
120/245, Narainpurwa, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Surendra Bhatia S/o
Shri Harbans Lal Bhatia, R/o
120/242, Lajpat Nagar, Kanpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 4th February 1976

Ref. No. 403/Acq/Kanpur/75-76/2650.—Whereas, I, F. J. BAHADUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule

situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kanpur on 30-8-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Immovable property bearing No. 120/245, Lajpat Nagar, Kanpur built on plot No. 359, Block 'P', Scheme No. 1, Lajpat Nagar, Narainpurwa, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 45,000/-.

F. J. BAHADUR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Messrs Hindustan Petroleum Corporation Limited,
17, Jamshedji Tata Road, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Messrs Janki Prasad & Sons,
97, The Mall, Kanpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPURObjections, if any, to the acquisition of the said
property may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 26th February 1976

(a) by any of the aforesaid persons within the period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 405/Acq/Kanpur/75-76/2663 —Whereas, I, F. J. BAHADUR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 1-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Immovable property consisting of land bearing plot No. 11 measuring 0.5 acres situated at Juhi Khurd, Factory Area, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 1,00,000/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 26-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 26th February 1976

Ref. No. 902/Acq/Ghaziabad/75-76/2664.—Whereas, I,
F. J. BAHADUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule
situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 1-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mansha Ram s/o Ram Chandra
R/o Roja Yakubpur, Teh. Sikandrabad,
Distt. Bulandshahr.
2. Shri Om Prakash s/o Ram Chand,
R/o C/o D.C.M. Store, Sihani Gate,
Ghaziabad.

(Transferor)

- (2) Mahendra Kumar Garg s/o Shri Binda Prasad,
R/o 63, Navyug Market, Ghaziabad.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of a plot bearing No. 85, measuring 200 sq. yds. situated at Navyug Market, Ghaziabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 65,000/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 26-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vinod, R/o D-8/5, Paper Mill Colony,
Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shree Prakash (President) Dayanand Cooperative
Housing Society Limited, 113/82, Swaroop Nagar,
Kanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 2nd March 1976

Ref. No. 291/Acq/Kanpur/75-76/2665.—Whereas, I, F. J.
BAHADUR,being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that
the imovable property having a fair market value ex-
ceeding Rs. 25,000/- and bearingNo. As per schedule situated at As per Schedule
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering Officer at
Kanpur on 4-7-1975,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

23—516GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45
days from the date of publication of this notice in the
Official Gazette or a period of 30 days from the
service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property measuring about 19 Bigha 19 Biswas,
bearing field No. 1871, situated at Village Daheli Sujampur,
Distt. Kanpur, transferred for an apparent consideration of
Rs. 59,850/-.

F. J. BAHADUR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax

Acquisition Range, Kanpur

Date : 2-3-1976

Seal :

FORM I.T.N.S.

- (1) Smt. Vidushi D/o Late Shri Amba Prasad,
R/o 91, Kambalwala Bagh,
Nai Mandi, Muzaffarnagar, through Dr. Ashok
Kumar Agarwal, Mukhtar Aam,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 2nd March 1976

Ref. No. 743-A/Acq/Muzaffar Nagar/75-76/2666.—Where-
as, I, F. J. BAHADUR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

As per schedule
situated at As per schedule

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Muzaffarnagar on 16-7-1975,

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
'Said Act' in respect of any income arising from
the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the
'Said Act' or Wealth Tax Act, 1957 (27 of
1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section(1) of Section 269D of the Said Act to the following
following persons, namely:—

- (2) 1. Shri Tribhuwan Das Dattani S/o
Shri Topan Bhai Dattani,
R/o 109-B, Nai Mandi, Muzaffarnagar.
2. Smt. Kanchan Bahan Vohra w/o
Shri Kanti Lal Vohra, 26/59, Birhana Road,
Kanpur.
3. Smt. Sharmishtha Bahan Shah w/o
Navneet Lal Shah, R/o
24/92 Birhana Road, Kanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said prop-
erty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the Said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/4th portion of House
No. 46-A, situated at Nai Mandi, Muzaffar Nagar, transferred
for an apparent consideration of Rs. 35,000/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 2-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 1st March 1976

Ref. No. 908-A/Acq/Meerut/75-76/2667.—Whereas, I, F. J. BAHADUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 11-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Jai Devi w/o Har Swaroop, self and Representative of Roop Kishore and Raj Kishore, Sons
2. Savitri Gupta, daughter, self R/o Thapar Nagar, Meerut.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Ishwar Dass, and
2. Shri Rajendra Prasad, Sons of Suri Sukhdev Singh, R/o Khandak Shaher, Meerut.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing plot No. 146, measuring 326.67 sq. yds situated in Gali No. 3 & 4, Thapar Nagar, Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 49,000/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1-3-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA

Patna, 24th February 1976

Ref. No. III-142/Acq/75-76/2196.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot Nos. 481/C/8, 481/C/9, 481/B/7 and 481/D/3 situated at Ranchi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-1-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Parmanand Churiwalla & others
of 4, Sterndale Road, Alipore, Calcutta.
(Transferor)

(2) /M/s. Bihar Udyog, Ranchi,
Through, Sri Sriram Sharma.
(Transferee)

(3) Transferor.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 27 Katha with building, godown etc. at Ranchi Plot Nos. 481/C/8, 481/C/9, 481/B/7 and 481/D/3 as described in deed No. 14034 dated 11-7-75.

A. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 24-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA

Patna, 24th February 1976

Ref. No. III-143/Acq/75-76/2197.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. H. No. 119(old), K. No. 461 situated at Mohammadpur Kazi, Muzaffarpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 2-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shrimati Satbant Kaur w/o Sri Manohar Singh, self and Rajendra Kaur Mahendra Kaur, Inderjeet Kaur Chabla, Manjit Kaur Anand & Surjeet Kaur Nandan all daughters of Sri Manohar Singh of 17/8 East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shrimati Bhagwat Kaur w/o Sardar Mohar Singh and Smt. Herjeet Kaur w/o Sardar Mahendra Singh of Nurullahpur, P.O. Ramana, Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 2 K. 10 Dhur with building of at Mohammadpur Kazi, Muzaffarpur, Khata No. 119(old) etc as described in deed No. 10379 dated 2-7-75.

A. K. SINHA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 24-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA

Patna, the 24th February 1976

Ref. No. III-144/Acq/75-76/2198.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 39 situated at Danda, Chakradharpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 25-7-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Sailendra Nath Chatterjee of 43/5, Loknath Chatterjee Lane, Sibpur, Howrah, Smt. Binapani Devi of 43/1 Loknath Chatterjee Lane, Sibpur, Howrah and Smt. Ivarani Devi of 103A Sitaram Ghosh Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Binay Kumar Kejriwal S/o Sri Sanwamal Kejriwal of Chakradharpur, Singhbhum

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land area 1-16 Acres at Village Danda, P.S. Chakradharpur H. No. 39 of Chakradharpur Municipality as described in deed No. I-4297 dated 25-7-75.

A. K. SINHA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 24-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA

Patna, 24th February 1976

Ref. No. M-145/Acq/75-76/2199.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M.S. Plot No. 1449 (part)
situated at Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 31-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Anna Ghosh w/o Late Dr. Hemendra Nath Ghosh
of 6, Belvedere Road, Alipore, Calcutta-27.
(Transferor)

(2) Shri Dr. Sachit Kumar Sahu & Sri Ajit Kumar Sahu, sons of Sri Suroj Prasad Sahu,
Upper Bazar Ranchi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and pared of land area 1 Bigha 6 katha 14 ch. with buildings structure, compound well, well etc. being the part of Ranchi M.S. Plot No. 1449 at Ranchi as described in deed No. 1-4436 dated 31-7-75.

A. K. SINHA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 24-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Parmanand Churiwalla
of 4, Sterandale Road, Alipore, Calcutta-27.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) M/s. Bihar Udyog Ranchi
Through, Sri Sriram Sharma,
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA

Patna, the 24th February 1976

Ref. No. III-146/Acq/75-76/2200.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot Nos 481/C/7, 481/D/1, 481/D/2, situated at Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-7-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 29 kathas with godown etc in ward No. VI of Ranchi town, Plot Nos. 481/C/7, 481/D/1 and 481/D/2 as described in deed No. I-4089 dated 15-7-75.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 24-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA

Patna, the 2nd March 1976

Ref. No. III-147/Acq/75-76/2262.—Whereas, A. K. SINHA, Inspecting Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per deed No. I-4295

situated at Nayagaon P.S. Jamalpur, Monghyr (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-7-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
24—516GI/75

(1) S/Shri Dr. Arun Kr. Dutta, Deepak Kr. Dutta, Tapan Kr. Dutta, Bhaskar Dutta of 149, S.P. Mukherjee Road, Calcutta-26, Smt. Irani Guha Roy of 1-A.R. Road Calcutta-26 Smt. Iva Mitra of 3/6 Akbar Road, Durgapur-4, Burdwan.

(Transferor)

(2) Smt. Lilabati Devi of Kalyanpur, P.O. Ghorghat, P.S. Haveli Khargpur, Dt. Monghyr.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two piece & parcel of land area 11 K. 12½ Dhurki and 5 K. 9 Dhur 1½ Dhurki with a building thereon, the premises known as spring Filed, situated at Nayagaon, P.S. Jamalpur, Dt.-Monghyr, as shown in deed No. I-4295 dated 25-7-75.

A. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 2-3-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi, the 1st March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1088/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-43, situated at Bali Nagar, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Bimla Devi w/o Sh. Om Parkash,
r/o I-173 Rajouri Garden, New Delhi,
(Transferor)

(2) 1. Shri Gurcharan Singh s/o S. Kala Singh,
2. Smt. Mohinder Kaur w/o Sh. Gurcharan Singh,
r/o D-32, Bali Nagar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold plot of land measuring 244.5 sq. yds bearing plot No. 43 in Block E situated at Bali Nagar, on Najafgarh Road, New Delhi & bounded as under:—

North : Road 30' wide
South : Lane 15' wide
East : Plot No. 42
West : Plot No. 44.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 1-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi, the 1st March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1089/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 13 Block 14 (14/13) situated at East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the the Registering Officer at Delhi in July, 1975, for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kamla Sethi w/o Sh. Jagdish Chand Sethi, r/o 14/13, East Patel Nagar, New Delhi as regd. General Attorney of Smt. Sheela Sodhi w/o Sh. Kalwant Singh Sodhi r/o D-II/11 N.P.L. Colony New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Jagdish Chand Sethi s/o Shri Jai Ram Dass Sethi, r/o 14/13, East Patel Nagar, New Dehli. (Transferee)
- (3) 1. Shri D. D. Mehta
2. Sh. Subhash Chand Khanna
3. Mr. B. N. Chirango
4. Smt. Nirmala, r/o 14/13, East Patel Nagar, New Delhi [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

21 storeyed house constructed on a plot of land measuring 200 sq. yds situated at Plot No. 13 in Block 14 East Patel Nagar, New Delhi and bounded as under :—

North : Lane
South : Road
East : Property No. 14/14
West : Property No. 14/12.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 1-3-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

Ref. No. IAC/Acq.II/1090/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-544, situated at Majlis Park Colony, Delhi-33 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shori Lal s/o Sh. Ramditta Mal,
r/o B-149 Majlis Park, Delhi-33.
(Transferor)
- (2) Shri Sukh Dayal Dadu s/o L. Sh. Ram Saran Das Dadu,
2. Smt. Santoshwati Dadu w/o
Sh. Sukh Dayal Dadu,
3. S/Sh. Ved Parkash Dadu,
4. Lait Mohan Dadu,
5. Vimal Kant Dadu sons of
Shri Sukh Dayal Dadu, r/o
24-A Jawahar Nagar, S/Mandi,
Delhi-7.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1½ storeyed house constructed on a plot of land measuring 111 sq' yds situation at Plot No. 544 in Block Majlis Park Colony, Delhi-33 and bounded as under :—

North : Road
South : Plot No. 524
East : Plot No. 543
West : House on No. 545.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 1-3-1976

Seal :

FORM ITNS ———

- (1) S/Sh. Joginder Pal
2. Jugal Kishore
3. Manohar Lal sons of Sh. Hans Raj, r/o
10/8 Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Ved Parkash Bhatia s/o
Sh. Faqir Chand, r/o
10/8 Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi-1, the 1st March 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective person, whichever period expires later :

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house construction of plot of land measur-
ing 100 sq. yds situated at plot No. 10/8, Ramesh Nagar,
New Delhi and bounded as under :—

North : Plot No. 7
South : Plot No. 9
West : Lane
East : Road.

Ref. No. IAC/Acq.II/1091/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 10/8, situated at Ramesh Nagar, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in July, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 1-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi-1, the 1st March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1092/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/4 undivided share of 29/77 situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pribhadas Tarachand Sipahimalani s/o Sh. Tarachand, r/o M-63, Connaught Circus, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Hardeep Singh s/o Sh. Balbir Singh r/o J-13/23-G, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of a plot of land measuring 555.55 sq. yds (whole plot measuring 2222.22 sq. yds) bearing plot No. 29 Road No. 77 Punjabi Bagh, area of Village Bassaidarapur, Delhi and bounded as under:—

North: Plot No. 27
South: Plot No. 31
East: Road No. 77
West: Service Lane.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 1-3-1976
Seal:

FORM ITNS—

(1) Shanti Devi w/o Sh. Ram Gopal Bhargava,
r/o 1 State Bank Colony, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Rani Jain w/o
Sh. Jain Bhagwan Jain
r/o 178, Gali Kinari, Naya Bans,
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi, the 1st March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1093/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the imovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 1/2 undivided share of 204 situated at Gali Kinariwali, Naya Bans, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said imovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

1/2 undivided share of 2½ storeyed building constructed on a plot of land measuring 116 sq. yds. situated at No. 204 Gali Kinari Wali, Naya Bans, Delhi.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-3-1976
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Tula Singh s/o Sh. Santa Singh
r/o 20 North Avenue Road, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi-1, the 1st March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1094/75-76.—Whereas, I, S. N. L.
AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

1/2 share of G-81

situated at Bali Nagar, New Delhi

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Delhi in July, 1975,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen percent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act', in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (2) Smt. Vidyawati w/o Capt. S. T. Sharma,
r/o 1529 Naiwala, Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons whichever period
expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of a single storyed house constructed on a plot
of land measuring 182 sq. yds bearing plot No. 81 in Block
'G' situated at Bali Nagar on Najafgarh Road, Delhi and
bounded as under :—

North : Road
East : Plot No. G-82
South : Service Lane
West : Plot No. G-80

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 1-3-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Tulsā Singh s/o S. Santa Singh,
r/o 20 North Avenue Road, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Vidya Wati w/o Capt. S. T. Sharma,
r/o 1529, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

New Delhi-1, the 1st March 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of the notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq.II/1095/75-76.—Whereas, I, S. N. L.
AGARWALA,

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
1/2 share of G-81 situated at Bali Nagar, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at
Delhi in July, 1975,
for an apparent
consideration which is less than the fair market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

1/2 share of a single storeyed house constructed on a
plot of land measuring 182 sq. yds bearing plot No. 81
in Block 'G' situated at Bali Nagar on Najafgarh Road,
Delhi and bounded as under :—

North : Road
South : Service Lane
East : Plot No. G/82
West : Plot No. G-80

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II,

Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

25—516/G175

Date : 1-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Des Mitter Mehta s/o
Sh. S. P. Mehta
r/o 7 Arya Nagar, Ghaziabad,
Distt. Meerut (U.P.).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi-1, the 1st March

Ref. No. IAC/Acq.II/1096/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-1, situated at Bali Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

- (2) 1. Shri Ved Parkash Dua s/o
Sh. Sharma Ram Dua
2 Smt. Devi Bai w/o
Shri Tulsi Dass Chawla,
r/o 246F/6 Sudershan Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold plot of land measuring 300 sq. yds bearing plot No. 1 Block 'E' situated in the residential colony known as Bali Nagar, New Delhi and bounded as under:—

North : Road 15' wide
South : Road 15' wide
East : Road 15' wide
West : Plot No. E-2

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 1-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
New Delhi-1, the 26th February 1976

New Delhi, the 26th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1097/75-76.—Whereas, I. S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Portion of 3465-66, situated at Nicholson Road, Kashmere Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Manmohan Lal s/o Sh. Lal Chand,
r/o 34/0, Nicholson Road, Delhi-2.
Manohar Lal s/o Shri Sunder Dass,
r/o 2543, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Amarwati Wahi w/o
Sh. Srikishan Wahi
r/o 3466 Nicholson Road,
K. Gate, Delhi.

(Transferee)

(3) M/s Shamime Naz Perfumery Co.
2. Shibban
3. M/s. P. Tolaram & Sons
r/o 3465-66, Nicholson Road,
K. Gate, Delhi.

[Person in occupation of the property]

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of 3 storeyed house constructed on a plot of land measuring 93.4 sq. yds situated at 3465-66 Nicholson Road, Kashmere Gate, Delhi and bounded as under :—

North : Property No. 3472

South : Street

East : Remaining portion of property.

West : Property No. 3473.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 26-2-1976

Seal

FORM ITN6

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi-1, the 28th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2250/1098/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G-28 situated at Bali Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in July, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Nanak Chand s/o Sh. Hari Chand,
r/o F-68, Mansrover Garden, New Delhi-15 general attorney of Sh. Pran Nath s/o Sh. Dwarka Nath Gulati r/o F-13/6, Model Town, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Tulsa Singh s/o Sh. Santa Singh,
r/o 20 North Avenue, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land measuring 200 sq. yds bearing Plot No. G-28, Bali Nagar, Najafgarh Road, New Delhi and bounded as under :—

North : Road
South : Service Lane
East : Plot No. G-29
West : Plot No. G-27.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 26-2-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi-1, the 26th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1099/2221/75-76.—Whereas, I, S.
N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No. 3/88 situated at Ramesh Nagar, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering officer at Delhi in July 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Said Act,
in respect of any income arising from the
transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys of other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Sham Sunder s/o Sh. Chaman Lal
r/o G-49 Kirti Nagar, New Delhi as Regd. General
Attorney of Smt. Saraswati Devi w/o
Sh. Des Raj
2. Sh. Gulshan Kumar s/o Sh. Des Raj
r/o 3/88 Ramesh Nagar, New Delhi.
(Transferee)

- (2) Smt. Bimla Kumari w/o
Shri Hind Parkash,
r/o 3/88, Ramesh Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Government built Quarter No. 3/88 Ramesh Nagar, New
Delhi constructed on a plot of land measuring 100 sq. yds
and bounded as under :—

North : G.B.P
South : G.B.P
East : Road & Park
West : Gali.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 26-2-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Mangal Sain Tandon s/o
Shri Sardar Mal
r/o B-9 Gujarawalan Town,
Delhi-9.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Anaro Sharma s/o
Shri Vidya Sagar Sharma, r/o
C-11/5, Model Town, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi, the 1st March 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act, shall have the same meaning as
given in that chapter.

THE SCHEDULE

First floor of 24 storeyed house constructed on a plot of
land measuring 215 sq. yds. situated at No. C-11/5 Model
Town, Delhi and bounded as under :—

North : House No. C-11/6

South : Gali & Corpn. qurs.

East : House No. C-11/3

West : Remaining portion of property No. C-11/5.

Ref. No. IAC/Acq.II/1100/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

First Floor of C-11/5 situated at Model Town, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Regis-
tering Officer at
Delhi in July, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act, in respect of any income arising from
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said
Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the follow-
ing persons, namely :—

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 1-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mangal Sain Tandon s/o Shri Sardar Mal
r/o B-9 Gujranwala Town, Delhi-9.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi, the 1st March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1101/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ground Floor of C-11/5 situated at Model Town Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) of the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(2) Smt. Anaro Sharma w/o
Shri Vidya Sagar Sharma, r/o
C-11/5 Model Town, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the Said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor of 2½ storeyed house constructed on a plot of land measuring 215 sq. yds situated at No. C-11/5 Model Town, Delhi and bounded as under :—

North : House No. C-11/6
South : Gali & Corpn. qurs.
East : House No. C-11/3
West : Remaining portion of property No. C-11/5.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Income-Tax
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 1-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27, the 13th February 1976

No. C.R. No. 62/4705/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop Nos. 29, 30 and 31 "Krishna Buildings" Avenue Road, situated at Bangalore City (Division No. 41), (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 1460/75-76 on 2-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Smt. Lalithamma, D/o Munimallappa alias Abbaye (2) Sri Sudheer Chandra (3) Sri Mahesha Chandra.
Sons of Smt. Lalithamma.
All residing at :—No. 1254, K. M. Puram, Mysore City.
(Transferor)
- (2) Shri M. B. Ramappa, S/o B. Muniswamappa, No. 53, Railway parallel Road, Kumarapark West, Bangalore-20.
(Transferee)
- (3) (1) M/s. Bangalore Press Agencies
(2) M/s. Gopalan and Co.,
[Person (s) in occupation of the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1460/75-76 dated 2-7-75]
Shop Nos. 29, 30 and 31 'Krishna Buildings', Avenue Road, Bangalore City (Division No. 41)

Site Area :—

East to West : On the Northern side = 38 ft.
East to West : On the Southern side = 43 ft.
North to South : On the Eastern side = 9 ft. 9"
North to South : On the Western side = 31ft. 3"
800 Sq. ft.
Plinth : 13 squares.

Boundries :

East : Common passage and Latrine,
West : Avenue Road,
North : Property belonging to Sri K. R. Prabhu,
South : Property belonging to M/s. Mysore Electric Contractors/Association and Indian Coffee Board.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore

Dated : 13-2-76

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. P. Velammal, No. 144, 'D' Block, Champion Reefs, P.O. Kolar Gold Fields.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. Chelvaraj, No. 74, 14th Cross, Lakshmi-puram, Ulsoor, Bangalore-8.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27, the 17th February 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

C.R. No. 62/4544/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant site No. 10, (Carved out of S. No. 43/1) situated at 16th Cross, Lakshmi-puram, Ulsoor, Bangalore-8, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore Document No. 1208/75.76 on 7-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

26—516GI/75

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1208/75.76 dated 7-7-75]
Vacant site No. 10 (Carved out of S. No. 43/1), 16th Cross, Lakshmi-puram, Ulsoor, Bangalore-8.

Site Area :—

East to West : On the Northern side = 42' 5"

North to South : On the Southern side = 42' 6"

North to South : 30'
1768 Sq. ft.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Dated : 17-2-76.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27, the 13th February 1976

C.R. No. 62/4545/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being a corner site with an old house of Western portion of premises No. 130 (old No. 18), Wheeler Road, Cox Town Civil Station, situated at Bangalore-5. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shrivajinagar, Bangalore Document No. 1223/75.76 on 7-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. Clarence Soares, Administrator to the Estate of late Appollon Caetano D'Souza (also known as A. C. D'Souza) presently residing at : Khan Mansion, III Victoria Cross Lane, Byculla, Bombay-27 and represented by his duly constituted Attorney Mr. George Da-costa, Advocate, 31/1, M. G. Road, Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) Shri B. V. Govindarajulu, S/o B. Venkata Krishnaih, No. 33/2, Thamboo Chetty Road, Cox Town, Civil Station, Bangalore.

(Transferee)

(3) (1) Sri Frances (2) Smt. Mariyamma, (3) Sri Ahmed Shaiif, (4) Sri Reuben, (5) Mr. Khan, (6) Sri Suthivan, (7) Sri Shamala Rao (8) Sri Papaiah All residing at 130, Wheeler Road, Bangalore.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1223/75.76 dated 7-7-75]

The property being a corner site with an old house of Western portion of premises No. 130 (old No. 18), Wheeler Road, Cox Town, Civil Station, Bangalore-5.

Site Area :—

North to South : 50'.104"
East : 80'.2" and
West : 80'

4070 Sq. ft.

Plinth : Main Building=742 Sq. ft.

Out house=296'

Total 1038'

Boundaries :—

North : Wheeler Road,
South : Conservancy,
East : Remaining portion of premises No. 130, (old No. 18), Wheeler Road, Sold to Mrs. Gunavathi Ram-mohan Das,
West : Webster Road.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore

Date : 13-2-76

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27, the 13th February 1976

C.R. No. 62/5347/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site with an old building of Eastern portion of Premises No. 130 (old No. 18), Wheeler Road, Cox Town, Civil Station, situated at Bangalore-5. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore Document No. 1224/75.76 on 7-7-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mr. Clarence Soares, Administrator to the Estate of late Appollon Caetano D'Souza (also known as A.C. D'Souza) presently residing at: Khan Mansion, 111 Victoria Cross Lane, Byculla, Bombay-27 and represented by his duly constituted Attorney Mr. George da Costa, Advocate, 31/1, M. G. Road, Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) Mrs. Gunavathi Ram Mohan Das, W/o Sri Ram Mohan Das, (D/s Mr. R. Narayanappa), presently at 35-54, 87th Street, Jackson Heights, New York, 11372, U.S.A., represented by her General Power of Attorney Holder Shri R. Narayanappa, Advocate, No. 78, Wheeler Road, Cox Town, Civil Station, Bangalore-5.

(Transferee)

(3) (1) Sri Frances, (2) Smt. Mariamma, (3) Sri Ahmed Shariff, (4) Sri Renben, (5) Mr. Khan, (6) Sri Suthivan, (7) Sri Shamala Rao and (8) Sri Papaiah all residing at 130, Wheeler Road, Bangalore-5.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1224/75-76 dated 7-7-75]

Site with an old building of Eastern portion of premises No. 130 (old No. 18), Wheeler Road, Cox Town, Civil Station, Bangalore-5.

Site Area:—

North: 50'.10 1/2"

South: 50'.10 1/2"

East: 80'.6" and

West: 80'.2"

4080 Sq. Ft.

Boundries

North: Wheeler Road,

South: Conservaency

East: G. M. Viswanath Iyer's property and

West: remaining portion of premises No. 130, Wheeler Road sold to Mr. B. V. Govindarajulu.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 17-2-76

Seal:

FORM ITNS—

(1) Shrimati Shantha Rao, W/o Sri H. R. Suryanarayana Rao, C/o Sri H. R. Sathyanarayana Rao, No. B-11, Shankara Park, Shankarapuram, Basavana-gudi, Bangalore-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27, the 16th February 1976

C.R. No. 62/4550/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. The property being a corner vacant C.I.T.B. site No. 302, Bhinnamangala Extension, situated at Bangalore, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore Document No. 1288/75-76 on 11-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri B. Krishnamurthy, S/o Balasubramanyam, No. 66, Old Post office Road, II Stage, Indiranagar, Bangalore-38.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-in as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1288/75.76 dated 11-7-75]

The property being a corner vacant C.I.T.B. site No. 302, Bhinnamangala Extension, Bangalore.

Site Area :—

East to West : 90'
North to South : 60' + 63'
2

5580 Sq. ft.

Boundries :—

East : Road
West : Site Nos. 279 and 280,
North : Road and
South : Site No. 301.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 16-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

- (1) (1) Smt. Vitto Bai, W/o Sri B. N. Surendra, (2) Miss B. S. Usha, D/o Sri B. N. Surendra, No. 12/1, Kothari Road, Nungambakkam, Madras-34.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27, the 13th February 1976

C.R. No. 62/4611/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One half of undivided share in all, the premises presently bearing vacant plot No. 21, in the layout formed on portion of Survey No. 112, situated at K. G. Baiderahalli Village, (Division No. 46), Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 1682/75-76 on 21-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27th of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (2) M/s. Usha Financier, Registered partnership firm with Registered office at No. 36, Abhinipukur Road, Calcutta-19, represented by its partner Smt. Sushmakapur, No. 3/11, Kaveriyappa Layout, Miller Tank Bund Road, Bangalore-52.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1682/75-76 dated 21-7-75]

One half of undivided share in all the premises presently bearing vacant plot No. 21 in the layout formed on portion of Survey No. 112, Situated at K. G. Baiderahalli village, Bangalore (Division No. 46).

Total site area

one half of

East : 98' 4"

West : 49' 3"

North : 118'

South : 136'

} Total site Area : 9298 Sft.

Boundries:—

East : Plot No. 22,

West : 49' 3"

North : 25' Wide Road and

South : Property and pathway leading to Anjaneya Temple.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,

(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore)

Dated : 13-2-76

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dilip S. Balamore, S/o Sri B. N. Surendra at present New York City, U.S.S. represented by his power of Attorney holder Shri B. N. Surendra, No. 12/1, Kothari Road, Nungambakkam, Madras-34.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 13th February 1976

C.R. No. 62/4612/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One half of undivided share in all the premises presently bearing vacant plot No. 21, in the layout formed on portion of Survey No. 112, situated at K. G. Baiderhalli village, (Division No. 46) Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Document No. 1683/76-76 on 21-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s Usha Financier,
Registered partnership firm with registered office at No. 36, Abirupukur Road, Calcutta-700019 represented by its partner Smt. Sushma Kapur, No. 3/11, Kaveiyappa Layout, Miller Tank Bund Road, Bangalore-52.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1683/75-76 dated 21-7-75]

One half of undivided share in all the premises presently bearing vacant plot No. 21, in the layout formed on portion of Survey No. 112, situated at K. G. Baiderahalli Village, Bangalore, (Division No. 46).

Total Site area :

One half of

East : 98' 4"	} Total Site Area, 92.98 Sq. ft.
West : 49' 3"	
North : 118'	
South : 136'	

Boundries :—

East : Plot No. 22,
West : Foot path and Nandidrug Road,
North : 25' Wide Road and,
South : Property and pathway leading to Anjaneya Temple.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,

(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore)

Dated : 13-2-76.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Dilip S. Balamore S/o Shri B. N. Surendra, Presently at New York City, U.S.A. represented by his General Power of Attorney Holder Shri B. N. Surendra No. 12/1, Kothari Road, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27, the 13th February 1976

C.R. No. 62/4613/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One half of undivided share in all the premises presently bearing vacant plot No. 22, in the layout formed on portion of Survey No. 112, situated at K. G. Baiderahalli Village, Bangalore (Division No. 46), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Document No. 1684/75-76 on 21-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) M/s. Rarchand Jagdishchand, Registered partnership firm with its Registered office at No. 53, Radha Bazar Lane, Calcutta-700001 represented by its partner Shri Narendrachand Kapur, No. 3/11, Kaveriyappa Layout, Miller Tank Bund Road, Bangalore-52.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1684/75-76, dated 21-7-75]

One half of undivided share in all the premises presently bearing vacant plot No. 22, in the layout formed on portion of S. No. 112, K. G. Baiderahalli Village, Bangalore (Division No. 46).

Total Site Area :

one half of

East : 103'
West : 98'.4"
North : 141' and
South : 39'.6''+50'

} Total Site area=9,300 Sq. ft.

Boundries :—

East : Property belonging to M/s. Bangalore Woollen Cotton and Silk Mills Ltd.,
West : Plot No. 21,
North : 25' Wide Road and
South : Property and path leading to Anjaneya Temple.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,

(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore)

Date : 13-2-76

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati S. Vitto Bai, W/o Sri B. N. Surendra, (2),
Miss B. S. Usha, D/o Sri B. N. Surendra, No. 12/
1, Kothuri Road, Nungambakkam, Madras-34.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-

MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 13th February 1976

C.R. No. 62/4614/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One half of undivided share in all the premises presently bearing vacant plot No. 22, in the layout formed on portion of Survey No. 112, situated at K. G. Baiderahalli Village, Bangalore (Division No. 46), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Document No. 1685/75-76 on 21-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) M/s. Ramchand Jagadishchand,
Registered partnership firm with its registered office at No. 53, Radha Bazar Lane, Calcutta-700001, represented by its partner Shri Narendrachand Kapur, No. 3/11, Kaveriyappa Layout, Miller Tank Bund Road, Bangalore-52.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1685/75.76 dated 21-7-1975]

One half of undivided share in all the premises presently bearing vacant plot No. 22, in the layout formed on portion of Survey No. 112, K. G. Baiderahalli Village, Bangalore (Division No. 46).

Total Site area

one half of

East : 103'	}	Total site Area 9,300 sft.
West : 98'.4"		
North : 141'		
South : 39'.6" + 50'		

Boundries :—

East : Property belonging to M/s Bangalore Woollen Cotton and Silk Mills Ltd.,
West : Plot No. 21,
North : 25' Wide Road and
South : Property and path leading to Anjaneya Temple.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority.

(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore)

Date : 13-2-76

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri M. M. T. Muniswamappa, (Minor) represented by his father and natural Guardian Sri M. M. Thimmaiah, No. 10/11, Thoppai Mudaliar Street, Civil Station, Bangalore-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27, the 17th February 1976

C.R. No. 62/4618/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant plot bearing Municipal No. 93-G, Nandidurga Road, (46th Division), situated at Bangalore-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Document No. 1723/75-76 on 24-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
27—516GI/75

(2) Shrimati A. H. Pushpam, W/o Sri R. Aravamudhan, (Asst. Tata Oil Mills Co. Ltd., Sales office, 2-A, M. G. Road, Bangalore-1), residing at No. 14, Kengal Henumanthaiah Road, Bangalore-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1723/75.76 dated 24-7-1975]

Vacant plot bearing Municipal No. 93-G, Nandidurga Road, (Division No. 46), Bangalore-6.

Site Area :—

East to West : 39' 9" } 2624 Sq. ft.
North to South : 66'

Boundries :—

North : Site No. 93-F,
South : Site No. 93-H,
West : Layout Road of 30' width and
East : Private property.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,

(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Dated : 17-2-76

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 17th February 1976

C.R. No. 62/4619/75-76/ACQ/B.—Whereas, I. R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant corner plot bearing Municipal No. 93-F, Mandidurg Road (Division No. 46), situated at Bangalore-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhi Nagar Bangalore, Document No. 1724/75-76 on 24-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri M. M. T. Buniswamappa (Minor) Rep. by his father and natural Guardian Shri M. M. Thimmaiah, 10/11, Thoppai Mudaliar Street, Civil Station, Bangalore-1.
(Transferor)
- (2) Kumari F. Soundarambal, D/o Late I. Forpandy No. 14, Kengal Hanumanthiah Road Bangalore-27.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1724/75-76, Dated 24-7-1975]
Vacant corner plot bearing Municipal No. 93-F, Nandidurg Road, (Division No. 46), Bangalore-6.

Site area :

East to West : 39'—9" }
North to South : 66' } 2624 sq. ft.

Boundaries :

North : Layout road of 30' width
South : Site No. 93-G
West : Layout road of 30' width
East : Private property.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date : 17-2-1976
Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 13th February 1976

C.R. No. 62/4532/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Site No. 38, (New No. 24), situated at 29th Cross Road, VII Block, Jayanagar, Bangalore-11, (Division No. 34).

(and more fully described in the schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jayanagar, Bangalore, Document No. 1243/75-76 on 7-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri B. Ramachandra Naidu,
No. 126, 28th Cross Road,
VII Block, Jayanagar, Bangalore-11. (Transferor)

(2) (1) Shri E. L. Venkateshiah Setty,
(2) Shri E. V. Subbaiah,
No. 18, Market Road, Basavanagudi, Bangalore-4. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1243/75-76, dated 7-7-1975]
Site No. 38 (New No. 24), 29th Cross Road, VII Block, Jayanagar, Bangalore-11, (Division No. 34).

Site area :

East to West : 70 ft. }
North to South : 120 ft. } 8400 sq. ft.

Boundries :—

East : Site No. 39
West : Site No. 37,
North : 29th Cross Road and
South : Site No. 47.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date : 13-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 17th February 1976

C.R. No. 62/4675/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential premises No. 63, situated at Banashankari (and more fully described in the 1st Stage, Srinagar, Bangalore-50,

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Basavanagudi, Bangalore. Document No. 1382/75-76 on 10-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri T. R. Rangaswamy, No. 36, Ramachandra Aghara V. Main Road, Chamrajpet, Bangalore-18.
(2) Sri T. R. Krishnamurthy, State Bank of India, Madras.
(Transferor)

- (2) (1) Shri A. V. Subbramanyam,
(2) Smt. A. R. Saroja, w/o Sri A. V. Subramanyam, Both residing at No. 63, Banashankari 1st Stage, Srinagar, Bangalore-50.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1382/75-76, dated 10-7-1975]

Residential premises No. 63, Banashankari 1st Stage, Srinagar, Bangalore-50.

Site area :

40 ft. \times 60 = 2400 sq. ft.
Plinth : 6.75 sq.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date : 17-2-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMI-
SSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 13th February 1976

C R. No. 62/4702/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISH-
NAMOORTHY,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition
Range, Bangalore,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. The property bearing Municipal No. 53, (Residential)
and Municipal Nos. 53 and 54 (non residential) Old No. 47
New Nos. 87 and 88, situated at Belli Basavanna Temple
Street, Mamulpet, Bangalore-53,(and more fully described in the Scheduled annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Gandhinagar, Bangalore, Document No. 1456/75-76 on
3-7-1975,for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said
Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the fol-
lowing persons, namely :

(1) Shri B. M. Aswathnarayana Setty, S/o Shri Madha-
vaiah Shetty, Jewellers and Merchant, Main Road,
Magadi Town, Bangalore Distt.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Gulabi Bai w/o Late Harakchand,
(2) Sri Chouthmal H. Jain,
(3) Sri Mangilal H. Jain,
(4) Sri Kantilal H. Jain,
(5) Sri Parasmal H. Jain,
(6) Sri Mulchand H. Jain
and (Minor) } S/o Late Shri
Shah Rantnaji
Harakchand
(7) Sri Nemichand H. Jain }

All residing at No. 87, Belli Basavanna Temple
Street, Mamulpet, Bangalore-53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'Said
Act' shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1456/75-76, dated 3-7-1975]
The property bearing Municipal No. 53, (Residential)
and Municipal Nos. 53 and 54 (Non Residential), Old No.
47 and New Nos. 87 and 88 situated at Belli Basavanna
Temple Street, Mamulpet, Bangalore-53.

Site area :

East to West : 20½ ft. }
North to South : 51½ ft. } 1020 sq. ft.

Boundaries :

East : House belonging to Sri Gowribidanur Surayya
Setty,
West : House belonging to M/s. Marulasiddappa and
Siddappa,
North : House belonging to Shri Dhonadale Muniswa-
misa and the Vendor and
South : Road.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore)

Date : 13-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 20th February 1976

C.R. No. 62/4615/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. II and III Floors of the portion of the property No. 2/1, New No. 41, situated at Uttaradi Mutt Lane, Chickpet, Bangalore, (Division No. 16),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 1700/75-76 on 1-7-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition in persons, namely:—

- (1) (1) Smt. M. Siddabasamma W/o Sri K. R. Ranjasekharappa,
(2) Sri K. R. Rajasekharappa S/o Sri Rudrappa,
Both residing at No. 189, Dattatreya Extension,
Gavipuram Guttahalli, Bangalore City.
(Transferor)
- (2) Shri P. Mahaveerchand S/o C. Pannalal,
Prop. Prakash and Co.,
No. 44/46, Chandani Mansion,
Jumma Masjid Road, Bangalore City.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1700/75-76, dated 1-7-1975]
II and III Floors of the portion of the property No. 2/1, New No. 41, Uttaradi Mutt Lane, Chickpet, Bangalore.
(Division No. 46).

Site area :

East to West : 27½ ft.

North to South : 19½ ft

Plinth :—

II Floor 5½ sq.	} Total
III Floor 1 sq.	

As per the Proforma reply filed by the transferee.

Boundries :—

East : Road

West : Open space of 3 ft. width belonging to this property and house property of Kamalabai.

North : House of K. Thiembakappa

South : House of Rama Sastry.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date : 20-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 19th February 1976

C.R. No. 62/4710/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ground Floor of the portion of the property No. 2/1, New No. 41, situated at Uttaradi Mutt Lane, Chickpet, Bangalore (Division No. 16), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 1492/75-76 on 5-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Smt. M. Siddabasamma W/o Sri K. R. Rajasekharappa
(2) Sri K. R. Rajasekharappa S/o Sri Rudrappa
Both residing at :—
No. 189, Dattatreya Extension, Gavipuram Gutta-halli, Bangalore City.

(Transferor)

- (2) Smt. Sunderbai w/o C. Pannalal,
No. 6/11, I Floor, 7th Cross,
Rangaswamy Temple Street Bangalore City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1492/75-76, dated 5-7-1975]
Ground Floor of the portion of the property No. 2/1, New No. 41, Uttaradi Mutt Lane, Chickpet, Bangalore, (Division No. 16).

Site area :

East to West : 27½ ft.
North to South : 19½ ft.

Plinth :—

Ground floor 5 squares—As per form No. 37-G.

Boundaries :

East : Road,
West : Open space of 3 ft. width belonging to this property and house property of Kamala Bai,
North : House of K. Thiembakappa,
South : House of Sri Rama Sastry.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 24th February 1976

C.R. No. 62/4681/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Western portion of premises bearing No. 35, situated at Main Road, New Tharagupet, Bangalore-2. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore. Document No. 1275/75-76 on 3-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri M. Krishna Rao Shindhe, s/o Late Muthof Rao Shindhe,
Prop. Shivaji Soapnut and Oil Mills, New Tharagupet, Bangalore-2.

(Transferor)

(2) Shri P. Balaji Babu, (Minor),
Represented by his natural guardian father Shri P. Venkatachalapathy,
Merchant, No. 61/62, East Park Road,
Malleswaram, Bangalore-3.
(Partner in M/s Balaji Oil Traders, Plot Form Road, Bangalore).

(Transferee)

(3) (1) M/s. Una Road Lines.

(2) M/s. Ambal Transport

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1275/75-76, dated 3-7-1975]
Western portion of premises bearing No. 35, IV Main Road, New Tharagupet, Bangalore-2.

Site area :

North to South : 45 ft. }
East to West : 25 ft. } 1125 sq. ft.

Boundaries :

East : The other portion of No. 35, where Shivaji Oil Mills situated including the wall.
West : IV Main Road New Tharagupet.
North : The other portion of the same premises No. 35,
South : Common passage measuring 5 ft. common to this property and other properties and beyond that Shri Papanna's house.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 24-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 24th February 1976

C.R. No. 62/4682/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Western portion of premises bearing No. 35, situated at IV Main Road, New Tharagupet, Bangalore-2, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrar at Basavanagudi, Bangalore. Document No. 1274/75-76 on 3-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—516GI/75

(1) Shri M. Krishna Rao Shindhe, s/o Late Muthoji Rao Shindhe,
Prop. Shivaji Soapnut and Oil Mills, New Tharagupet, Bangalore-2.

(Transferor)

(2) Shri P. Venkatesh Babu, (Minor).
Represented by his natural guardian father Shri P. Venkatachalapathy,
Merchant, No. 61/62, East Park Road,
Malleswaram, Bangalore-3.
(Partner in M/s. Balaji Oil Traders, Plot Form Road, Bangalore).

(Transferee)

(3) (1) M/s. K. Mahadevappa
(2) Shri T. N. Thulsiram
[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1274/75-76, dated 3-7-1975]
Western portion of premises bearing No. 35, IVth Main Road, New Tharagupet, Bangalore-2.

Site area :

East to West : 25 ft. }
North to South : 45 ft. } 1125 sq. ft.

Boundaries :

East : The other portion of the same premises No. 35, where Shivaji Oil Mills situated including the wall.
West : IV Main Road, New Tharagupet.
North : II Cross Road and
South : The other portion of the same premises No. 35.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax

Acquisition Range, Bangalore

Date : 24-2-1976

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 19th February 1976

C.R. No. 62/4721/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site with Mud roofed old dilapidated house (northern portion) bearing old No. 21, New No. 24, situated at (Ground floor) Ranaveera Setty pet, Kilari Road, Bangalore-53. (Division No. 15) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 1565/75-76 on 10-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

- (1) (1) Smt. Sharadamma W/o Late Sri T. C. Chandrasekharaiah,
 - (2) Shri T. C. Lakshminarayana S/o Late T. C. Chandrasekharaiah,
 - (3) Sri T. C. Kedareswara alias Papaiah,
- All residing at : No. 24, Ranaveera Setty pet, Kilari Road, Bangalore-53.

(Transferor)

- (2) Shri B. D. Pirgal, (I.T.P.) s/o Sri D. P. Pirgal, "Vishwa Nilaya", Maistry Chikkanna Lane, Kilari Road, Cross, Bangalore-53.

OR

1st Floor, Chandra Buildings, Avenue Road, Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1565/75-76, dated 10-7-1975]
Site with Mud roofed old dilapidated house (Northern portion) bearing old No. 21, New No. 24 (Ground floor), Ranaveera Setty pet, Kilari Road, Bangalore-53 (Division No. 15).

Site area :

30 ft. × 30 ft. = 900 sq. ft.

Boundaries :

East : House of T. S. Aswathaiah,

West : House of Sri Govindappa,
Smt. Shantha.

North : Kilari Road and

South : Portion of the said premises sold in favour of
Smt. Shantha.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 19th February 1976

C.R. No. 62/4723/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. All that piece and parcel of land forming premises No. 56/2, situated at Munimarappa Cross Road, Civil Station, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 1570/75-76 on 10-7-1975 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati M. B. Sharadamma W/o Sri K. Marappa Reddy,
No. 55, Nandidurga Road, Bangalore-46.
(Transferor)
- (2) Shrimati K. Subhadra Bai D/o Kondoji Rao,
No. 56, Nandidurga Road, Bangalore-46.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1570/75-76, dated 10-7-1975]
All that piece and parcel of land forming premises No. 56/2, Munimarappa Cross Road, Civil Station, Bangalore-1.

Site area :

East to West : 100 ft. }
North to South : 102 ft. } 10,000 sq. ft.

Boundaries :

East : Premises No. 56/3, Munimarappa Cross Road,
West : Premises No. 50 and 51, Nandidurga Road,
North : Munimarappa Cross Road and
South : Premises No. 56, Nandidurga Road.

KRISHNAMOORTHY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

C.R. No. 62/4722/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site with an old building bearing Municipal No. 101 later Nos. 118 and E. 148 and 6 and present No. E. 148, situated at Pedikalpet Setty Muddanna Lane, 2nd Cross, Akkipet, Bangalore-2, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 1428/75-76 on 2-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Vana Myle Ammal, D/o Rangaswamy Chettiar, No. E. 148, Pedikalpet, Akkipet Cross Bangalore-53.
- (2) Smt. Sarojamma No. 8, Muthyalamma 'F' Street, Bangalore-1.
- (3) Smt. C. Tharabai D/o Pounammal and grand daughter of Rangaswamy Chettiar, No. 23, Police Lane 'C' Street, Civil Station, Bangalore-1.

(Transferor)

- (2) Sri Chandra Prakash Garg S/o Late Ramprasad, No. J-43(5), Santhusapet, Bangalore-53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1428/75-76, dated 2-7-1975]
Site with an old building bearing Municipal No. 101 later Nos. 118 and No. E. 148 and 6 and present No. E. 148, Pedikalpet, Setty Muddanna Lane, 2nd Cross, Akkipet, Bangalore-2.
Site area :

$$\frac{56' \times (39\frac{1}{2}' + 39\frac{1}{2}' + 24)}{2} = 2,678 \text{ Sq. ft.}$$

Plinth :—

Only Ground Floor approximately 8 squares (as per the proforma reply filed by the transferee).

Boundaries :

East : Municipal Drain, Common place and road,
West : Krishna Reddy Kumbara Puttappa and Begur Venkatappa's house.
North : House No. 117 and
South : House No. 119.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-2-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 19th February 1976

C.R. No. 62/4703/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site with building (Ground floor and 1st floor) bearing Municipal Old No. 18 and New No. 46, Aralpet (Gajje-bashetty lane), situated at Bhashyam Road Cross, Gajje bashetty lane, Bangalore (Division No. 19), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 1458/75-76 on 3-7-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (1) (1) Sri C. N. Jayadeva S/o Late Sri C. N. Nanjappa
 - (2) Sri C. J. Gurdev
 - (3) Miss C. J. Susheela Devi
 - (4) Sri C. J. Guruprasad
 - (5) Miss C. J. Swarna Gowri
 - (6) Miss C. J. Sumitra
- } Minors

Children of Sri C. N. Jayadeva Sl. No. 4, 5, & 6 are represented by their father and natural Guardian Sri C. N. Jayadeva.

(7) Smt. Subhadra W/o Late Sri C. N. Vijayadeva

(8) Sri C. N. Viswanath S/o Late Sri C. N. Nanjappa

(9) Sri C. V. Ranvindrath, Minors represented by their father and natural guardian Sri C. N. Viswanath

(10) Shri C. V. Vinoda

(11) Sri C. N. Gurunatha S/o Late Shri C. N. Nanjappa

(12) Sri Moolvika

(13) Sri Malatesha

(14) Miss Anupama

(Minors)

Represented by their father and natural guardian Sri C. N. Gurunatha.

(15) Smt. C. N. Chandramathi D/o Late Shri C. N. Nanjappa

All residing at old No. 18, New No. 46, Aralpet, Bhashyam Road Cross, Gajje Bashetty Lane, Bangalore.

(Transferor)

(2) Smt. G. M. Sarvamangala W/o Sri N. Rudrappa (d/o G. P. Mahadevappa, Old No. 18, New No. 46, Aralpet, Bhashyam Road Cross, Gajje Bashetty Lane, Bangalore.

OR

No. 1, Subramanya Lane, Akkipet, Bangalore City. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1458/75-76, dated 3-7-1975]
Site with building (Ground floor and 1st Floor) bearing Municipal old No. 18, New No. 46, Aralpet, Bhashyam Road Cross, Gajje-Bashetty Lane, Bangalore. (Division No. 19).

Site area :

East to West : 15 ft.

North to South : 37½ ft.

} 562½ sq. ft.

Plinth :

10½ sq. ft.

Boundaries :

East : House of Sri Annayappa.

West : House of Sri C. N. Ramanna.

North : Road,

South : Site of Sri Nanjundappa.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Gayatri Chattapadhyay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nikhil Ranjan Basu and Kanika Ghosh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd March 1976

Ref. No. TR-74/C-75/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12 situated at Syakrapara Lane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

At 5, Govt. Place North, Calcutta on 15-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly 3 storeyed and partly 2 storeyed building on land measuring 2 K. 7 Ch. 27 sq. ft. at 12 Syakrapara Lane, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date : 3-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd March 1976

Ref. No. TR-110/C-100/Bombay/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing,

No. 5/2 (Office No. 2C), situated at Russel Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Kamla R. Advani
- (2) Kiran G. Advani
- (2) Sharli S. Advani
- (4) Parpati R. Advani
- (5) Kamal D. Advani
- (6) Jethi J. Advani
- (7) Kavita S. Kamalani
- (8) Saraswati R. Punwani
- (9) Lilan K. Punwani and
- (10) Mohan P. Jhangiani
- All partners of Western Estate Corporation.
(Transferor)
- (2) Gopika Ranjan Chakravarty.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person transferred in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 2C, on 'Poonam' building at 5/2 Russel Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date : 3-3-1976
Seal .

FORM ITNS—

(1) Ruby Construction Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) (1) Ila Banerjee
(2) Indrajit Banerjee and
(3) Satrujit Banerjee

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Calcutta-16, the 3rd March 1976

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. TR-111/C-123/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 75C (Flat No. 1B), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 29-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. 1B at 75C Park Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax

Acquisition Range-I

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely:—

Date : 3-3-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd March 1976

Ref. No. TR-109/C-99/Bombay/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/2 (Flat No. 6A) situated at Russel Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—
29—516GI/75

(1) (1) Kamla R. Advani
(2) Kiron G. Advani
(3) Sharli S. Advani
(4) Parpati R. Advani
(5) Kamal D. Advani
(6) Jethi J. Advani
(7) Kavita S. Kamalani
(8) Saraswati R. Punwani
(9) Lilan K. Punwani
(10) Mohan P. Jhangiani
All partners of Western Estate Corporation.
(Transferor)

(2) Jatan Bhandari
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Act.

THE SCHEDULE

Office No. 6A, at 5/2 Russel Street, Calcutta on Poonum building floor space being 707 sq ft.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date : 3-3-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd March 1976

Ref. No. TR-108/C-98/Bombay/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/2 (Flat No. 6B), situated at Russel Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (1) (1) Kamla R. Advani
(2) Kiron G. Advani
(3) Sharli S. Advani
(4) Parpati R. Advani
(5) Kamal D. Advani
(6) Jethi J. Advani
(7) Kavita S. Kamalani
(8) Saraswati R. Punwani
(9) Lilan K. Punwani
(10) Mohan P. Jhangiani
All partners of Western Estate Corporation.
(Transferor)

- (2) Jatan Bhandari.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 6B at 5/2 Russel Street, Calcutta on Poonam building floor space being 1258 sq. ft.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date . 3-3-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA
Calcutta-16, the 4th March 1976

Chandigarh, the 28th February 1976

Ref. No. TR-82/C-83/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. 67B situated at Sreegopal Mullick Lane, Kalan Tehsil and Distt. Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5, Govt. Place, North Calcutta on 7-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Chandi Charan Pyne

(Transferor)

(2) Sunity Hazra.

(Transferee)

(3) Shri Amar Ranjan Hazra

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Kathas of land with structure at 67B Sreegopal Mullick Lane, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-I

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 4-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri V. Balangadar,
No. 43, Sundararaja Perumal Koil Street,
Peravallur, Madras-82

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. R. Madhavan,
No. 43, Sundararaja Perumal Koil Street,
Peravallur, Madras-82

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

(3) 1 Shri M. Balaraman,
New Milk White Dry Cleaners,
2. Shri R. Ethirajulu, Radhika Electricals.
3. Shri V. S. Ramagopal
4. Shri K. M. Rajan
5. Dr. E. Purushothaman
6. Shri T. V. Thothadri &
7. Shri Janadarnan.

[Person(s) in occupation of the property]

Madras-6, the 15th March 1976

Ref. No. IX/5/93(JULY)/1975-76.—Whereas, I, G.
RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 43, situated at Sundararaja Perumal Koil Street, Peravallur, Madras-82

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sembiam, Madras (Doc. No. 2202/75) on July, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 grounds and 1964 sq. ft. with building thereon at door No. 43 (R.S. No. 34/1(part) & 34/2A), Sundararaja Perumal Koil Street, Peravallur, Madras-82.

G. RAMANATHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 15-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 24th February 1976

Ref. No. Acq. File No. 322/J. No. 101/KR.—
Whereas, I, B. V. SUBBA RAO,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961
(43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have
reason to believe that the immovable property having a fair
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Door No. 23-28-19
situated at Challapallivari Street, Vijayawada
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto) has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Vijayawada on 21-7-1975.
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the pro-
perty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor
by more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Sri Uppalapati Narasimha Raju,
s/o P. K. Raju, VZA,
Sri Uppalapati Narasimha Raju,
S/o Narasimharaju, VZA.

(Transferor)

(2) Smt. Vemulapalli Vijayalaxmi W/o Raja Rao, VZA.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 254/75 of
the SRO Vijayawada registered during the fortnight ended
on 31-7-75.

B. V. SUBBARAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Date : 24-2-76
Seal :

INSTITUTE OF SECRETARIAT TRAINING & MANAGEMENT

(EXAMINATION WING)

Grade II Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, 1976

New Delhi, the 27th March 1976

No. 13/6/75-ARRNG.—Examination Wing of Institute of Secretariat Training and Management, New Delhi, will hold on 15th September, 1976 at Bombay, Calcutta, Delhi, Madras, Nagpur and at selected Indian Missions abroad a competitive examination for recruitment to temporary vacancies in Grade II of Central Secretariat Stenographers' Service, Grade II of Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B) and Grade II of Armed Forces Headquarters Stenographers' Service.

2. *Conditions of Eligibility.*—Must be a permanent or temporary regularly appointed Grade III Stenographer of any one of the Services mentioned above satisfying the following conditions:—

- Length of Service:* Must have, on 1st January, 1976 rendered not less than three years' approved and continuous service as Grade III Stenographer of the service concerned.
- Age:* Not more than 45 years on 1st January, 1976. Upper age limit relaxable for SCs/STs and certain other specified categories.
- Stenography Test:* Unless exempted, he should have passed Institute's Stenography Test for the purpose of confirmation or continuance in Grade III of the service concerned on or before the date of notification of this examination.

3. *Fee.*—Rs. 12/- (Rs. 3/- for SCs/STs.)

4. Full particulars and application forms are obtainable from Institute of Secretariat Training and Management (Examination Wing) West Block 1, R. K. Puram, New Delhi-110022, by remitting Re. 1.00 (Rs. 2.00 if the application form is desired to be despatched by Registered Post) by means of CROSSED (A/c Payee) INDIAN POSTAL ORDER payable to the Institute of Secretariat Training and Management (Examination Wing), at R.K. Puram (Delivery) Post Office, New Delhi or on cash payment at the sale counter in Institute's office.

5. Completed application forms, must reach the Institute by 12th May, 1976 (26th May, 1976 for candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep).

MADAN LAL, Director (Examinations)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

INDIAN ADMINISTRATIVE SERVICE ETC. EXAMINATION, 1976

New Delhi, the 27th March 1976

No. F. 1/17/75-EI(B).—A combined competitive examination for recruitment to the categories of Services mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR, TRIVANDRUM and LONDON commencing on the 24th September, 1976 in accordance with the Rules published by the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated the 27th March, 1976.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II, para 10).

2. The categories of services/posts to which recruitment is to be made on the results of the examination and the approximate number of vacancies in the various services/posts are given below:

Category I

- | | |
|---------------------------------------|---|
| (i) The Indian Administrative Service | 130** |
| and (ii) The Indian Foreign Service | 10 (Includes 2 vacancies reserved for Scheduled Castes Candidates). |

Category II

- | | |
|--|--|
| (i) The Indian Police Service | 80** |
| (ii) The Delhi and Andaman & Nicobar Islands Police Service Group B | 5 (includes 1 vacancy reserved for scheduled castes candidates). |
| and (iii) Posts of Assistant Security Officer/Assistant Commandant / Adjutant, Group B in the Railway Protection Force | 4** |

Category III

(a) Group A Services

- | | |
|---|--|
| (i) The Indian P&T Accounts & Finance Service | 6** |
| (ii) The Indian Audit & Accounts Service | 12** |
| (iii) The Indian Customs & Central Excise Service | 35** |
| (iv) The Indian Defence Accounts Service | 10 (Includes 2 vacancies reserved for Scheduled Castes Candidates). |
| (v) The Indian Income-Tax Service, Group 'A' | 80 (Includes 12 vacancies reserved for Scheduled Castes candidates and 6 vacancies for Scheduled Tribes Candidates). |
| (vi) The Indian Ordnance Factories Service Group 'A' (Assistant Managers-Non-Technical) | 12 (Includes 3 vacancies reserved for Scheduled Castes candidates and 2 vacancies for Schedule Tribes candidates). |
| (vii) The Indian Postal Service | 10** |
| (viii) The Indian Railways Accounts Service | 15** |
| (iii) The Indian Railway Traffic Service, and | 20** |
| (x) The Military Lands and Cantonments Service Group 'A' | 1 (unreserved). |

(b) Group B Services :

- | | |
|---|---|
| (i) The Central Secretariat Service, Section Officer's Grade, Group 'B' | 25** |
| (ii) The Indian Foreign Service Branch 'B' Integrated Grade II and III of the General Cadre (Section Officer's Grade) | 10 (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Castes Candidates and 1 vacancy for Scheduled Tribes candidates). |
| (iii) The Armed Forces Headquarters Civil Service, Assistant Civilian Staff Officers Grade, Group 'B' | 12 (Includes 2 vacancies reserved for Scheduled Castes Candidates and 1 vacancy for Scheduled Tribes candidates). |

- (iv) The Customs Appraisers' Service, Group 'B' . . . 15**
- and (v) The Delhi and Andaman & Nicobar Islands Civil Service, Group 'B' . . . 5 (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Castes candidate).

*Vacancies not intimated by Government.

**The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes Candidates, if any, will be determined by Government.

The above numbers are liable to alteration.

Candidates, who qualify in the examination for Services in Category II/Category III may also be considered for the following Services under the Central Government subject to availability of vacancies being intimated to the Commission in time.

- (i) The Goa, Daman and Diu Civil Service, Group 'B'.
- (ii) The Goa, Daman and Diu Police Service, Group 'B'.
- (iii) The Pondicherry Civil Service, Group 'B'.
- (iv) The Pondicherry Police Service, Group 'B' and
- (v) The Railway Board Secretariat Service, (Section Officers' Grade) Group 'B'.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the categories of Services mentioned in para 2 above. Once an application has been made, no change will ordinarily be allowed.

If a candidate wishes to be admitted for more than one category of Services, he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Annexure I once only and will not be required to pay separate fee for each of the categories for which he applies.

N.B.—Candidates are required to specify clearly in their applications the Services covered by the category/categories concerned for which they wish to be considered in the order of preference. They are advised to indicate as many preferences as they wish to, so that having regard to their ranks in the order of merit, due consideration can be given to their preferences when making appointments.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), by Money Order, or by Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. *This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded*

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE I.A.S. ETC. EXAMINATION, 1976. APPLICATION ON FORMS OTHER THAN ONE PRESCRIBED FOR THE I.A.S. ETC. EXAMINATION, 1976 WILL NOT BE ENTERTAINED

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 17th May, 1976 (31st May, 1976 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 17th May, 1976), accompanied by necessary documents. *No application received after the prescribed date will be considered.*

6. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 2 OF ANNEXURE I.

7. If any candidate who took the Indian Administrative Service etc. Examination held in 1975 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1975 examination, his candidature for the 1976 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, as in the case of a candidate not admitted to the examination vide para 3 of Annexure I provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the commission's office on or before 31st July, 1976.

8. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

A. C. BANDYOPADHYAY,
Secretary,
Union Public Service Commission

ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 80.00 (Rs. 20.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft drawn on the State Bank of India New Delhi.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee

3. A refund of Rs. 54.00 (Rs. 14.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 7 of the Notice, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection

ANNEXURE II

Instructions to Candidates

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission in the manner indicated in para 4 of the Notice. Before filling in the application form the candidate should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2 (i) The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

(ii) The completed application form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 17th May, 1976.

Persons already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, must submit their applications through the Head of their Department or Office concerned who will complete the endorsement at the end of the application form and forward them to the Commission. Such candidates should, in their own interest, submit advance copies of their applications direct to the Commission. These, if accompanied by the prescribed fee will be considered provisionally, but the original application should ordinarily reach the Commission within a fortnight after the closing date. If a person already in Government Service does not submit an advance copy of his application alongwith the prescribed fee or if the advance copy submitted by him is not received in the Commission's Office on or before the closing date, the application submitted by him through the Head of his Department or Office, if received in the Commission's Office after the closing date will not be considered.

Applications from all other candidates, whether in private employment or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations, can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

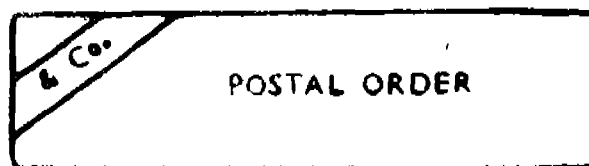
- (i) **CROSSED** Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See Annexure I).
- (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age
- (iii) Attested/Certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Five identical copies of recent passport size (5 cm × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission, where applicable (see para 5 below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (v) & (vi) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF FEBRUARY, 1977. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4 and 5 :—

(i) (a) **CROSSED** Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed as shown below



and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office

(b) **CROSSED** Bank Draft for the prescribed fee—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

NOTE :—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 80.00 (Rs. 20.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the Office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head "051 Public Service Commission—Examination fees". The candidates should forward the receipt from that Office with the application

(ii) **Certificate of Age.**—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualification.*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 8. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e., University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted the candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

NOTE.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educationally qualified for the Commission's examination but have not been informed of the result as also candidates who intend to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

(iv) *Five Copies of Photograph.*—A candidate must submit five identical copies of his recent passport size (5cm. × 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the remaining four copies should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate, in the form given below, from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parents) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue a certificate, if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Sri/Shrimati/Kumari*—
son/daughter* of — of village/town* —
— in District/Division* — of
the State/Union Territory* — belongs to the
— Caste/Tribe* which is recognised as a
Scheduled Caste/Tribe* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Schedule I Tribes Order, 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) S 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1967.*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.*

2. Sri/Shrimati/Kumari* and/or
his/her* family ordinarily reside(s) in village/town*
..... of District/Division* of the
State/Union Territory* of

Signature

**Designation

(with seal of Office)

Place

Date

State/Union Territory*

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/†Taluk Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
†(not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 7 (b)(ii) or 7(b)(iii) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971 :—

(1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;

(2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;

(3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;

(4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 7(b)(iv) or 7(b)(v) should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of 1964.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania claiming age concession under Rule 7(b)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 7(b)(vii) or 7(b)(viii), should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 7(b)(ix) or 7(b)(x) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director-General Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled in the Defence Services in operations, during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. Shri of unit was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature.....
Designation.....
Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force Claiming age concession under Rule 7(b)(xi) or 7(b)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. Shri of unit was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....
Designation.....
Date.....

6. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India, Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative

Reforms) for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

7. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information, in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

8. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

9. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

10. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations and copies of pamphlets containing detailed marks awarded to candidates summoned for interview for Personality Test on the result of the written part of examinations held in previous years are on sale with the Controller of Publications Civil Lines Delhi-110006, and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale Counters of the Publication Branch, Udyog Bhavan, New Delhi-110001, and office of the Union Public Service Commission Dholpur House, New Delhi-110011, and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

12. *Communications regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110011) AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

13. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 12 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

